प्रकाशन का सफलतम 19 वां वर्ष

सुविचार

परिवर्तन संसार का नियम है। जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का होगा।

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 19 | अंक 64 | दैनिक | रांची | बुधवार 15 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 3.00

घाटशिला (एसटी) विधानसभा उपचुनाव 2025: पिता की विरासत या भाजपा का पलटवार?

ब्यूरो प्रमुख

चाईबासा/जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले की घाटशिला विधानसभा सीट पर वर्तमान स्थिति यह है कि विधायक रामदास सोरेन (झामुमो) के निधन के कारण यह सीट खाली हो गई है और अब इस पर उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। यह चुनाव सत्ताधारी आईएनडीआईए गठबंधन (झामुमो) और एनडीए के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार, घाटशिला उपचुनाव के लिए 11 नवंबर को मतदान होगा और परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

प्रमुख वर्तमान घटनाक्रम (अक्टूबर 2025)

- उपचुनाव की घोषणा- निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा चुनाव की घोषणा कर दी गई है और घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में आचार संहिता लागू हो गई है।
- मतदान और मतगणना की तिथि- मतदान 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।
- नामांकन प्रक्रिया- उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया 13 अक्टूबर से शुरू होकर 22 अक्टूबर तक चलेगी।

* मतदाताओं की संख्या- इस उपचुनाव में कुल 2,55,823 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें महिलाओं की संख्या (1,30,921) पुरुषों (1,24,899) से अधिक है।

प्रमुख दावेदार और संभावित मुकाबला-घाटशिला उपचुनाव में एक बार फिर झामुमो और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है, जिसे बेटों की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है-

संभावित उम्मीदवार - आईएनडीआईए (झामुमो) सोमेश सोरेन (संभावित) दिवंगत विधायक रामदास सोरेन के पुत्र। झामुमो अपने दिवंगत विधायक के परिवार के सदस्य को मैदान में उतारकर सहानुभूति लहर पर सवार होकर सीट को बरकरार रखने की रणनीति पर काम कर रहा है। 7

एनडीए (भाजपा) बाबू लाल सोरेन (संभावित) पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पुत्र। बाबू लाल सोरेन ने 2024 के चुनाव में भी भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। भाजपा 2024 की हार का बदला लेने और राज्य सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करेगी।

वर्ष 2024 विधानसभा चुनाव परिणाम-यह उपचुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2024 के आम विधानसभा चुनाव में झामुमो के रामदास सोरेन ने भाजपा के बाबू लाल सोरेन को बड़े अंतर से हराया था। बहरहाल, यह उपचुनाव न केवल घाटशिला, बल्कि पूरे झारखंड में आगामी राजनीतिक समीकरणों के लिए निर्णायक साबित होगा।

पहली कैंडिडेट लिस्ट

विधानसभा सीट	बीजेपी प्रत्याशी
बेतिया	रेणु देवी
रक्सौल	प्रमोद कुमार सिन्हा
पिपरा	श्याम बाबू प्रसाद यादव
मधुबन	राणा रणधीर सिंह
मोतिहारी	प्रमोद कुमार
ढाका	पवन जायसवाल
रीगा	वैद्यनाथ प्रसाद
बथनाहा	अनिल कुमार राम
परिहार	गायत्री देवी
सीतामढ़ी	सुनील कुमार पिंटू
बेनीपट्टी	विनोद नारायण झा
खजौली	अरुण शंकर प्रसाद
बिस्फी	हरभूषण ठाकुर बचौल
राजनगर	सुजीत कुमार पासवान
झंझारपुर	नीतीश मिश्रा
छातापुर	नीरज कुमार बब्लू
नरपतगंज	देवंती यादव
फारबिसगंज	विद्या सागर केसरी
सिकटी	विजय कुमार मंडल
किशनगंज	स्वीटी सिंह
बनमनखी	कृष्ण कुमार ऋषि
पूर्णिया	विजय कुमार खेमका
कटिहार	तारकिशोर प्रसाद
प्राणपुर	निशा सिंह
कोढ़ा	कविता देवी
सहरसा	आलोक रंजन झा
गौरा बौराम	सुजीत कुमार सिंह
दरभंगा	संजय सरावगी
केवटी	मुरारी मोहन झा
जाले	जिबेश कुमार मिश्रा
औराई	रमा निषाद
कुढ़नी	केदार प्रसाद गुप्ता
बरुराज	अरुण कुमार सिंह
साहेबगंज	राजू कुमार सिंह
बैकुंठपुर	मिथिलेश तिवारी
सीवान	मंगल पांडे
दरौंदा	कर्णजीत सिंह
गोरियाकोठी	देवेश कांत सिंह
तरैया	जनक सिंह

बीजेपी ने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

- तारापुर से सम्राट तो दानापुर से रामकृपाल को मिला टिकट

नईदिल्ली/पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सियासी घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने उम्मीदवारों की बहुप्रतीक्षित पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें कुल 71 नाम शामिल हैं। इस सूची में पार्टी ने अनुभवी और बड़े चेहरों पर विश्वास जताते हुए उन्हें चुनावी रण में उतारा है। सबसे महत्वपूर्ण घोषणाओं में से एक ये है कि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। ये फैसला पार्टी की तरफ से एक बड़ा दांव माना जा रहा है। बीजेपी ने न केवल अपने पूर्व मंत्रियों का टिकट काट दिया है, बल्कि पिछली बार के कई विजयी उम्मीदवारों को भी रिपीट नहीं किया है।

उपमुख्यमंत्री समेत इनको बनाया उम्मीदवार

बीजेपी की पहली सूची में पार्टी के वरिष्ठ और दिग्गज नेताओं को प्राथमिकता दी गई है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उनके पैतृक क्षेत्र से जुड़ी तारापुर सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा, पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी को बेतिया विधानसभा सीट से एक बार फिर टिकट दिया गया है। पार्टी ने अपने कई कद्दावर मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं को उनकी वर्तमान सीटों से दोबारा मैदान में उतारा है। मंत्री नितिन नबीन को पटना की बांकीपुर सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, मंत्री मंगल पाण्डेय को सिवान से टिकट दिया गया है।

विधानसभा सीट	बीजेपी प्रत्याशी	विधानसभा सीट	बीजेपी प्रत्याशी	विधानसभा सीट	बीजेपी प्रत्याशी
अमनौर	कृष्ण कुमार मंटू	तारापुर	सम्राट चौधरी	आरा	संजय सिंह टाइगर
हाजीपुर	अवधेश सिंह	मुंगेर	कुमार प्रणय	तरारी	विशाल प्रशांत
लालगंज	संजय कुमार सिंह	लखीसराय	विजय कुमार सिन्हा	अरवल	मनोज शर्मा
पातेपुर	लखेंद्र कुमार रोशन	बिहारशरीफ	डॉ. सुनील कुमार	औरंगाबाद	त्रिविक्रम सिंह
मोहिउद्दीन नगर	राजेश कुमार सिंह	दीघा	संजीव चौरसिया	गुरुआ	उपेंद्र दांगी
बछवारा	सुरेंद्र मेहता	बांकीपुर	नितिन नबीन	गया शहर	प्रेम कुमार
तेघरा	रजनीश कुमार	कुम्हरार	संजय गुप्ता	वजीरगंज	बीरेंद्र सिंह
बेगूसराय	कुंदन कुमार	पटना साहिब	रत्नेश कुशवाहा	हिसुआ	अनिल सिंह
भागलपुर	रोहित पांडेय	दानापुर	रामकृपाल यादव	वारसलीगंज	अरुणा देवी
बांका	राम नारायण मंडल	बिक्रम	सिद्धार्थ गौरव	जमुई	श्रेयसी सिंह
कटोरिया	पूरन कुमार टुडू	बरहड़ा	राघवेंद्र प्रताप सिंह		

दिवाली से पहले योगी सरकार का बोनस का ऐलान

14.82 लाख कर्मचारियों को मिलेगा, अधिकतम 7 हजार रुपए मिलेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य कर्मचारियों को बड़ा उपहार देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के

प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। प्रदेश की प्रगति में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, और सरकार हर स्तर पर उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असम्बद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है। यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा रू. 7,000 के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 6,908 का लाभ मिलेगा।

ट्रम्प, टाइम मैगजीन के कवर पर अपनी तस्वीर देखकर हुए नाराज

कहा- ये सबसे बेकार फोटो, मेरे सिर के बाल गायब कर दिए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प ने टाइम मैगजीन के कवर पर अपनी तस्वीर को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे अब तक की सबसे खराब तस्वीर करार दिया। ट्रम्प ने अपनी नाराजगी ट्रुथ सोशल पर जताई और कहा कि टाइम ने उनके बारे में अच्छा लेख लिखा है, लेकिन अब तक की शायद सबसे खराब तस्वीर लगाई है। ट्रम्प ने आगे लिखा है कि तस्वीर में उनके बाल 'गायब' कर दिए गए हैं और उनके सिर के ऊपर एक तैरती हुई अजीब सी चीज रख दी गई है जो एक छोटे से ताज जैसी दिखती है। यह बहुत अजीब है। ट्रम्प ने कहा- मुझे नीचे के कोणों से तस्वीरें लेना कभी पसंद नहीं आया, लेकिन यह एक बहुत खराब तस्वीर है और इसे बताना जरूरी है।

- **तस्वीर को ट्रम्प की जीत के तौर पर दिखाया-** टाइम मैगजीन के कवर पर लगी तस्वीर में राष्ट्रपति ट्रम्प आत्मविश्वास से आगे देखते हुए दिख रहे हैं और इसका शीर्षक है- हिज ट्रियम्फ यानी कि उनकी विजय। इस स्टोरी को एरिक कॉर्टलेसा ने लिखा है। इसे मिडिल ईस्ट में ट्रम्प की जीत के तौर पर दिखाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के छापों पर सवाल उठाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु में शराब दुकान के लाइसेंस से जुड़े तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड घोटाला केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर सवाल उठाए। कोर्ट ने ईडी से सवाल किया कि क्या आप राज्य पुलिस की शक्तियों में दखल नहीं दे रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने पूछा कि क्या राज्य पुलिस इस घोटाले की जांच नहीं कर सकती है, क्या ईडी का दखल जरूरी है? इससे संघीय ढांचे पर क्या असर होगा? दरअसल, ईडी ने मार्च में

नरेश मीणा ने परिवार के साथ जनता को किया दंडवत

- अंता उपचुनाव के लिए भरा नामांकन, बोले- भाया ने भ्रष्टाचार का खुला खेल खेला

जयपुर (एजेंसी)। बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए नरेश मीणा ने मंगलवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ माता-पिता, पत्नी और बच्चे समेत सैकड़ों की संख्या में समर्थक मौजूद रहे। उन्होंने परिवार के साथ अंता की जनता को दंडवत प्रणाम किया। कहा- इस दंडवत को अंता की जनता अपने चरणों में दंडवत माने और मुझे आशीर्वाद दे।

गायिका मैथिली ठाकुर बीजेपी में शामिल

बिहार की इस सीट से टिकट मिलने की उम्मीद

पटना(एजेंसी)। लोकप्रिय लोक गायिका मैथिली ठाकुर पटना स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। उनके साथ कई अन्य लोगों ने भी बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। बीते कुछ दिनों से उनके राजनीति में आने की खबरें थीं, जिस पर अब मुहर लग गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बीजेपी उन्हें आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में दरभंगा की अलीनगर सीट से उम्मीदवार बना सकती है।

दिल्ली-एनसीआर की हवा फिर हुई 'खराब'

सीएक्यूएम ने राजधानी में लागू कीं जीआरएपी के पहले चरण की पाबंदियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता फिर से बिगड़ने लगी है। मंगलवार को शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 211 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उप-समिति ने आपात बैठक कर ग्रेडेड रिस्पॉन्स ऐक्शन प्लान (जीआरएपी) के पहले चरण (स्टेज1) को तुरंत प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें और निजी वाहन प्रयोग से बचें।

साथ ही धूल फैलाने वाली गतिविधियों से परहेज करें। इसके अलावा पेट्रोल के पुराने और डीजल वाहनों (बीएस-III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल) के संचालन पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। साथ ही निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) गतिविधियों में धूल शमन उपायों और सीएंडडी कचरे के ठोस पर्यावरण प्रबंधन पर निर्देशों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें 500 वर्ग मीटर के बराबर या उससे अधिक के भूखंड आकार वाली ऐसी परियोजनाओं के संबंध में सीएंडडी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो संबंधित के वेबपोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं। डंप स्थलों से नगर पालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू), निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट और खतरनाक कचरे का नियमित उठाव सुनिश्चित करना होगा।

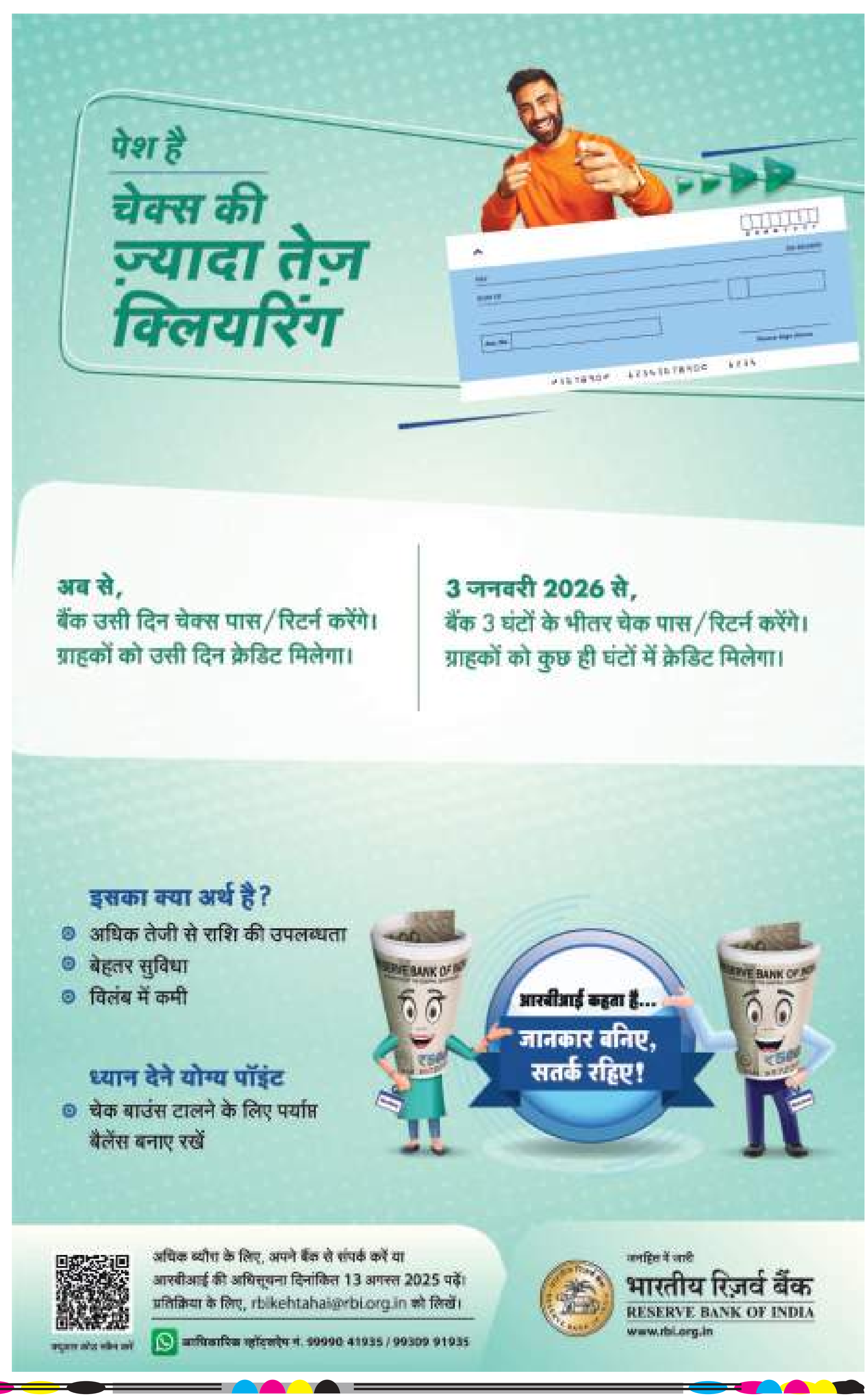

बाल श्रम पर शिकंजा- रांची रेलवे स्टेशन से बारह नाबालिग लड़के एवं एक नाबालिग लड़की का रेस्क्यू

● चार मानव तस्कर गिरफ्तार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। रेलवे स्टेशन पर गुप्त सूचना के आधार पर बाल मजदूरी के खिलाफ चलाए गए एक संयुक्त रेस्क्यू अभियान में 12 नाबालिग लड़कों एवं एक नाबालिग लड़की को तस्करों के चंगुल से बचाया गया। यह सभी बच्चों को वास्कोडिगामा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 17322 से सिकंदराबाद ले जाया जा रहा था। सामाजिक संस्था जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन और सहयोगी संस्था एसजीवीवी ,रांची एवं रांची रेलवे सुरक्षा बल ,रांची राजकीय रेलवे पुलिस ,रांची एवं झारखंड पुलिस के सहयोग से यह अभियान चलाया गया। सूचना के अनुसार ट्रेन जसीडीह से चली थी और इसमें लगभग 20 बच्चों के साथ 04 तस्कर भी सवार थे। बच्चों को बाल मजदूरी करने के लिए सिकंदराबाद ले जाया जा रहा था । रांची स्टेशन पर चलाए गए इस संयुक्त अभियान में कल 13 बच्चों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया । रेस्क्यू करने के दौरान बच्चों के साथ सफर कर रहे चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया। सभी बच्चों को बहला फुसलाकर बाल मजदूरी के लिए ट्रैफिक किया गया था । इस सफल अभियान में जीआरपी के डीएसपी प्रदीप मिंज एवं उनकी पूरी टीम आरपीएफ ,रांची के उप निरीक्षक सूरज पांडे एवं उनकी पूरी टीम मुरी स्टेशन के जीआरपी के उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह एवं एसजीवीवी ,रांची के सचिव राजेन कुमार एवं समन्वयक धीरज कुमार राय सीएचएल ,रांची के सुपरवाइजर शंकर प्रजापति एवं सुपरवाइजर अर्पणा सिंह उपस्थित थे । इस अभियान में प्रशासनिक मदद के रूप में चाइल्ड राइट फाउंडेशन के बैजनाथ कुमार का भी प्रशासनिक सहयोग रहा।

घाटशिला (एसटी) विधानसभा उपचुनाव 2025 : पिता की विरासत या भाजपा का पलटवार?

ब्यूरो प्रमुख

चाईबासा/जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले की घाटशिला विधानसभा सीट पर वर्तमान स्थिति यह है कि विधायक रामदास सोरेन (झामुमो) के निधन के कारण यह सीट खाली हो गई है और अब इस पर उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। यह चुनाव सत्ताधारी आईएनडीआईए गठबंधन (झामुमो) और एनडीए के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार, घाटशिला उपचुनाव के लिए 11 नवंबर को मतदान होगा और परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। **प्रमुख वर्तमान घटनाक्रम (अक्टूबर 2025)** उपचुनाव की घोषणा-निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा चुनाव की घोषणा कर दी गई है और घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में आचार संहिता लागू हो गई है। मतदान और मतगणना की तिथि- मतदान 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। नामांकन प्रक्रिया- उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया 13 अक्टूबर से शुरू होकर 22 अक्टूबर तक चलेगी। मतदाताओं की संख्या- इस उपचुनाव में कुल 2,55,823 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें महिलाओं की संख्या (1,30,921) पुरुषों (1,24,899) से अधिक है। **प्रमुख दावेदार और संभावित मुकाबला** घाटशिला उपचुनाव में एक बार फिर झामुमो और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है, जिसे बेटों की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है-**संभावित उम्मीदवार** आईएनडीआईए (झामुमो) सोमेश सोरेन (संभावित) दिवंगत विधायक रामदास सोरेन के पुत्र। झामुमो अपने दिवंगत विधायक के परिवार के सदस्य को मैदान में उतारकर सहानुभूति लहर पर सवार होकर सीट को बरकरार रखने की रणनीति पर काम कर रहा है। 7 एनडीए (भाजपा) बाबू लाल सोरेन (संभावित) पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पुत्र। बाबू लाल सोरेन ने 2024 के चुनाव में भी भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। भाजपा 2024 की हार का बदला लेने और राज्य सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करेगी। **वर्ष 2024 विधानसभा चुनाव परिणाम** यह उपचुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2024 के आम विधानसभा चुनाव में झामुमो के रामदास सोरेन ने भाजपा के बाबू लाल सोरेन को बड़े अंतर से हराया था। बहरहाल, यह उपचुनाव न केवल घाटशिला, बल्कि पूरे झारखंड में आगामी राजनीतिक समीकरणों के लिए निर्णायक साबित होगा।

नाबालिग छात्रा के साथ शिक्षक पर छेड़छाड़ के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बिरनी। प्रखण्ड के बिरनी थाना क्षेत्र में एक गाँव की नाबालिग दलित छात्रा के साथ विद्यालय के शिक्षक पर छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है। बता दें कि मामले को लेकर छात्रा के पिता ने सोमवार को बिरनी थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपित शिक्षक पर कार्रवाई की मांग की थी। बता दें कि 5 वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा के साथ शिक्षक मो इजहार आलम छेड़छाड़ कर रहा था, तभी विद्यालय की अन्य छात्राओं ने छेड़छाड़ करते उसे देख लिया। जिसके बाद पीड़िता एवं अन्य छात्रों ने विद्यालय के शिक्षक को मामले की शिकायत की। प्राचार्य ने शिक्षक पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं किया एवं मामले को दबाने के लिए शिक्षिका एवं छात्राओं पर दबाव बनाया गया। सोमवार को पीड़िता ने विद्यालय जाने से इंकार कर दी तो उसकी माँ ने उससे पूछताछ किया, तभी घटना की जानकारी दी। मामले को लेकर आसपास के लोगों ने अन्य छात्रों से जानकारी ली जिसमें अन्य छात्रों ने भी छेड़छाड़ करने की बात कही। बता दें कि शिक्षक इजहार आलम पर पूर्व में भी कई छात्राओं से छेड़छाड़ करने का आरोप है। मामले की लिखित शिकायत को लेकर सोमवार शाम को दर्जनों ग्रामीण बिरनी थाना पहुँचे थे। वहीं मंगलवार को मामले की जांच की गई तथा इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई।

उपायुक्त ने आवास एवं मनरेगा योजनाओं की समीक्षा की

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवास एवं मनरेगा योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिए कि पीएम जनमन आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, अबुआ आवास और अंबेडकर आवास योजनाओं में लंबित आवासों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को फील्ड विजिट कर योजनाओं की प्रगति का जायजा लेने का निर्देश दिया गया। वहीं मनरेगा योजनाओं में बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना और पोटो खेल योजना पर विशेष ध्यान देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक दिन शाम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक ली जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से आम जनता को समय पर लाभ और कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में एनसीसी के विशेष शिविर का समापन

● उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हुए शामिल ● कैडेटों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। जवाहर नवोदय विद्यालय मेसरा रांची में आयोजित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के सीनियर डिवीजन के तहत आयोजित सप्ताहिक विशेष शिविर का सफल समापन समाहरोह में मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री मुख्य अतिथि के रूप में शिविर में शामिल हुए। इस समारोह में जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य एनोस केरकेट्टा, कर्नल रोहित नंदन प्रसाद, सीओ, 19 झार. बटालियन एनसीसी, कर्नल अमित लांबा, एओ 19 झार. बटालियन एनसीसी, रतीन भद्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक, राँची, श्री बादल राज, प्राचार्या बाल कृष्णा प्लस टू हाई स्कूल, सूबेदार मेजर प्रभादयाल सिंह, सुभाषिश रॉय,विद्यालय के शिक्षक मुकेश कुमार, मंजुलिका पांडे, विजय कुमार, रंजन कुमार, माधुरी कुजूर, नायब सूबेदार पंकज पाल, हरेराम सिंह, जीवन सिंह, मनोज जोशी, बीएच एम हवलदार ओम प्रकाश, हवलदार धर्मेंद्र कुमार एवं सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे। शैक्षणिक संस्थानों से चयनित कैडेटों ने भाग लिया, जिन्हें सैन्य प्रशिक्षण, अनुशासन और नेतृत्व विकास के माध्यम से एक जिम्मेदार नागरिक बनने की कला सिखाई गई। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने समापन समारोह के दौरान कैडेटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए। शिविर का आयोजन रांची के जवाहर नवोदय विद्यालय में किया गया था। यह शिविर एनसीसी के सीनियर विंग के अंतर्गत आता है, जिसमें 13 से 24 वर्ष की आयु के युवा कैडेट भाग लेते हैं। शिविर के दौरान कैडेटों को ड्रिल, वेपन ट्रेनिंग, मैप रीडिंग, फर्स्ट एड, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा जैसे विविध विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेष रूप से, टीम वर्क और नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए ग्रुप एक्टिविटीज़ और आउटडोर एक्सरसाइज का आयोजन किया गया, जो कैडेटों के बीच सहयोग और अनुशासन की भावना को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। शिविर के मुख्य उद्देश्यों में कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क और एक जिम्मेदार नागरिक बनने के गुणों का विकास शामिल था। एनसीसी के क्षेत्र अधिकारी ने बताया कि इस शिविर के माध्यम से युवाओं को राष्ट सेवा की भावना से परिपूर्ण किया जाता है, जो उन्हें भविष्य में सेना, अर्धसैनिक बलों या सामान्य नागरिक जीवन में उपयोगी सिद्ध होता है। कैडेटों ने शिविर के अंत में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें देशभक्ति गीत और ड्रिल प्रदर्शन शामिल थे, जिसकी उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों ने खूब सराहना की। समापन समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा, एनसीसी न केवल एक प्रशिक्षण शिविर है, बल्कि यह युवाओं के चरित्र निर्माण का माध्यम है। अनुशासन और टीम वर्क जैसे गुण आपको न केवल व्यक्तिगत जीवन में सफल बनाएंगे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देंगे। राँची जिला प्रशासन एनसीसी जैसी संस्थाओं का पूर्ण समर्थन करता है और भविष्य में ऐसे और अधिक शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कैडेटों के प्रदर्शन के आधार पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए। शिविर में भाग लेने वाले कैडेटों ने अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि यह अनुभव उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है। एक कैडेट ने बताया, ट्रेनिंग के दौरान हमें न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाया गया, बल्कि मानसिक रूप से भी आत्मविश्वास बढ़ा। समारोह के अंत में उपायुक्त द्वारा कैडेटों को उनके प्रशिक्षण और प्रदर्शन के आधार पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह शिविर राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक कैलेंडर का हिस्सा है, जो युवाओं को सशस्त्र बलों की झलक प्रदान करने के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता है। रांची जिला प्रशासन ने इस आयोजन के लिए एनसीसी इकाई, स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों और सुरक्षा बलों का आभार व्यक्त किया है।

सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करने का प्रतीक है धनतेरस: संजय सर्राफ

● धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर को

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि हर साल धनतेरस का पर्व कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को आता है। यह दीपावली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरुआत करता है। धनतेरस को धनत्रयोदशी भी कहा जाता है।इस वर्ष त्रयोदशी तिथि 18 अक्टूबर दिन (शनिवार) को दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से प्रारंभ होगा, जो 19 अक्टूबर रविवार को दोपहर एक बजकर 51 मिनट तक रहेगा। धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन को स्वास्थ्य, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व विशेष रूप से धन (संपत्ति) और आरोग्य (स्वास्थ्य) की प्राप्ति के लिए मनाया जाता है। इस दिन धन के देवता कुबेर, स्वास्थ्य के देवता धन्वंतरि और मां लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए यह दिन आयुर्वेद और आरोग्य के प्रतीक धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, राजा ह्यम के पुत्र की अल्पायु भविष्यवाणी को उसकी पत्नी की चतुराई और दीपों की रौशनी ने बदल दिया था। इसलिए इस दिन दीपदान एवं यमराज के लिए दीपक जलाने की परंपरा भी है। धनतेरस के दिन लोग नए बर्तन, धातु (सोना-चांदी), जेवरात, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ, वाहन, आदि खरीदते हैं। यह विश्वास है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं घर में समृद्धि और शुभता लाती हैं। साथ ही, व्यापारी वर्ग इस दिन को नए खाता-बही की शुरुआत के रूप में भी मनाता है। इस दिन धन्वंतरि जी की पूजा के साथ-साथ घर के मुख्य द्वार पर रंगोली, दीप और तोरण से सजावट की जाती है। संध्या के समय यमराज के नाम एक दीपक घर के बाहर दक्षिण दिशा में जलाना विशेष फलदायक माना गया है। इसे यमदीपदान कहते हैं।आज के दौर में धनतेरस केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव का स्वरूप भी बन चुका है। यह दिन स्मार्ट खरीदारी और वित्तीय निवेश का प्रतीक बन गया है। लोग इस दिन स्वास्थ्य बीमा, सोना-चांदी के सिक्के, और दीर्घकालीन निवेश करते हैं।धनतेरस केवल धन की पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा को जीवन में आमंत्रित करने का प्रतीक है। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि धन का उपयोग समाज और परिवार के कल्याण के लिए कैसे किया जाए।

सैमसंग का एआई फॉर ऑल विजन पेश

रांची। सैमसंग इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में अपने एआई फॉर ऑल विज़न के माध्यम से लोगों के जीने, जुड़ने और नवाचार करने के तरीके को फिर से परिभाषित कर रहा है। इनोवेट टु ट्रांसफॉर्म थीम के साथ तालमेल बिठाते हुए, आईएमसी में सैमसंग का प्रदर्शन एआई-पावर्ड लिविंग और स्थायी कनेक्टिविटी के भविष्य को साकार करता है। सैमसंग के बूथ को उपभोक्ताओं और सभी प्रतिष्ठित दिग?गजों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिनमें ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, पेम्मासानी चंद्रशेखर, संचार राज्य मंत्री और रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री शामिल थीं। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल और उत्तर प्रदेश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने प्रदर्शित किए गए अत्याधुनिक समाधानों का अनुभव लिया।

कृति सेनन के कैंपस शू का नया कैंपेन

रांची। देश के अग्रणी स्पोर्ट्स और एथलीज़र ब्रांड कैंपस एक्टिववियर ने अपने चर्चित कैंपेन यू गो, गर्ल! का दूसरा अध्याय लॉन्च किया है। इस बार भी इसकी पहचान बनी हैं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कृति सेनन, जो सामाजिक ठप्पों को तोड़ते हुए आत्मविश्वास से आगे बढ़ती नज़र आती हैं।कैंपेन फिल्म में कृति सेनन एक आकर्षक लॉबी में प्रवेश करती हैं, जहां वे समाज की रूढ़ धारणाओं – बहुत महत्वाकांक्षी, बहुत बोल्ड, ड्रामा क्वीन जैसी परिभाषाओं से घिर जाती हैं। लेकिन वे बिना रुके, आत्मविश्वास से आगे बढ़ती हैं और हर धारणा को पीछे छोड़ देती हैं। अंत में अपने स्टाइलिश कैंपस शूज़ को देखकर मुस्कुराते हुए कहती हैं – डैम्न गुड शूज़, यार !कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड के सीईओ एवं निदेशक निखिल अग्रवाल ने कहा, यू गो, गर्ल! उन महिलाओं को समर्पित है जो तयशुदा सीमाओं से मुक्त होकर अपनी पसंद से जीवन जीती हैं। यही कैंपस की सोच मूव योर वे का सार है।कृति सेनन ने कहा, यह कैंपेन सिर्फ़ मेरी नहीं, हर उस महिला की कहानी है जो हर दिन समाज की धारणाओं को पीछे छोड़ आगे बढ़ती है। यह आत्म-अभिव्यक्ति और साहस को सेलिब्रेट करता है।

रांची-चाईबासा पथ का नामकरण शहीद देवेंद्र मांझी मार्ग किया जाय- पुष्कर महतो

झारखंड आंदोलनकारियों ने शहीद देवेंद्र मांझी की 31 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची जिला के तत्वावधान में मंगलवार को झारखंड अलग राज्य आन्दोलन के अमर पुरोधा शहीद देवेंद्र मांझी की 31वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर डोरंडा के देवेंद्र मांझी चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके मनाई गई। आंदोलनकारियों ने शहीद देवेंद्र मांझी अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा , शहीद देवेंद्र मांझी का नाम रहेगा आदि गगन भेदी नारे गूंजायमान हुए। आंदोलनकारियों ने रांची-चाईबासा पथ का नाम शहीद देवेंद्र माझी मार्ग करने तथा शहीद देवेंद्र मांझी की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की।

इस मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि शाहिद देवेंद्र मांझी ने झारखंड अलग राज्य के मूल्यों की रक्षा के संघर्ष करते हुए शहादत दी है। उनकी हत्या एक राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा था।उनके संघर्ष और शहादत को झारखंड एवं आंदोलनकारी भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा कि देवेंद्र मांझी के संदेश आज भी जीवंत हैं । आंदोलनकारियों के अरमानों में, झारखंड के खेतों खलिहानों, वन पहाड़ों में।

केंद्रीय उपाध्यक्ष इजहार राही ने कहा कि शाहिद देवेंद्र मांझी ने झारखंड अलग राज्य के संघर्ष के साथ जल, जंगल ,जमीन को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। उनकी कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी बल्कि हर वर्ष उनकी कुर्बानी पर मेले लगेंगे।

कार्यक्रम में दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल के प्रभारी अनथन लकड़ा ने कहा कि देवेंद्र मांझी झारखंड अलग राज्य आंदोलन के महान नेताओं में एक हैं उनके त्याग- बलिदान को हम भूल नहीं सकते हैं। राज्य सरकार शहीद देवेन्द्र मांझी को गजट नोटिफिकेशन कर झारखंड आंदोलनकारी का सम्मान देना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के मूल्य अभी अधूरे हैं। आंदोलनकारी के रूप में जो सम्मान देवेंद्र मांझी को मिलना चाहिए वह राजकीय मान सम्मान नहीं मिलना दुर्भाग्य है।

इस दौरान अमर भेंगरा,

दिनेश महतो,मोइनुद्दीन, दिनेश दूबे, भुवनेश्वर सेनापति, डॉ .शैलेंद्र शर्मा, बिमल कुमार, सुनील तिर्की, राजेश राम सहित अन्य मौजूद थे।

● व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ.. राजकुमार शर्मा ● सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने से मिलती है सफलता : डॉ. ब्रजेश

एनएसएस का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। डोरंडा महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनों इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को महाविद्यालय के सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार में प्राचार्य डॉ. राजकुमार शर्मा की अध्यक्षता में एक दिवसीय एन एस एस ओरियंटेशन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में डोरंडा महाविद्यालय का छात्र सह एन एस एस का वरिष्ठ स्वयंसेवक दिवाकर आनंद को राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय पुरस्कार भारत के राष्टपति द्वारा सम्मानित होने के उपरांत उसे अंग वस्त्र, पौधा और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एन एस एस के लक्ष्य गीत के उपरांत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया जाएगा।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ राजकुमार शर्मा ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एन एस एस की प्रमुख भूमिका है एवं इसके माध्यम से युवाओं के अंदर सामाजिक दायित्व का भाव विकसित होता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय का मान सम्मान दिवाकर आनंद ने बढ़ाया है एवं साथ ही साथ इनसे प्राप्त अनुभव का लाभ अन्य एन एस एस के स्वयंसेवकों को भी मिलेगा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आर यू के एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट कट नही होता बल्कि सकारत्मक पहल से सफलता अपने आप मिलती है। उन्होंने कहा कि एन एस एस से जुड़ने से स्वयंसेवको का सर्वांगीण विकास के साथ ही साथ टाइम मैनेजमेंट एवं अनुशासन की भावना अपने आप आ जाती है।

संपूर्ण कार्यक्रम डोरंडा महाविद्यालय, राँची के एन एस एस के तीनों इकाईयों के कार्यक्रम पदाधिकारी क्रमशः डॉ कंचन मुंडा, डॉ एमलिन केरकेट्टा एवं डॉ अलका दिव्या तिग्गा के देख रेख में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का सफल संचालन एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः प्रियांशी एवं प्रेरणा ने किया। तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कंचन मुंडा ने किया।

कार्यक्रम के दौरान दिवाकर आनंद ने अपनी इस प्रमुख सफलता को विस्तार से बताया। कार्यक्रम में अर्थ शास्त्र विभाग की तरफ से भी दिवाकर आनंद को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को डोरंडा महाविद्यालय के प्राध्यापक क्रमशः डॉ शिल्पी सिंह, डॉ निवेदिता, डॉ पुष्पा बिन्हा, डॉ सुप्रिया, डॉ शालिनी, डॉ अरविंद कुमार ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में जनजातीय लोक नृत्य, लोक गीत भी प्रस्तुत किया गया। एन एस एस का स्वयंसेवक अविनाश और विधि ने कविता का पाठन किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः संकल्प, जमील, कंचन, आयुष्मान, वर्षा, रौशन आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का समापन राष्ट गान से किया गया।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर के टाउन हॉल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे उपस्थित लोगों को स्वदेशी अपनाते हुए दूसरे लोगों को भी स्वदेशी अपनाने हेतु प्रेरित करने पर बल दिया गया द्य मौके पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने संबोधन के दौरान कहा किमोदी के नेतृत्व में भारत हर एक दिशा में आत्मनिर्भर हो रहा है, आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी का आंदोलन है, हम सभी को इस अवसर पर ध्यान रखना है कि हम अपने गांव और क़स्बा में कैसे आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में काम कर सकते हैं, देश में 2014 के बाद जनता ने ऐसी सरकार को चुना जो नीतियों की स्पष्टता के साथ सबका साथ सबका विकास के साथ काम कर रही है, आज हमारा कौशल विकास करने के बाद युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त हो रहा है और वे सब सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे यहां जो उत्पादन हो रहा है उस उत्पादन का उपभोग हमारे द्वारा किया जायेद्य उन्होंने आवाहन किया कि हमसभी स्वदेशी अपनाएं और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को पूर्ण करेंद्यउन्होंने कहा कि पहले हम बाहर से वस्तुओं को मंगाते थे और खरीदते थे परन्तु आज हम खुद बड़े निर्माता बनकर उभर रहे हैं और स्वयं दूसरे देशों को बस्तुओं का निर्यात कर रहे हैंद्यहमारी अर्थव्यवस्था का तहसील होनी चाहिए इसलिए आज देश में नेशनल हाईवे का काम रेलवे का काम विद्युत उत्पादन का काम जोरों से चल रहा हैद्य स्वदेशी अपनाते हुए स्थानीय संसाधनों को अपनाते हुए झारखण्ड में डबल इंजन की सरकार को बनाना हैद्यवहीं मौके पर उपस्थित पलामू सांसद श्री विष्णु दयाल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ एक ऐसे देश से है जो अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैश्विक स्तर पर दूसरों पर कम निर्भर हो। यह पहल देश के स्वयं के संसाधनों, प्रतिभाओं और उद्योगों का उपयोग करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्वदेशी अपनाने और आत्म भारत के संकल्प का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम दूसरे देश के साथ अपने रिश्ते को खराब कर लें, उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य भारत को आर्थिक,सामाजिक और तकनीकी रूप से मजबूत और स्वतंत्र बनाना है ताकि वह आत्मविश्वास से वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सके। उन्होंने स्थानीय व्यवसायों, नवाचारों और उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी का उपयोग कर देश को मजबूती की दिशा में ले जाएं। उन्होंने कहा कि देश के

जनमानस में स्वभाषा,स्वभूषा का भाव होना चाहिए ताकि विश्व के अन्य देशों की भांति भारत भी 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा कर सके। उन्होंने छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहन देकर देश के उत्पादन को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया जो देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा।प्रदेश महामंत्री श्री मनोज सिंह ने कहा कि यह अभियान 25 सितंबर से शुरू होकर 25 दिसंबर तक तीन माह चलेगा। कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल वस्तुओं का उपयोग नहीं है, बल्कि यह हमारी भाषा, संस्कृति, पहनावे और रीति-रिवाजों से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में स्वदेशी ने ही हमें अंग्रेजों के खिलाफ खड़ा किया था। गांधी जी ने चरखे के माध्यम से हर व्यक्ति को जोड़ने का कार्य किया। आज के दौर में भी हमें स्वदेशी को नए संदर्भों में परिभाषित करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से 'मेक इन इंडिया' और 'मेड इन इंडिया' की नीतियों के जरिए स्वदेशी को बढ़ावा दिया है। इसी का परिणाम है कि भारत का रक्षा निर्यात कुछ सौ करोड़ से बढ़कर 24,000 करोड़ रुपये हो गया है।वहीं विधायक आलोक चौरसिया ने अपने संबोधन में स्वदेशी के उपयोग को विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित देश बनाने के लिए हमें स्वदेशी सामानों के उपयोग में बढ़ावा देना चाहिए क्योंकि विदेशी सामानों के उपयोग से पैसा विदेश चला जाता है। जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने विषय प्रवेश करते हुए आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के उद्देश्यों को बतायाद्य भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री श्याम नारायण दुबे, पूर्व महापौर श्रीमती अरुणा शंकर, पूर्व मंत्री श्री कमलेश सिंह,उप महापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ़ मंगल सिंह, विपिन बिहारी सिंह, परशुराम ओझा, विजय आनंद पाठक, नरेंद्र पांडे, प्रफुल्ल सिंह,विभाकर नारायण पांडे, अविनाश वर्मा, अजय तिवारी,उदय शुक्ला,दुर्गा जौहरी, शिव कुमार मिश्रा, विजय ओझा ईश्वरी पांडे सरवन गुप्ता सोमेश सिंह, भोला पांडे,शशि भूषण पांडे, प्रेमजीत कुमार, नंदलाल गुप्ता,स्मिता आनंद, लवली गुप्त, रूपा सिंह एवं सैकड़ो की संख्या मे कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद थे।

सीसीएल मुख्यालय में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। सतर्कता जागरूकता अभियान-2025 के तहत सोमवार को सीसीएल मुख्यालय में एक मेगा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के कर्मचारी, उनके परिजन एवं विभिन्न संगठनों के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर में कुल 159 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार उपस्थित रहें। उन्होंन रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। सतर्कता जागरूकता अभियान-2025 के अंतर्गत सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 17 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें कुल 1090 यूनिट रक्त एकत्र किया गया है। यह उपलब्धि सीसीएल परिवार की मानवता के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त प्रमाण है। रक्तदान न केवल किसी ज़रूरतमंद के जीवन को बचाने का माध्यम है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इसके साथ ही यह समाज में एकता, सहयोग और मानवता के मूल्यों को भी सशक्त बनाता है। सीसीएल स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में विभिन्न पहल के माध्यम से समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। सामाजिक सरोकारों को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता ही ऐसे आयोजनों की प्रेरणा है। रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले सभी कर्मचारियों, उनके परिजनों एवं सहयोगी संस्थानों के कर्मियों ने ऐसे समाजसेवा उन्मुख आयोजन के लिए सीसीएल को धन्यवाद दिया और भविष्य में अन्य नागरिकों से भी इस प्रकार के जनसेवा अभियानों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

आर्म रेसलिंग सीजन वन का समापन

● अर्पण कुमार बने चैंपियन ऑफ चैंपियंस

ब्यूरो प्रमुख

जमशेदपुर। शहर के खेल कैलेंडर में एक और रोमांचक अध्याय जुड़ गया है। एलीट जिम ने रविवार(12 अक्टूबर) को आर्म रेसलिंग

टूर्नामेंट सीज़न एक का सफल आयोजन किया। इस पावर-पैक्ड प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के लगभग 75 एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। **अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों की उपस्थिति** इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष विजय सिंह उपस्थित रहे। इस आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एथलीट गुरदेव सिंह, एस.के. तोमर और राजेंद्र पाटिल भी मौजूद थे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। अन्य विशिष्ट अतिथियों में सिदेश सिंह, श्याम शर्मा और पनमणि मंडी शामिल थे। **युवाओं से लेकर मास्टर्स तक ने दिखाया दम** प्रतियोगिता को विभिन्न आयु और भार वर्गों में विभाजित किया गया था, जहां खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दिन के अंत में, अर्पण कुमार ने सभी वर्गों के विजेताओं को पछाड़ते हुए प्रतिष्ठित चैंपियन ऑफ चैंपियंस का खिताब अपने नाम किया। **विभिन्न वर्गों के विजेता इस प्रकार रहे–**

आयु वर्ग-पहला स्थान (स्वर्ण) दूसरा स्थान (रजत) तीसरा स्थान (कांस्य)

45-55 वर्ष ईशु मिश्रा सौरव कुमार संरक्षक वर्धन
55-65 वर्ष ईशु दिलेन नितिक गुप्ता पृथ्वी
65-75 वर्ष स्वनजीत पोद्दार,सनज कुमार चंद, अनमोल सिंह,
85+ वर्ष अर्पण कुमार शंकर पांडे सौविक मंडल

प्रतियोगिता सचिव रोहन के कुशल नेतृत्व में इस पूरे आयोजन का सफलतापूर्वक समन्वय और संचालन किया गया। उन्होंने टूर्नामेंट के सुचारू संचालन और खिलाड़ियों के अनुशासन पर गहरी संतुष्टि व्यक्त की। बड़ी संख्या में दर्शकों और खेल प्रेमियों ने इस बाहुबल की जंग को देखने के लिए शिरकत की, जिससे यह आयोजन एलीट जिम के लिए एक शानदार सफलता बन गया।

चक्रधरपुर में झारखंड के चौथे मेगाशॉप का शुभारंभ

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। वैल्यू फैशन सेगमेंट में शॉपिंग डेस्टिनेशन मेगाशॉप ने झारखंड के चक्रधरपुर में अपने नए स्टोर के शुभारंभ की है। मेगाशॉप एक संपूर्ण पारिवारिक फैशन स्टोर है जो निर्माताओं और ग्राहकों के बीच बिचौलियों को हटाकर, हर वर्ग के लोगों के लिए उचित दामों पर आधुनिक और फैशनेबल सामान उपलब्ध कराता है। चक्रधरपुर में नया स्टोर मुख्य चौक, बीपीसीएल पेट्रोल पंप के सामने, चक्रधरपुर, झारखंड में स्थित है। यह स्टोर 8990 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है। लॉन्च की घोषणा करते हुए मेगाशॉप के सीएमडी हेमंत अग्रवाल ने कहा

चक्रधरपुर में अपना स्टोर खोलना हमारे लिए बहुत खुशी और गर्व का क्षण है। झारखंड में हमारे अन्य स्टोरों की जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए, हमने चक्रधरपुर के निवासियों को समान खरीदारी का अनुभव प्रदान करने के बारे में सोचा। हमारा प्रयास रहा है कि हम अपने ग्राहकों को बेहतर माल, सेवा और समग्र अंतरराष्ट्रीय खरीदारी का अनुभव प्रदान करें। चक्रधरपुर में यह नया स्टोर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एक विशेष लॉन्च ऑफर के रूप में, हम अपने ग्राहकों को हर खरीदारी पर मुफ्त उपहार दे रहे हैं। हमारा नया स्टोर अविश्वसनीय रूप से पॉकेट फ्रेंडली कीमतों पर बेहतरीन गुणवत्ता वाले माल का संग्रह प्रदर्शित कर रहा है। नया शोरूम विशाल आंतरिक सज्जा के साथ एक बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। नए स्टोर में युवाओं के लिए एक जीवंत और ट्रेंडी रेंज उपलब्ध है, जिसमें पुरुषों के लिए शर्ट, टी-शर्ट, पैंट, जींस, ट्रैक सूट, शेरवानी, कुर्ता-पायजामा, सूट और महिलाओं के लिए फैंसी टॉप, कुर्ती, जींस, शादी की साड़ियाँ, शादी के डिज़ाइनर सूट, लेगिंग, पजामा और हरेम पैंट शामिल हैं।

समाहरणालय ब्लॉक ए और बी में लिफ्ट अपग्रेडेशन की प्रक्रिया पूरी

● आम नागरिकों और कर्मचारियों को मिलेगी अत्याधुनिक सुविधा ● दोनों ब्लॉक में 4-4 लिफ्टों का किया जाएगा अपग्रेडेशन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार समाहरणालय, रांची के ब्लॉक ए एवं ब्लॉक बी भवनों में लिफ्ट अपग्रेडेशन का कार्य शीघ्र शुरू होने जा रहा है। प्रशासनिक भवन में लिफ्टों के आधुनिकीकरण को लेकर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और संबंधित एजेंसी का चयन भी कर लिया गया है।

दोनों ब्लॉकों में 4-4 लिफ्टों का अपग्रेडेशन किया जाएगा। नई लिफ्टों में आधुनिक सुरक्षा मानक, ऊर्जा-संरक्षण प्रणाली, स्वचालित नियंत्रण तकनीक एवं आपातकालीन सहायता सुविधा उपलब्ध रहेगी। इससे लिफ्ट संचालन अधिक सुचारु और सुरक्षित बन जाएगा।

समाहरणालय परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में जनता, कर्मचारी, अधिकारी, वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन आते हैं। पुराने लिफ्टों की धीमी गति और तकनीकी दिक्कतों के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता था। अब नई लिफ्टों के अपग्रेड होने से इन समस्याओं से राहत मिलेगी और भवन में तेजी, सुविधा और सुगमता से आवाजाही संभव होगी। साथ ही भवन के विद्युत और सुरक्षा तंत्र को भी अद्यतन किया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न उत्पन्न हो। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कार्य के दौरान आम जनता और कर्मचारियों को असुविधा न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपग्रेडेशन कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा किया जाए।

जिला प्रशासन का यह कदम रांची समाहरणालय को आधुनिक, सुगम और जनहितैषी परिसर में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उद्योग विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम (JIIDCO) द्वारा रस्स्ल्ब के प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विश्व बैंक समर्थित ऋस्क्क कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जिला उद्योग कार्यालय परिसर में उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य रस्स्ल्बद्य को औपचारिक रूप देना।उद्यमिता पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। उद्यमियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना। शिविर के दौरान 08 उद्यमियों ने ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन करवाया, जिससे जिले में औपचारिक रस्स्ल्ब इकाइयों की संख्या में वृद्धि हुई।इस अवसर पर प्रवीण होरो, प्रखंड उद्यमी समन्वयक ने कार्यक्रम का संचालन किया और उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। प्रदीप श्रीवास्तव, पूर्व श्वष्ठक्कप्रशिक्षक ने कहा कि शिविर का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के पंजीकरण को बढ़ावा देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।कार्यक्रम में आरसेटी के वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक अमित कुमार वर्धन, जिला उद्योग केंद्र के प्रखंड उद्यमी समन्वयक अमड़ापाड़ा जगन्नाथ बास्की एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने किया खाद्य दुकानों का निरीक्षण, उल्लंघन पर किया जुर्माना

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त के निर्देशानुसार मंगलवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार द्वारा पाकुड़ शहर के विभिन्न स्थानों पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की ऑन-स्पॉट जांच की गई। निरीक्षण के क्रम में सिद्धू कान्हू पार्क स्थित आकाश हाजरा का छोला तथा किशन दे का घुघनी का नमूना ऑन-स्पॉट जांच में संतोषजनक पाया गया। कोर्ट रोड स्थित संजय मंडल एवं कयूम अंसारी को कोटपा 2003 के नियमों का उल्लंघन करने पर ?300 का जुर्माना लगाया गया। कोर्ट रोड स्थित सन्यासी सरदार एवं मिथुन शाहा के छोला में हानिकारक रंग पाया गया, जिसे तत्काल नष्ट कराया गया तथा ?500 का जुर्माना लगाते हुए कड़ी चेतावनी दी गई। कोर्ट रोड स्थित सुनीता देवी एवं राजू गुप्ता के खाद्य पदार्थों की ऑन-स्पॉट जांच में हानिकारक तत्व नहीं पाए गए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने सभी विक्रेताओं को स्वच्छता मानकों का पालन करने, खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रंग या मिलावट का प्रयोग न करने तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

जिले के 10 विद्यालयों के 50 छात्र/छात्राओं को योग मित्र के रूप में मिली पहचान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। आयुष विभाग द्वारा स्कूली बच्चों को स्वास्थ्य एवं योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित आयुर्विद्या कार्यक्रम एवं प्रोजेक्ट जागृति के तहत मंगलवार को पाकुड़, लिट्टीपाड़ा एवं महेशपुर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में योग मित्र चयन कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर मध्य विद्यालय मंगलापाड़ा, मध्य विद्यालय हरिणडांगा, +2 विद्यालय महेशपुर सहित कुल 10 विद्यालयों के 50 छात्रों/छात्राओं को योग मित्र के रूप में चयनित किया गया। चयनित छात्रों को टी-शर्ट, कैप, बैच, पहचान पत्र एवं योगा बुक प्रदान की गई।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विपिन चंद्र गुप्ता एवं राज्य सलाहकार (कालाजार) डॉ. अंजुम इकबाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिला आयुष पदाधिकारी ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा संचालित इस पहल के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों में से उत्कृष्ट छात्रों को योग मित्र के रूप में तैयार किया जा रहा है, जो विद्यालय स्तर पर योग एवं

आयुष पद्धति के प्रचार-प्रसार में सहयोग करेंगे।राज्य सलाहकार (कालाजार) डॉ. अंजुम इकबाल ने कहा कि आज के समय में योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए, बल्कि मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सुजीत कुमार चौहान ने बताया कि इस पहल के तहत जिले में विद्यालयों, पंचायत भवनों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से निःशुल्क योग सत्र एवं आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे छात्रों एवं आमजन को लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ कुलेश कुमार, डॉ अबू तालिब शेख, डॉ राजेश कुमार, योग प्रशिक्षक महादेव घोष, संजय शुक्ला, स्वीटी विश्वास, डॉली मित्रा, मंटू रजक, माधवी दास, वंदना कुमारी सहित कई शिक्षक एवं आयुष कर्मी उपस्थित रहे।

डीसी के निर्देशानुसार रांची जिला के अंचलों में जनता दरबार आयोजित

कई लोगों की शिकायतों का हुआ ऑन द स्पॉट निष्पादन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री के निदेशानुसार जिले के सभी अंचलों में प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान, पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापना और राजस्व संबंधित कार्यों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करना है। मंगलवार को भी जिला के सभी अंचलों में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के राजस्व एवं नागरिक सेवाओं से संबंधित कार्यों का निष्पादन किया गया। भू-राजस्व संबंधित कार्य जैसे- दाखिल-खारिज, करेक्शन स्लिप निर्गमन, सीमांकन, भूमि विवाद निपटारा तथा भूमि अभिलेख का सत्यापन एवं सुधार, जाति, आय, निवास, पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र निर्गत करने का कार्य जनता दरबार में किया गया।

रांची जिला के सभी अंचलों में जनता दरबार में समस्याओं का समाधान किया गया।

गौरतलब है कि उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनता दरबार को नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनाया जाए। किसी भी नागरिक को बेवजह कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ जनता की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जनता दरबार के माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों और सरकारी सेवाओं तक सरल, त्वरित एवं पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। यह पहल सुशासन, जवाबदेही और जन-सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डीएमएफटी अंतर्गत विकास कार्यों की हुई समीक्षा बैठक दिए गए आवश्यक दिशा- निर्देश

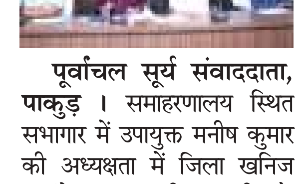

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ संपन्न हों। योजनाओं की भौतिक प्रगति और वित्तीय उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। भवन निर्माण कार्य में तेजी लाएँ और पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिन योजनाओं का एग्रीमेंट समय पर नहीं हुआ है, उन्हें वापस लिया जाए। लंबित एग्रीमेंट को 31 अक्टूबर तक पूर्ण किया जाए। जिन योजनाओं को रद्द करना आवश्यक है, उनका प्रतिवेदन संबंधित विभाग समय पर भेजे। साथ ही शिलान्यास और उद्घाटन कार्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराए जाएँ। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी कार्यपालक अभियंता सप्ताह में दो दिन फील्ड विजिट कर योजनाओं की प्रगति का जायजा लेंगे। साथ ही निर्माण में उपयोग होने वाले सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अधोसंरचना से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाएं समयबद्ध और गुणवत्ता युक्त तरीके से पूरी होनी चाहिए ताकि आम जनता को शीघ्र लाभ मिल सके।बैठक में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह एवं विभिन्न तकनीकी विभागों के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

बरही- सड़क किनारे फेंका गया दवा अपशिष्ट, स्वास्थ्य सुरक्षा पर खतरा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

कोनरा पंचायत अंतर्गत श्री परिवार होटल के सामने एनएच 2 सड़क किनारे दवाओं के अपशिष्ट फेंके जाने का मामला सामने आया है। सड़क किनारे बिखरी वायल, सीरिंज, इंजेक्शन शीशियां और अन्य मेडिकल कचरे को देखकर राहगीर भी हैरान हैं। यह दृश्य न केवल पर्यावरण प्रदूषण का कारण बन रहा है, बल्कि आसपास के लोगों और पशुओं के लिए भी गंभीर स्वास्थ्य खतरा पैदा कर रहा है।स्थानीय लोगों ने बताया कि किसी निजी क्लिनिक या मेडिकल दुकान से इस तरह का बायो मेडिकल वेस्ट फेंका गया हो सकता है। ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह खुले में दवा अपशिष्ट डालना लापरवाही का गंभीर उदाहरण है। कोनरा के समाजसेवी रिजवान अंसारी ने कहा, ÷अगर कोई बच्चा या जानवर इन सीरिंज या शीशियों के संपर्क में आ जाए, तो गंभीर संक्रमण हो सकता है। प्रशासन को तुरंत जांच करनी चाहिए।इधर, इस मामले पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल प्रभारी डॉ प्रकाश ज्ञानी का कहना है कि बायो मेडिकल वेस्ट का खुले में निपटान करना दंडनीय अपराध है। जल्द ही जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. राधाकांत पाधी ने सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित बसंत कुमार बिरला स्मृति व्याख्यानमाला में अपना विचार व्यक्त किया

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। आनेवाले वर्षों में भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में और भी बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है और इसके लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित हैं यह बातें आज प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राधाकांत पाधी ने कही। वे मंगलवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के सभागार में आयोजित बसंत कुमार बिरला स्मृति व्याख्यान श्रृंखला के तहत आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जटिल अंतरिक्ष मिशनों पर कंप्यूटर आधारित मार्गदर्शन की आवश्यकता और उसका प्रभाव विषय पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के अंतरिक्ष अभियानों; जैसे चंद्रयान-3, आदित्य-एल1, गगनयान, निसार, एक्सपोसैट और स्पेडेक्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने भविष्य की योजनाओं, जैसे चंद्रयान -4, चंद्रयान-5, मंगल और शुक्र मिशन के साथ-साथ आर्टेमिस कार्यक्रम और स्पेडेक्स-2 के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का इस क्षेत्र में कार्य विश्व स्तरीय रहा है और इस प्रगति की राह में कंप्यूटर आधारित मार्गदर्शन तकनीक काफी मददगार और क्रांतिकारी साबित हो रही है।

इस अवसर पर विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने स्व. बसंत कुमार बिरला को याद करते हुए कहा कि प्रसिद्ध उद्योगपति के अलावा उनकी ख्याति समाजसेवी, दानवीर और लब्धप्रतिष्ठ शिक्षाविद के तौर पर भी रही। उन्होंने वनडे एट ए टाइम नामक किताब का भी उल्लेख किया, जो बसंत कुमार बिरला के जीवन और विचारों से प्रेरित है। उपस्थित श्रोताओं से उन्होंने उनके विचारों को आत्मसात करने की भी अपील की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीता वर्मा ने किया। इस अवसर पर एसबीयू के माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन, कुलसचिव प्रो एस बी डांडिन समेत विश्वविद्यालय के अधिकारी, विभिन्न संकायों के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विवि के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस लेक्चर सीरीज के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

जाने माने वैज्ञानिक हैं डॉ. पाधी

वर्तमान में प्रो. राधाकांत पाधी भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग में पूर्णकालीन प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत हैं। साल 1996-1997 के दौरान रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में वे वैज्ञानिक के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उन्होंने ऑप्टिमल कंट्रोल, नॉनलिनियर कंट्रोल, इंटेलिजेंट कंट्रोल और स्टेट एस्टिमेशन में सिंथेसिस एल्गोरिदम पर विशेष कार्य किया है। अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में उनके 240 से अधिक शोधपरक लेख प्रकाशित हुए। प्रो. पाधी भारतीय राष्ट्रीय अभियंत्रण अकादमी, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार अभियंत्रण संस्थान, भारतीय अभियंत्रण संस्थान , अमेरिकी एयरोनॉटिक्स और एस्ट्रोनॉटिक्स संस्थान के एसोसिएट फेलो हैं। इसके अलावा वे इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंत्रण संस्थान इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ऑटोमैटिक कंट्रोल भारतीय एयरोनॉटिकल सोसाइटी, सिस्टम्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, एशियाई नियंत्रण संघ की स्टीयरिंग समिति एवं सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के आजीवन सदस्य भी हैं। उन्हें उनके मूल्यवान शोध योगदानों के लिए कई पुरस्कार मिल चुका है, जिनमें एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया से एक्सीलेंस इन एयरोस्पेस एजुकेशन अवॉर्ड भी शामिल है।

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 175 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 175 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया साधु संत के तुम रखवारे असुर निकन्दन राम दुलारे के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। राजेश ढांढनीया पिंटू ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया । सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपाध्यक्ष अशोक लड़िया निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया सुनील मोदी हर्ष कृष्णा कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

शुक्रवार को रम्भा एकादशी संकीर्तन-श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में 17 अक्टूबर शुक्रवार को रात्रि 9:30 बजे से कार्तिक कृष्ण पक्ष की रंभा एकादशी संकीर्तन का आयोजन किया गया है।

दीपावली पर होंगे कई कार्यक्रम-धनतेरस के शुभ अवसर पर श्याम मंदिर में 175 वा श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया गया है। 20 अक्टूबर सोमवार को श्याम मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं गुरुजनों को नवीन पोशाक पहनाया जाएगा दीपावली का विशेष महास्नान एवं तिलक श्रृंगार किया जाएगा। तिलक श्रृंगार के बाद विशेष फूलों का श्रृंगार रजत सिंहासन पर बैठे बाबा श्याम का दिव्य अद्भुत रंग बिरंगा श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर में रंग बिरंगी लाइट लगाई जाएगी एवं विशेष लड्डू का प्रसाद बाबा को भोग लगाया जाएगा । दीपावली के विशेष पूजा होने के कारण मंदिर के पट प्रातः 11:00 बजे से संध्या 5:30 बजे तक भक्तों के दर्शनों के लिए बंद रहेंगे। 5:30 बजे के उपरांत दर्शन सुलभ हो पाएंगे एवं दीप प्रज्जवलन का कार्यक्रम संध्या 6:00 बजे से प्रारंभ होगा। दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर सभी श्याम भक्त बाबा की चौखट पर बैठकर बाबा के सम्मुख अपने परिवार की खुशियों की मंगल कामना की अर्जी दीप जलाकर लगा सकते हैं । कोलकाता बेंगलुरु रायपुर के फूलों से बाबा श्याम को सजाया जायेगा। श्रृंगार की तैयारी मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान की देखरेख में चल रहा है।

मंदिर परिसर में रंग बिरंगी लाइट फूल की सजावट एवं सभी अन्य साज सज्जा की तैयारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल के देख रेख में हो रहा है। विशेष प्रसाद की तैयारी मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां देख रहे हैं। दीपावली के दिन की विशेष व्यवस्था मण्डल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया मंत्री पंकज गाड़ोदिया विष्णु चौधरी उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया आदित्य लोहिया प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल श्यामसुंदर शर्मा स्नेह पोद्दार राजेश ढांढनीया प्रवीण अग्रवाल अनिल नारनौली एवं अन्य सहयोगियों की देखरेख में होगा। मण्डल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने सभी श्याम भक्तों से निवेदन किया है कि स्नान कर शुद्धता के साथ ही मंदिर परिसर पधारे एवं चमड़े का बेल्ट पर्स रिंग इत्यादि निषेध रहेंगे। उपरोक्त जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

चौपारण में राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में रौशन और आशीष चमके

विधायक मनोज यादव ने विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चौपारण (हजारीबाग)। फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चौपारण के केसरवानी धर्मशाला परिसर में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का समापन जोरदार माहौल में हुआ। प्रतियोगिता में चौपारण के ही रौशन केसरी और आशीष यादव ने शानदार प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीतते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक मनोज यादव ने विजेता खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि चौपारण के युवा अब खेल के क्षेत्र में इतिहास रच रहे हैं। सीमित संसाधनों में भी यहाँ के खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपना दमखम दिखा रहे हैं, यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

इस प्रतियोगिता में हजारीबाग, रांची, धनबाद, बोकारो, कोडरमा, गिरीडीह, चतरा और गया जिलों से सौ से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और ताकत व तकनीक का शानदार प्रदर्शन किया।

पहले दिन महिला वर्ग की खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में जलवा बिखेरा। ज्योति, मनीषा, जीवन, शिवांगी और अलीशा ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। दूसरे दिन पुरुष वर्ग के मुकाबले में जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। बड़ी संख्या में दर्शक खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे।

प्रतियोगिता का संचालन रांची और हजारीबाग के अनुभवी कोच व रेफरी राजकुमार थापा, विशाल झा और उनकी छह सदस्यीय टीम ने किया। आयोजन को सफल बनाने में एवी फिटनेस के सदस्य अविनाश केसरी, रौशन केसरी, आशीष यादव, सूरज, रीतेश और वैभव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि यह सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि ÷फिट चौपारण, हेल्दी चौपारण÷ का संदेश लेकर आया है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर कर खेल और अनुशासन से जोड़ना है।

समापन समारोह में खेल प्रेमियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सैकड़ों दर्शकों ने युवाओं के इस शानदार प्रदर्शन की सराहना की। आयोजकों ने कहा कि अगली बार इसे और बड़े पैमाने पर पूरी भव्यता के साथ आयोजित करने का संकल्प लिया गया है।

इस प्रतियोगिता केविजेताओं में 59 किग्रा में रौशन केशरी, गोल्ड मेडल, रीतेश केशरी सिल्वर,

66 किग्रा आशीष यादव, गोल्ड मेडल, गौरव राणा, व संजय रूंडा, सिल्वर

53 किग्रा संदीप कुमार गोल्ड मेडल, अंकित कुमार, सिल्वर

सुरज कुमार सिल्वर, संजय रुंडा

आशीष यादव, बेंच प्रेस गोल्ड मेडल सहित दो दर्जन से अधिक युवा शामिल हैं।

चौपारण के रौशन और आशीष ने रचा इतिहास- चौपारण के ये दोनों युवा रौशन केसरी और आशीष यादव ने बिना संसाधन के स्थानीय स्तर पर रहकर ही वेटलिफ्टिंग की तैयारी की और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। उनके इस प्रदर्शन पर पूरे प्रखंड क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। आयोजन स्थल पर मौजूद दर्शकों ने दोनों खिलाड़ियों का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना,राँची
E-mail :- dwsdhatiaproject@gmail.com

शुद्धि पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि REQUEST PROPOSAL FOR SUPPLYING VARIOUS CHEMICALS AND REAGENTS IN 16 NOS.OF WATER TESTING LABORATORIES UNDER DW&SD, JHARKHAND RANCHI ZONE- जिसका Tender Ref. No.- LAB/DWSD/25/2024-25 dt. 08.10.2025 एवं PR No.-363644 जो विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई है में निम्नांकित संशोधन किया जाता है:–

क्र०	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित	वर्तमान में संशोधित
1	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	दिनांक 10.10.2025 पूर्वाह्न 11.00 बजे से।	दिनांक 15.10.2025 पूर्वाह्न 11.00 बजे से।
2	प्री बीड बैठक की तिथि एवं समय	14.10.2025 in the Office of the Chief Engineer- cum- Executive Director, Programme Management Unit, DWSD, Jharkhand, Doranda, Ranchi at 3:00 PM	17.10.2025 in the Office of the Chief Engineer – cum - Executive Director, Programme Management Unit, DWSD, Jharkhand, Doranda, Ranchi at 3:00 PM
3	ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 24.10.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।	दिनांक 30.10.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4	ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 29.10.2025 पूर्वाह्न 11.00 बजे।	दिनांक 01.11.2025 पूर्वाह्न 11.00 बजे।

निविदा का शेष अंश यथावत रहेगा।

(आनन्द कुमार सिंह)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,हटिया योजना,राँची

PR 364119 Drinking Water and Sanitation(25-26).D

जल संसाधन विभाग एवं लघु सिंचाई प्रमंडल चतरा के तत्वाधान में जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चतरा। चतराजल संसाधन विभाग, लघु सिंचाई प्रमंडल, चतरा के तत्वावधान में आज जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी 7वीं लघु सिंचाई गणना, 2वीं जल निकाय गणना एवं 1वीं स्प्रिंग्स गणना से संबंधित प्रक्रिया, डेटा संकलन की विधियों एवं फील्ड कार्य के दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान करना था।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर सहायक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, चतरा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम कार्यपालक अभियंता उमेश बड़ाईक के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। तकनीकी प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर कुणाल पांडेय, सुधामा पासवान एवं अनुज कुमार ने विस्तृत जानकारी दी। समूचे कार्यक्रम का संचालन विपुल दुबे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अकाउंटेंट सहाब दीपक कुमार प्रजापति, कनीय अभियंता अमित रंजन, धर्मेंद्र कुमार, मो0 समीर आलम, अभय एक्का सहित कार्यालय के अन्य सभी कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यशाला में अंचल कार्यालयों से नामांकित प्रगणकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने प्रतिभागियों को अपने कार्य में सटीकता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने विभाग द्वारा किए गए उत्कृष्ट आयोजन की सराहना करते हुए प्रशिक्षण टीम को बधाई दी।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में हुए सम्मानित अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ललित मोहन चौधरी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,इटखोरी (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के ख्याति प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थान भद्रकाली महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ललित मोहन चौधरी को सी एम साइंस कॉलेज दरभंगा में आयोजित दो दिवसीय बहु विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।संगोष्ठी का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- रिसेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर इंप्लीकेशन था। प्रो. चौधरी ने ए एल की वर्तमान प्रवृतियों और भविष्य में उनके अनुप्रयोग पर विस्तृत जानकारी दी। एएल की क्षमता बहुत ही व्यापक है,इसे चुनौती के रूप में नहीं बल्कि अवसर के रूप में लेना चाहिए।यह एक कंप्यूटर जनित रोबोटिक टेक्निक है,जो विज्ञान, उद्योग,रोजगार,अर्थव्यवस्था,स्वास्थ्य,संचार,अंतरिक्ष विज्ञान तथा समाज को मोडिफाई करने की क्षमता रखता है। यह टेक्निक दोधारी तलवार की तरह है यह हम पर निर्भर करता है की हम इसका उपयोग करके विकास करेंगे या दुरुपयोग करके विनाश की ओर जायेंगे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम सुचित्रा कुमारी, रंग–गोरा,
ऊँचाई– 4 फीट 5 ईंच,कथा रंग सलवार सूट हवाई चप्पल।

उपरोक्त गुमशुदा सुचित्रा कुमारी, उम्र–लगभग 19 वर्ष पति मन्टु पातर, पता–कासीडीह, थाना अनगडा, जिला–राँची जो दिनांक–04.09.25 से अपने घर से बिना बताये कहीं चली गई है। जो आजतक अपने घर वापस नहीं आयी है। इनके संबंध में अनगडा थाना सनहा संख्या–15/2025, दिनांक–07.09.2025, दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त गुमशुदा महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली रॉंची। – 9431770066
थाना प्रभारी अनगडा रॉंची। – 9431706180

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 364130 Police (25-26)_D

शिक्षाविद् विशेश्वर नारायण चौधरी का निधन

हरमू मुक्ति धाम में अंत्येष्टि आज

रांची। शहर के जाने-माने शिक्षाविद, अल्फा एजुकेशनल एंड सोशल एनहैंसमेंट सोसाइटी के मार्गदर्शक व अल्फा इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक सदस्य रहे विशेश्वर नारायण चौधरी का निधन मंगलवार को पूर्वाह्न हो गया। स्व.चौधरी विगत कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उन्होंने चापुटोली स्थित स्कूल परिसर में मंगलवार को पूर्वाह्न अंतिम सांस ली। वह मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, जाहेर (ब्राम्बे), रांची की प्रिंसिपल डॉ.रोमी झा के पिता थे। स्व.चौधरी जीवन पर्यंत सामाजिक व शैक्षणिक विकास के प्रति तत्पर रहते हुए शिक्षा का अलख जगाते रहे। उनके मार्गदर्शन में अल्फा एजुकेशनल एंड सोशल सोसायटी द्वारा संचालित अल्फा इंटरनेशनल स्कूल, रांची व मदर्स इंटरनेशनल स्कूल,ब्राम्बे शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उनके निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर व्याप्त है। स्व.चौधरी अपने पीछे तीन बेटियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर मदर्स इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर एके झा सहित अन्य परिजनों, रिश्तेदारों व शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया व उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना की।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (कल्याण), राँची

निविदा आमंत्रण सूचना

सूचना सं०:–37 राँची, दिनांक:–14/10/2025

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (कल्याण), राँची के Scrap मशीन, हैण्ड टूल्स, उपकरण, वाहन के पार्ट्स, उपस्कर, E-Waste एवं Metal Waste का निलामी विभाग द्वारा चयनित एजेंसी भारत सरकार के उपक्रम–MSTC (मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के माध्यम से किया जाना है। तालिका में अंकित SCRAP सामग्रियों का निलामी हेतु अधिकतम दर (आरक्षित मूल्य) तय किया जाना है। जिसके लिए भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड– Insolvency and Bankruptcy Board of India (IBBI) के मान्यता प्राप्त/निबंधित मूल्य निर्धारकों–(Registered Valuers-RVs) ASSET CLASS-Plant and Machinery के द्वारा आरक्षित मूल्य निर्धारण हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:–

लॉट क्र०/ Lot No.:-	लॉट का नाम/Lot Name	स्थान/Location	मात्रा/ Quantity	मैटेरियल विवरण/ Material Description
01	Wooden and Plastic Scrap	Ground Floor, different workshops	367 kg	Different types of wooden and plastic items.
02	Computer with accessories	Ground & 2nd Floor	Assorted	Different types of computer accessories.
03	Electrical Scrap	Ground & 2nd Floor, EL workshop	225 kg	Different types of electrical parts and items.
04	Metal Scrap	Ground & 2nd Floor, FT workshop, Store	2040 kg	Old tools , Equipment, Jobs, etc.
05	Diesel Engine	ITI (General), Ranchi Workshop	02 Nos.	-

निविदा की शर्तें:–

1. निविदा दो (02) सीलबंद लिफाफे में Technical एवं Financial अलग–अलग अंकित का हाथों–हाथ या निबंधित डाक द्वारा दिनांक:–08/11/2025 को अपराह्न 04:00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा लिये जायेंगे।

पत्राचार पता:–
प्रभारी प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (कल्याण), राँची।
नजदीक आई०टी०आई० बस स्टैण्ड, ईटकी रोड, हेहल, राँची–834005।

2. निविदा का Technical Part दिनांक:–10/11/2025 को अपराह्न 04:00 बजे प्रभारी प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (कल्याण), राँची के कार्यालय कक्ष में संस्थान स्तर पर गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी तथा Technical Part की अहर्त्ता पूरी करने वाले Valuers-RVs का ही Financial Part खोला जायेगा।
3. Insolvency and Bankruptcy Board of India (IBBI) के मान्यता प्राप्त/निबंधित मूल्य निर्धारकों–(Registered Valuers-RVs) ASSET CLASS-Plant and Machinery का सरकारी लोक उपक्रम अथवा किसी बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों के Valuation का 03 (तीन) वर्षों से अधिक का अनुभव होना अनिवार्य है।
4. Valuation के लिए भौतिक निरीक्षण हेतु किसी प्रकार का TA, DA एवं होटल व्यय संस्थान द्वारा देय नहीं होगा।
5. Valuation के Part में GST एवं FEES अलग–अलग दर्शाना होगा।
6. अद्योहस्ताक्षरी निविदा को रद्द करने का सर्वाधिकार रखते हैं।

ह०/–
प्रभारी प्राचार्य,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,(कल्याण), राँची

PR 364079 Labour Employment and Traning(25-26).D

संक्षिप्त समाचार

जीजा-साले के विवाद में बढ़ा तनाव, जीजा ने खुद के पेट में घोंपी कैंची

गोरखपुर , एजेंसी। पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर थाना क्षेत्र के जंगल सालिकराम कलेक्ट्री टोला में सोमवार की देर शाम उस समय सनसनी फैल गई जब जीजा-साले के बीच हुए विवाद के दौरान जीजा ने खुद के पेट में कैंची घोंप ली। घायल को आनन-फानन में रामगढ़ताल इलाके के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई बताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, कोतवाली थाना क्षेत्र के माया बाजार इमामबाड़ा दक्षिणी निवासी दशरथ सोनकर अक्सर अपने बड़े भाई हरिओम से मिलने शाहपुर के जंगल सालिकराम आते-जाते रहते हैं। दशरथ का ससुराल इस्माइलपुर में है और वह अपनी पत्नी के साथ बक्शीपुर में चाय-नाश्ते की दुकान चलाते हैं। परिवार के लोगों के अनुसार, दशरथ के छोटे भाई भुआल का अक्सर अपनी भाभी यानी दशरथ की पत्नी से मामूली बातों पर विवाद होता रहता था। सोमवार की शाम दशरथ अपनी पत्नी के साथ बड़े भाई हरिओम के घर पहुंचे थे। उसी दौरान उनके साले सूरज और राहुल भी वहां आ गए। इसी बीच किसी बात को लेकर भुआल और साले सूरज में विवाद हो गया। विवाद शांत कराने के बाद दशरथ ऊपर छत पर चला गया और अचानक खुद के पेट में कैंची घोंप ली। यह देख परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तुरंत उसे पास के निजी अस्पताल ले गए। बड़े भाई हरिओम ने आरोप लगाया कि उसके साले ने छोटे भाई के पेट में कैंची घोंप दी है, जबकि पुलिस पूछताछ में घायल दशरथ ने बताया कि उसने खुद कैंची मारी है।

बरेली बवाल: मौलाना तौकीर रजा के दो और करीबियों के मकान होंगे सील

बरेली, एजेंसी। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने फाइक एन्क्लेव में नदीम और आगा के मकान को अवैध करार देते हुए दोनों के नाम नोटिस जारी किया है। इसमें 13 अक्तूबर को मकान सील किए जाने की बात लिखी है। उससे पहले मकान खाली करने की हिदायत दी गई है। इस नोटिस के मद्देनजर सोमवार को दोनों भवनों को सील किए जाने का अंदेशा था, लेकिन शाम तक बीडीए की टीम मौके पर नहीं पहुंची। फिलहाल, बारादरी थाना पुलिस ने दोनों नोटिस तामील करा दिए हैं। अब 14 अक्तूबर को सीलिंग की जा सकती है। फाइक एन्क्लेव में कब्रिस्तान के पीछे रोड नंबर नौ के मकान संख्या 503 का मालिक नदीम को बताया गया है। नोटिस के मुताबिक, बीडीए की स्वीकृति के बिना 120 वर्गमीटर क्षेत्रफल पर भूतल, प्रथम तल और द्वितीय तल बनाकर भवन का आवासीय इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे लेकर बीडीए ने नौ अक्तूबर को नगर नियोजन विकास प्राधिकरण अधिनियम के तहत नदीम के खिलाफ वाद दायर किया है। इसी तरह फाइक एन्क्लेव में बने संस्कार एन्क्लेव में आगा ने 105 वर्गमीटर क्षेत्रफल पर भूतल और प्रथम तल का निर्माण कराया है। भवन का आवासीय इस्तेमाल किया है। इस मामले में भी वाद दायर किया गया है। शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद जो संपत्तियां सील या ध्वस्त की गईं, उनमें से अधिकतर का मौलाना तौकीर से कोई न कोई कनेक्शन जरूर रहा। नदीम और आगा को भी मौलाना का करीबी बताया जा रहा है, पर अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। वह हर कार्रवाई को रूटीन कार्रवाई बता रहे हैं।

दिल्ली और नोएडा रूट पर सफर होगा आसान...रोडवेज की चलेंगी 100 अतिरिक्त बसें

आगरा , एजेंसी। यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम त्योहार पर 100 अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। इससे यात्रियों को सभी मार्गों पर पर्याप्त संख्या में बसें मिलेंगी। दिवाली और छठ पर्व पर घर जाने के लिए लोगों को बस का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रही है। निजी और प्राइवेट वाहन से घर जाना लोगों के लिए महंगा साबित हो रहा है। ऐसे में लोगों के पास रोडवेज बसों का ही विकल्प बचा है। इसके लिए परिवहन निगम ने पहले से तैयारी कर ली है। आगरा से जाने वाले सभी कम और लंबी दूरी के मार्गों के लिए करीब 737 बसों का संचालन किया जाएगा। जयपुर और दिल्ली मार्ग पर 50-50 बसें चलाने की तैयारी है। क्षेत्रीय प्रबंधक बह्म प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि लखनऊ, अलीगढ़, दिल्ली, बुलंदशहर, फिरोजाबाद, झांसी, कानपुर, हरियाणा, जयपुर, बरेली, अयोध्या, टनकपुर, औरैया, मैनपुरी, मथुरा आदि मार्गों पर बसें चल रही हैं। 17 अक्तूबर से अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए त्योहार स्पेशल ट्रेन का संचालन करने की घोषणा की है। आगरा रेल मंडल की जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेन संख्या 04123 और 04124 प्रयागराज-मानिकपुर व हजरत निजामुद्दीन ट्रेन शुरू होग। जो आगरा कैंट स्टेशन से होकर गुजरेगी। ट्रेन संख्या 04123 प्रयागराज से हर बुधवार और रविवार को 15 अक्तूबर से 2 नवंबर तक चलेगी। ट्रेन संख्या 04124 हजरत निजामुद्दीन से हर बृहस्पतिवार और सोमवार को 16 अक्तूबर से 3 नवंबर तक चलेगी।

प्रदेश में कफ सिरप बनाने में हो रही है अनदेखी, पूरे सूबे में उतरीं जांच के लिए केंद्रीय टीमें

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में कफ सिरप बनाने के मानकों की अनदेखी हो रही है। कई फर्म जुगाड़ से चल रही हैं तो कुछ ने आवश्यक दस्तावेज भी पूरे नहीं किए हैं। यह खुलासा हुआ है विभिन्न फर्मों की जांच में। अब केंद्रीय टीम भी उत्तर प्रदेश में निगाह गड़ा दी है। सोमवार को इस टीम ने हापुड़ में पांच नमूने लिए। यह टीम अन्य जिलों में भी रैंडम जांच करेगी।

राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में भी जांच अभियान चलाया गया है। प्रदेश में मौजूद कफ सिरप बनाने वाली 37 कंपनियों में 17 सिरप निर्माण में लगी हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने इनकी जांच की। निर्मित सिरप के साथ ही कच्चे माल के भी नमूने लिए गए हैं। अब तक विभिन्न कंपनियों करीब 780 नमूने लैब में भेजे गए हैं। इनकी जांच शुरू हो गई है। इस बीच विभिन्न जिलों से आई जांच रिपोर्ट का आकलन किया गया तो नतीजे चौकाने वाले मिले हैं। कंपनियों में स्वच्छता के मानकों की अनदेखी पाई गई है। निर्धारित उपकरणों का अभाव, कई जरूरी दस्तावेज भी नहीं मिले हैं। ऐसे में लखनऊ, सहारनपुर, मथुरा और अलीगढ़ की एक-एक कंपनी में सिरप निर्माण कार्य रोक दिया गया है। अन्य को नोटिस जारी किया गया है। सिरप और कच्चे माल के नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय टीम ने यूपी में डाला डेरा : दवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए एफएसडीए की केंद्रीय टीम सोमवार से उत्तर प्रदेश में पहुंच गई है। सोमवार को हापुड़ में सिरप निर्माण में लगी फर्म की जांच की गई। मौके से पांच नमूने लिए गए हैं। आयुक्त और उप आयुक्त स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में गठित यह टीम स्थानीय औषधि निरीक्षक के साथ अलग- अलग जिलों में जाएगी। निर्माण में लगी कंपनी के साथ ही मेडिकल स्टोर से भी कफ सिरप के नमूने लेगी। इन नमूनों की जांच के बाद संबंधित निर्माता फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश भर में फैला है कोडिन सिरप का कारोबार : लखनऊ में बरामद कोडिन कफ सिरप का बाजार पूरे प्रदेश में फैला है। पकड़े गए आरोपियों ने स्वीकार किया था कि उनके कारोबार के केंद्र में दवा से ज्यादा नशे में प्रयोग करने वाले हैं। ऐसे में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने लखनऊ के मेडिकल स्टोरों से मिले दस्तावेजों की पड़ताल की तो कई जिलों में यहां से बड़ी खेप पहुंची है। पूर्वांचल और अवध क्षेत्र के अलग- अलग जिलों में पकड़ में आए मामले और पूछताछ के दौरान नेपाल व बांग्लादेश भेजे जाने के सबूत मिल रहे हैं। विभागीय टीम इस रैकेट को पूरी तरह से खत्म करने में जुटा है। लखनऊ से मिले सबूत के आधार पर रायबरेली और सीतापुर में 2600 शीशी बरामद हुई है। सोमवार को बहराइच और सुल्तानपुर में भी कोडियुक्त सिरप मिले हैं। दोनों जिलों में एक-एक मेडिकल स्टोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वॉक करते कपड़ा व्यापारी को वाहन ने मारी टक्कर, रोहटा रोड ओवरब्रिज से गिरे, तड़पते हुए 15 मिनट में मौत

मेरठ , एजेंसी। मॉर्निंक वॉक पर निकले कपड़ा व्यापारी अजय जैन एक वाहन ने टक्कर लगने के बाद रोहटा रोड ओवरब्रिज से 20 फीट नीचे गिर गए। मौके पर ही व्यापारी की मौत हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है। वहीं मृतक के परिजनों का रोते हुए बुरा हाल था।

रेलवे रोड थाना क्षेत्र स्थित जैन नगर निवासी अजय कुमार जैन दिल्ली में कपड़े के व्यापारी थे। वह प्रतिदिन सुबह रेलवे रोड से होकर रोहटा रोड ओवरब्रिज तक टहलने के लिए जाते थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे वह घर से सैर करने के लिए निकले थे। ओवरब्रिज पर पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आए वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह ओवरब्रिज से नीचे जा गिरे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कपड़ा व्यापारी करीब 15 मिनट तक तड़पते रहे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौका पाकर आरोपी चालक वाहन के साथ भाग गया। राहगीरों ने घटना की जानकारी रेलवे रोड थाना पुलिस को दी। पुलिस ने कपड़ा व्यापारी के मोबाइल से कॉल करके उनकी पहचान करते हुए परिजन को हादसे की जानकारी दी।

सूचना पर परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। परिजन आनन-फानन अजय जैन को अपनी कार से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अजय जैन के परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। सीओ कैंट नवीना शुक्ला ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से वाहन की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसका पता लगा लिया जाएगा। परिजनों से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या में दिवाली: दुनिया भर में कहीं से ऑनलाइन जलाएं एक दीया राम के नाम

लखनऊ , एजेंसी। अयोध्या में दीपोत्सव के भव्य आयोजन की तैयारियां आखिरी चरण में हैं। इस साल 26 लाख से अधिक दिए जलाने के साथ ही 2100 श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक महाआरती के विश्व कीर्तिमान बनाने की तैयारी है। वहीं डिजिटल पहल के तहत पर्यटन विभाग ने एक दीया राम के नाम की भी शुरुआत की है। इसमें दुनिया भर में कहीं से भी ऑनलाइन एक दीया नाम के नाम जला सकेंगे।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इसमें ऑनलाइन पंजीकरण कर श्रद्धालु वर्चुअल दीप जलाकर भगवान श्रीराम के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या दीपोत्सव अब वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने वाला आयोजन बन गया है। श्रद्धालु दिव्य अयोध्या ऐप के माध्यम से दुनिया भर से डिजिटल दीप जला सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस ऐप पर श्रद्धालुओं के लिए तीन पैकेज उपलब्ध हैं। राम ज्योति में 2100 रुपये का पैकेज है। इसमें रोली, सरयू जल (पीतल के लोटे में), अयोध्या रज, रामदाना, मिश्री, रक्षा सूत्र, हनुमान गढ़ी के लड्डू और चरण पादुका (खड़ाऊ) शामिल है। ऑनलाइन संकल्प पूरा करने पर यह पूरा प्रसाद आपके घर तक पहुंचाया जाएगा।

इसी तरह सीता ज्योति नाम से 1100 रुपये का पैकेज है। माता सीता को समर्पित इस पैकेज में रोली, सरयू जल (पीतल के लोटे में), रामदाना, रक्षा सूत्र और हनुमान गढ़ी के लड्डू शामिल है। वहीं 501 रुपये के लक्ष्मण ज्योति नाम के पैकेज में रोली, अयोध्या रज, रामदाना, रक्षा सूत्र और मिश्री शामिल है। श्रद्धालु ऑनलाइन संकल्प लेकर इस पैकेज को अपने घर पर प्राप्त कर सकते हैं। मंत्री ने बताया कि दिव्य अयोध्या ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

अखिलेश ने सीएम योगी को बताया घुसपैठिया, कहा- उनको उनके राज्य में भेजा जाय; प्रदेश में सियासि उबाल

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घुसपैठियों को लेकर बात करते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा और उन्हें भी घुसपैठिया बता दिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे यूपी में भी घुसपैठिए हैं। मुख्यमंत्री खुद उत्तराखंड से हैं। हम तो चाहते हैं कि उन्हें उनके राज्य वापस भेज दिया जाए। अखिलेश के इस बयान पर भाजपा नेताओं ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। योगी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा है कि अखिलेश यादव मानसिक रूप से दिवालिया हो गए हैं। इसलिए इस तरह के अनर्गल बयान दे रहे हैं।

अखिलेश यादव घुसपैठियों के सवाल पर पत्रकारों से बात करते हुए यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि वे (सीएम योगी आदित्यनाथ) विचारधारा के लिहाज से भी घुसपैठिए हैं। वे भाजपा के सदस्य नहीं थे, बल्कि किसी और पार्टी के सदस्य थे। साथ ही सवाल दागा कि इन घुसपैठियों को कब हटाया जाएगा।

यहां बता दें कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक की तरह मानते हैं। शाह ने यह सवाल भी उठाया था कि गुजरात और राजस्थान की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों नहीं होती। अखिलेश यादव के इस बयान को इसी का जवाब माना जा रहा है।

योगी सरकार के मंत्री ने किया पलटवार : यूपी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वे अब हताश हो चुके हैं। उनके पास कहने को कुछ नहीं है। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने उनके इस बयान को मानसिक दिवालियापन बताया और कहा कि उनके पास अब कहने को कुछ और नहीं है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बड़ा विकास किया है यह अखिलेश की गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जब अपने गुरु के पास आए थे, तब उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड एक ही राज्य था। आज उत्तराखंड हमारा सिरमौर है। बांग्लादेशी घुसपैठिए रोहिंग्या से योगी आदित्यनाथ की तुलना करना अखिलेश का बौद्धिक दिवालियापन है।

यूपीपीएससी के 400 विशेषज्ञ पैनल से होंगे बाहर, प्रश्नों पर सवाल उठने के बाद आयोग का फैसला

प्रयागराज , एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के 400 विशेषज्ञ पैनल से बाहर किए जाएंगे। उनकी सूची तैयार कर ली गई है। जल्द इस संबंध में आदेश जारी कर दिया जाएगा। प्रश्न पत्र बनाने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, किसी सवाल के जवाब पर विवाद के निस्तारण समेत अन्य कार्यों के लिए आयोग में विशेषज्ञों के अलग-अलग पैनल बनाए गए हैं।

आयोग में पैनल में शामिल होने वाले विशेषज्ञों के चयन की नियमावली तो है ही, प्रश्न पत्र एवं उनके जवाब, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन आदि के लिए भी मानक तय किए गए हैं। इनके अलावा सार्वजनिक स्थलों पर विशेषज्ञों को आचरण एवं व्यवहार के स्तर पर भी परखा जाता है लेकिन आयोग की विगत भर्ती परीक्षाओं में कई तरह की अनियमितता सामने आई है।

अभ्यर्थियों की ओर से सबसे अधिक आपत्तियां पेपर में आए प्रश्न व उनके जवाब को लेकर रहीं। इसके अलावा कॉपियों के मूल्यांकन को भी लेकर भी आपत्तियां रहीं। इसकी वजह से न्यायालय में तो प्रकरण गया ही आयोग को कई बार परिणाम भी बदलने पड़े। इससे पैनल में विशेषज्ञों की भूमिका भी सवाल उठने लगे। इसे देखते हुए आयोग की ओर से 400 विशेषज्ञों को पैनल से बाहर करने का निर्णय लिया गया है।

दुकान पर किया पैनल में शामिल होने का जिक्र, अब होंगे बाहर : इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक शिक्षक आयोग के विशेषज्ञों के पैनल में शामिल हैं। उन्होंने इसका जिक्र एक दुकान पर कुछ लोगों के बीच में कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद आयोग सख्ती की तैयारी में और उनका नाम पैनल से बाहर किए जाने विशेषज्ञों की सूची में शामिल किया गया है। हालांकि, आयोग की जांच में यह पाया गया कि उन्होंने किसी तरह की गोपनीयता भंग नहीं की है। आयोग के मानक के अनुसार पेपर में ऐसे सवाल नहीं होने चाहिए जिनके जवाब को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हों या फिर एक से अधिक जवाब सही हों। सिलेबस एवं प्रश्नों के स्तर को लेकर भी मानक तय किए गए हैं लेकिन कई विशेषज्ञों ने इनसे बाहर जाकर सवाल पूछे।

यूपीएससी व अन्य राज्य आयोगों को भेजी जाएगी सूची : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग पैनल से बाहर किए जाने वाले विशेषज्ञों से भविष्य में अब कोई काम नहीं लेगा। इसकी शुरुआत भी हो गई है। इसके अलावा यह सूची संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) एवं अन्य राज्य आयोगों को भी भेजी जाएगी।

बेटे की नौकरी के लिए गवां दी जमा पूंजी...कोठियों में काम करने वाली गरीब महिला से ठगी, दर्ज हुआ केस

आगरा , एजेंसी। पुलिस में बेटे की नौकरी लगवाने का लालच देकर पिता-पुत्र ने घरों में साफ-सफाई करने वाली एक महिला को झांसे में ले लिया। उससे 1.60 लाख रुपये की ठगी कर ली। महिला ने शाहगंज थाने में केस दर्ज कराया है। शाहगंज क्षेत्र के नगला अक्खे में रहने वाली सरोज देवी ने आरोप लगाया कि जगदीशपुरा क्षेत्र के अमरपुरा निवासी संतोष का घर आना-जाना था। वह खुद को भगत बताता है और हर बीमारी के इलाज का दावा करता है। संतोष और उसके बेटे सागर ने एक दिन खुद के दरोगा संजय गौतम से संबंध बताए।

उन्होंने कहा कि तुम्हारा बेटा विष्णु पढ़ा-लिखा है। संजय दरोगा से कहकर इसकी पुलिस विभाग में खाना बनाने पर नौकरी लगवा देंगे। इसके लिए तुम्हें 1.60 लाख रुपये देने होंगे। सरोज देवी ने बताया कि आरोपियों ने एक दिन संजय दरोगा से फोन पर बात करा दी। मगर उसे नहीं पता कि संजय दरोगा है या नहीं। उसने फोन पर बेटे की नौकरी का वादा किया। वह बोला कि तुम रुपये का इंतजाम कर लो।

उन्होंने दूसरे से रुपये लिए। बेटे विष्णु ने संतोष के कहने पर 99,650 रुपये सात लोगों के क्यूआर कोड पर ऑनलाइल ट्रांजेक्शन किए। बाकी 60 हजार रुपये संतोष को नकद दिए। नौकरी न लगने पर संतोष गुमराह करता रहा। बाद में रुपये लौटाने से मना कर दिया। शाहगंज थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर 10 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। साक्ष्यों के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

जिस किशोरी को पढ़ाया-लिखाया, उसके साथ ही दरिंदगी; आपबीती सुनाते रो पड़ी वो

आगरा , एजेंसी। आगरा के मलपुरा क्षेत्र के एक गांव में आठ साल पहले एक किशोरी को पढ़ाने का झांसा देकर पड़ोसी युवक और उसके परिजन घर ले आए। आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया। कई बार गर्भपात भी कराया। उसके दो साल का बेटा भी है। अब उसे पीटकर घर से निकाल दिया है। मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 21 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें आरोप लगाया है कि वर्ष 2017 में वह 13 वर्ष की थी। तब पड़ोसी युवक और उसके माताङ्कपिता व अन्य रिश्तेदार पढ़ाने का झांसा देकर उसे अपने घर से ले गए। आरोप है कि युवक ने उससे कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इससे वह कई बार गर्भवती हुई। दवाएं खिलाकर गर्भ भी गिराया गया। अब उसके दो साल का बेटा है। अब युवक और उसके घरवाले प्रताड़ित करते हैं। उसे घर से भी निकाल दिया है।

मामले में थाना मलपुरा प्रभारी ने बताया कि आरोपी राजा समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। सोमवार को पुलिस ने आरोपी राजा को गिरफ्तार भी कर लिया है। खंदौली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने मकान मालिक पर गंदी हरकतें करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। महिला का आरोप है कि मकान मालिक उसकी ओर गलत नजर रखता है।

अरशद वारसी बोले- मैं एक्सीडेंटल एक्टर हूं... तीस साल और अब के लखनऊ में जमीन-आसमान का अंतर

लखनऊ , एजेंसी। कुछ लोग जन्मजात कलाकार होते हैं और कुछ अपने जुनून से कलाकार बनते हैं लेकिन मैं इत्तेफाक से फिल्म अभिनेता बना। यह कहना है मशहूर बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी का। वे लखनऊ में थे। यहां गोमतीनगर स्थित होटल में उन्होंने बातचीत के दौरान इस बात का खुलासा भी किया कि उन्हें जब पहली बार अमिताभ बच्चन की प्रोडक्शन कंपनी एबीसीएल से फिल्म 'तेरे मेरे सपने' का ऑफर मिला तो उन्होंने पहले उसे मना कर दिया था।

कोरियोग्राफर और डांसर के तौर पर अपने कॅरिअर की शुरुआत करने वाले अरशद ने मुन्ना भाई एमबीबीएस, लगे रहो मुन्ना भाई, सलाम नमस्ते, इश्किया और जॉली एलएलबी जैसी फिल्मों में काम किया। अरशद वारसी ने बताया कि दरअसल मैं अपनी दुनिया में मस्त था और फिल्मों में अभिनय का कोई इरादा नहीं था। कहा, आप कह सकते हैं कि मैं एक्सीडेंटल एक्टर हूं।

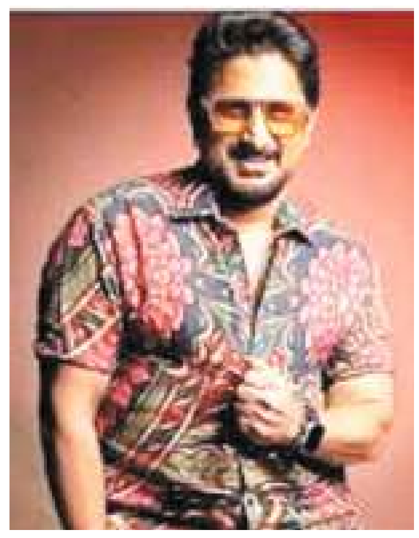

कॉमेडी के लिए मशहूर अरशद वारसी ने बताया कि वे इस बार सत्य घटना पर आधारित क्राइम थ्रिलर फिल्म भागवत में इंस्पेक्टर का किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को रिलीज हो रही है जिसमें संदीप यादव और आकांक्षा पांडेय समेत लखनऊ के भी कई कलाकारों ने काम किया है। कॉमेडी से सीरियस रोल की तरफ आने के सवाल पर अरशद ने कहा कि मैं एक अभिनेता हूं और रोल के हिसाब से खुद को ढाल लेता हूं। फिल्म निर्देशक अक्षय शेरे और अभिनेता अरशद वारसी रविवार को कैसरबाग कोतवाली भी पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से बात की। उन्होंने शहर की कानून व्यवस्था की सराहना की।

मुझे लखनऊ का चिकन और चिकन के कपड़े दोनों ही बहुत पसंद : अरशद वारसी ने कहा कि मैं बहुत पहले से लखनऊ आ रहा हूं। तीस साल पहले और आज के लखनऊ में जमीन-आसमान का अंतर है। अब यहां साफ-सफाई बहुत देखने को मिलती है। कहा, मुझे यहां का चिकन और चिकन के कपड़े दोनों ही बहुत पसंद हैं। जब भी यहां आता हूं तो चिकन के कुर्ते लेकर जाता हूं। अरशद ने कहा कि लखनऊ मेरे दिल के करीब है। मेरी एक फिल्म थी सहर, जिसमें एसएसपी अजय कुमार का मुख्य किरदार मैंने निभाया था। उसकी शूटिंग भी यहीं हुई थी। इसके अलावा एक और फिल्म डेढ़ इश्किया की शूटिंग भी लखनऊ में हुई थी।

संपादकीय

डिजिटल धोखाधड़ी बनती जा रही है हमारे लिए एक गंभीर समस्या

तेजी से बदलते दौर में नई तकनीकों के उपयोग को वक्त की जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। इसी क्रम में आम जिंदगी में संवाद से लेकर पढ़ाई-लिखाई और लेन-देन जैसे तमाम मामले अगर डिजिटल तकनीक के दायरे में आ रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। इसी के मद्देनजर 'डिजिटल इंडिया' का नारा भी दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट आधारित तकनीकों के उपयोग के प्रति आकर्षित हों। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ डिजिटल यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, उसी अनुपात में इसमें सुरक्षित गतिविधियों का ढांचा विकसित नहीं हुआ है।इससे उपजने वाले जोखिम रोज नए और जटिल स्वरूप में सामने आ रहे हैं। अमूमन हर रोज देश के किसी हिस्से से डिजिटल धोखाधड़ी की खबरें आती हैं और उसमें किसी की मेहनत की कमाई के लाखों रुपए अलग-अलग तरीके से लूट या उड़ा लिए जाते हैं। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें सिर्फ किसी को फोन पर की जाने वाली बातचीत में उलझा कर उसे धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। सवाल है कि अगर देश में आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है तो क्या इससे बचाव के इंतजामों को भी उतना ही अहम माना जा रहा है।गौरतलब है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी हमारे लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। हालांकि डिजिटल फर्जीवाड़े के मामलों में कोई अचानक उफान नहीं आया है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि आधुनिक तकनीक जितनी सुविधाजनक है, उतना ही यह जोखिम का वाहक भी बन रही है। किसी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आता है और वह व्यक्ति बातों के जाल में इस कदर फंस जाता है कि अपने बैंक खाते से खुद ही लाखों रुपए भेज देता है।इसके कुछ ही पल बाद जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बारे में पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। पिछले कुछ समय से ऐसे मामले आम होते देखे गए हैं, जिसमें अनजान नंबर से आए फोन काल के जरिए किसी व्यक्ति को डरा-धमका कर 'डिजिटल कैद' की स्थिति में डाल दिया जाता है और फिर भयादोहन करके उसके बैंक खाते में जमा रकम को उड़ा लिया जाता है।अब ऐसी घटनाएं कोई नई नहीं रह गई हैं, लेकिन इसमें तेजी से होते इजाफे ने यह सवाल पैदा किया है कि जिन डिजिटल संसाधनों का विकास सुविधाजनक और सुरक्षित लेनदेन और अन्य गतिविधियों के लिए किया गया, आज उसी से उपजे खतरे से निपटने के तौर-तरीके आम क्यों नहीं हो पा रहे हैं।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान–तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है।

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे हैं महिला अपराधों के आंकड़े

(योगेंद्र योगी)

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए।

वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 4,45,256 और 2021 में 4,28,278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्यप्रदेश में 32,342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133,676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88,605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83,891 मामले आए जबकि बलात्कार के 29,670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28,821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2,796 मामले दर्ज किए गए।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40,046 मामले, यौन उत्पीड़न के 22,149 मामले, यौन प्रताड़ना के लिए 2,778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185,961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 4,48,211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635,159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए।

साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गये, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में 'शील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमले' का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और 'बलात्कार' 7.1 फीसदी पर रहा।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मेक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राज़ील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100,000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहाँ विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है; पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएँ हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं। भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है। लेकिन गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर ज़ोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है ‌ अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है।(इस लेख में लेखक

हम कैसे खुश रहें! दूसरों को कैसे खुश रखें?

चंद्र मोहन

खुशी कोई एक निश्चित घटना नहीं है, बल्कि जीवन भर चलने वाली एक प्रक्रिया है..जीवन के हर पड़ाव पर खुशी के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की अपनी सोच और अनुभवों पर निर्भर करती है। इंसान तब सबसे ज्यादा खुश होता है जब वह अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करता है, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताता है, और समाज में योगदान देता है। खुशी एक व्यक्तिपरक भावना है और यह खुशी की परिभाषा पर निर्भर करती है, यह एक सार्वभौमिक सत्य नहीं है कि किस उम्र या परिस्थिति में हर कोई खुश होता है। उदाहरण के लिए, कुछ लोगों को वित्तीय स्थिरता में खुशी मिलती है, जबकि कुछ दूसरों के लिए दूसरों की मदद करने में आनंद पाते हैं। लक्ष्यों की प्राप्ति : जब कोई व्यक्ति लंबे समय से मेहनत कर रहा होता है और अपने किसी उद्देश्य या लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है, तो उसे बहुत खुशी मिलती है। सामाजिक जुड़ाव : परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना, उनके साथ खुशी बांटना, और दूसरों के साथ अच्छे संबंध बनाना खुशी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। अपनी कमजोरियों पर काबू पाना, नई चीजें सीखना, और जीवन के कठिन अनुभव से सीखकर आगे बढ़ना भी खुशी देता है। दूसरों की मदद करना, किसी अच्छे काम को पूरा करना, और अपने आसपास एक सकारात्मक माहौल बनाना व्यक्ति को संतुष्टि और खुशी देता है।

जीवन की संतुष्टि : अपने जीवन से संतुष्ट होना और जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखना खुशी का एक बड़ा कारक है।

आत्म-देखभाल और शांति : कुछ लोग अपने अकेलेपन का आनंद लेते हैं और शांत वातावरण में खुशी महसूस करते हैं. वे अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसे ध्यान और मेडिटेशन का अभ्यास। खुश रहने के लिए कोई निश्चित उम्र नहीं है; खुशी एक मानसिक स्थिति है जो हर व्यक्ति के सोचने के तरीके और जीवन के नजरिए पर निर्भर करती है. शोध के अनुसार, जीवन में खुशी का स्तर यू-आकार का होता है, जिसमें युवावस्था (लगभग 23 वर्ष) और बुढ़ापा (लगभग 69-70 वर्ष) में लोग अधिक खुश रहते हैं, जबकि मध्यम आयु (लगभग 40 से 50 वर्ष) में खुशी का स्तर घटता है। युवावस्था (लगभग 23 वर्ष): इस उम्र में लोग अक्सर अपने जीवन को स्थिर करना शुरू करते हैं, करियर पर ध्यान देते हैं और स्वतंत्र महसूस करते हैं, जिससे उन्हें खुशी मिलती है।

अधेड़ उम्र में गिरावट : 30 से 50 की उम्र तक खुशी का स्तर घटता है और लोग अधिक चिंतित रहते हैं।

बुढ़ापे में फिर से वृद्धि (लगभग 69-70 वर्ष) : इस उम्र में लोग जीवन के अनुभव से संतुष्ट हो जाते हैं, भविष्य की चिंता कम करते हैं और वर्तमान पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

खुश रहने का सार : मानसिकता और नजरिया

खुशी उम्र की मोहताज नहीं है। यह आपकी सोचने की क्षमता और सकारात्मक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है. आप छोटी-छोटी बातों में भी खुशियाँ ढूंढ सकते हैं।

वर्तमान में जीना: वर्तमान क्षण को अपनाने और सराहना करने से हर उम्र में खुशी संभव है। अवास्तविक अपेक्षाओं को त्यागना और अपनी सभी खामियों के साथ खुद को स्वीकार करना एक अधिक संतुष्टिदायक जीवन की कुंजी है।

उन गतिविधियों में शामिल होना जिनसे आपको आनंद मिलता है, तनाव को कम कर सकता है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। खुश रहने के लिए सकारात्मक सोचें, नियमित व्यायाम करें, संतुलित आहार लें, पर्याप्त नींद लें, और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं। अपने पसंदीदा काम करें, ध्यान व योग करें, प्रकृति में समय बिताएं, और दूसरों की मदद करें। अपनी तुलना दूसरों से न करें और खुद को समय दें।

सकारात्मक सोच अपनाएं: अपने विचारों को सकारात्मक बनाने का प्रयास करें, क्योंकि सोच जीवन और भावनाओं को दिशा देती है.

दूसरों से तुलना न करें : दूसरों से अपनी तुलना करने से बचें, क्योंकि इससे आप दूसरों के मुकाबले खुद को कमतर महसूस कर सकते हैं. अपने लिए मी-टाइम निकालें और अपनी पसंदीदा गतिविधियों में समय बिताएं।

रचनात्मक और नई चीजें करें : नई और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने से आनंद और संतुष्टि मिलती है। नियमित व्यायाम करें: शारीरिक स्वास्थ्य के लिए व्यायाम महत्वपूर्ण है, यहां तक कि 10 मिनट का व्यायाम भी फायदेमंद हो सकता है। संतुलित और स्वस्थ आहार लें: संतुलित आहार, जिसमें ताजे फल, सब्जियां, प्रोटीन और स्वस्थ वसा शामिल हों, शरीर और मन दोनों को ऊर्जावान रखता है।

तालिबान-पाकिस्तान में दोस्ती कराने चला था चीन, उल्टी पड़ गई जिनपिंग की चाल

(प्रियेश मिश्र)

पाकिस्तान और तालिबान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद चीन का बयान आया है। चीन ने दोनों पक्षों के बीच शांति की अपील की है और अपने निवेश की सुरक्षा करने को कहा है। चीन ने यह भी कहा है कि वह पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को तैयार है। चीन की अफगान तालिबान और पाकिस्तान में दोस्ती कराने की कोशिश नाकाम होती दिख रही है। रविवार को दोनों ही पक्षों में भीषण संघर्ष हुआ जिसमें कम से कम 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। काबुल में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह दोनों पड़ोसियों के बीच सबसे गंभीर लड़ाई है। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगी सीमा चौकियों को बंद कर दिया है। इससे अफगानिस्तान से होने वाला निर्यात ठप पड़ गया है। इस बीच चीन ने कहा है कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर बेहद परेशान है और दोनों देशों से शांति की अपील करता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर चिंतित है। उसने दोनों देशों से क्षेत्र में अपने नागरिकों और निवेशों की सुरक्षा करने का आग्रह किया है। चीन अपने पश्चिमी क्षेत्र में अफगानिस्तान और अवैध रूप से पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करता है और दोनों पक्षों के बीच शत्रुता को शांत करने में मध्यस्थता की भूमिका निभाने का प्रयास कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक नियमित प्रेस वार्ता के दौरान कहा, चीन पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को तैयार है। लिन ने कहा कि बीजिंग को उम्मीद है कि काबुल और इस्लामाबाद शांत और संयमित रहेंगे, और संघर्षों को बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत और परामर्श के माध्यम से एक-दूसरे की चिंताओं का उचित समाधान करने में लगे रहेंगे।अगस्त में, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने काबुल में पाकिस्तानी और अफगान अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया, जिसमें उन्होंने सभी स्तरों पर आदान-प्रदान को मजबूत करने का आह्वान किया। कुछ हफ्ते पहले बीजिंग में आयोजित एक अनौपचारिक त्रिपक्षीय बैठक में चीन ने कहा था कि काबुल और इस्लामाबाद अपने राजनयिक संबंधों को उन्नत करने पर सहमत

अपमान का बदला लेने कांग्रेस छोड़ जनसंघ में आईं थीं विजयाराजे सिंधिया, ऐसा था सियासी सफर

(अनन्या मिश्रा)

ग्वालियर साम्राज्य की ही नहीं राजनीति की भी राजमाता मानी जाने वाली विजयाराजे सिंधिया का 12 अक्तूबर को जन्म हुआ था। विजयाराजे सिंधिया ने अपने सियासी सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ की थी। लेकिन एक अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने जनसंघ का दामन थाम लिया था।

ग्वालियर की राजमाता और भाजपा की दिग्गज नेता रहीं राजमाता विजयाराजे सिंधिया का 12 अक्तूबर को जन्म हुआ था। विजयाराजे सिंधिया का राजनीति में आना किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं था। उनकी पर्सनल लाइफ में भी कम उथल-पुथल नहीं थी, तो वहीं राजमाता विजयाराजे सिंधिया का अपने इकलौते बेटे माधवराव सिंधिया से विवाद भी किसी से छिपा नहीं था। हालांकि विजयाराजे सिंधिया ने अपने सियासी सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ की थी। लेकिन एक अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने जनसंघ का दामन थाम लिया। राजमाता विजया राजे सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना लोकसभा सीट से 6 बार सांसद रही थीं। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में।

जन्म और परिवार: मध्य प्रदेश के सागर में 12 अक्टूबर 1919 को राजमाता विजयाराजे सिंधिया का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम महेंद्र सिंह ठाकुर था, जोकि यूपी के जालौन जिले के डिप्टी कलेक्टर थे। उनकी मां का नाम विदेंश्वरी देवी था। वहीं 21 फरवरी 1941 को ग्वालियर के महाराजा जीवाजीराव सिंधिया से विजयाराजे सिंधिया से हुई।

राजनीतिक सफर: पति के निधन के बाद राजमाता राजनीति में सक्रिय हुई और साल 1957 से 1991 तक 8 बार ग्वालियर के गुना से सांसद रही। कभी राजमाता विजयाराजे की देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की करीबी मानी जाती थीं। विजयाराजे ने साल 1957 से कांग्रेस से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया था। फिर 10 साल तक कांग्रेस में रहने के बाद साल 1967 में उन्होंने पार्टी का दामन छोड़ दिया।

बेटे से रहा विवाद: राजमाता विजयाराजे सिंधिया अपने जीवनकाल में इकलौते बेटे कांग्रेस नेता रहे माधवराव सिंधिया से गहरा विवाद रहा था। उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा था कि उनका अंतिम संस्कार उनके बेटे माधवराव सिंधिया नहीं करेंगे। राजमाता विजयाराजे सिंधिया का सार्वजनिक जीवन जितना आकर्षक था, पारिवारिक जीवन उतना ही ज्यादा मुश्किलों भरा रहा था। राजमाता पहले कांग्रेस में थीं, फिर बाद में इंदिरा गांधी की नीतियों के विरोध में उनकी ठन गई और बाद में पूरी जिंदगी राजमाता ने जनसंघ और भाजपा में रहकर गुजारी। बेटे माधवराव सिंधिया से कांग्रेस का दामन थामने के कारण नाराज थीं। विजयाराजे ने कहा था कि आपातकाल के दौरान उनके बेटे माधवराव सिंधिया के सामने पुलिस ने उनको अपमानित किया था। मां-बेटे में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता रही। इसके कारण ग्वालियर के जयविलास पैलेस में रहने के लिए विजयाराजे ने अपने ही बेटे माधवराव से किराया भी मांग लिया था।

मृत्यु: वहीं 25 जनवरी 2001 राजमाता विजयाराजे सिंधिया का निधन हो गया था। (लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

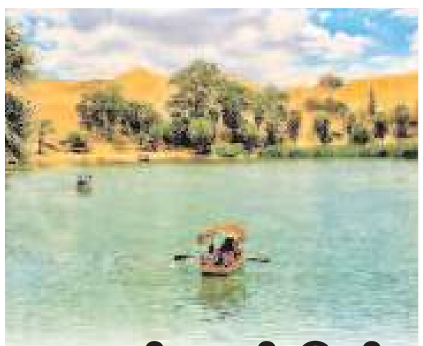

इस झील की मिट्टी शरीर पर लगाने से दूर हो जाती है हर बीमारी

आपने भारत के कई ऐसे झीलों के बारे में सुना होगा, जहां नहाने से गंभीर बीमारियां ठीक हो जाती हैं. इसके पीछे असली वजह क्या है, यह तो नहीं पता पर लोगों के बीच ये जगहें खूब मशहूर हो रही हैं. आइए आपको बताते हैं दुनिया की एक ऐसी झील के बारे में जहां एक जलपरी के मौजूद होने का दावा किया जाता है और कहा जाता है कि उसकी वजह से लोगों की बीमारियां दूर हो रही हैं. यह झील पेरू के हुआकाचाइना में स्थित है और धीरे-धीरे दुनियाभर में टूरिस्टों के बीच मशहूर हो रही है.

पानी में नहाने से बीमारियां होती हैं दूर

इंटरनेट पर मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, इस क्षेत्र की कुल आबादी 100 लोगों की है लेकिन यहां हर साल 10 हजार से भी ज्यादा टूरिस्ट घूमने आते हैं. यह झील ओएसिस ऑफ अमेरिका के नाम से मशहूर है और इसके आसपास रेत के ऊंचे टीले भी हैं. इस झील के बारे में कहा जाता है कि इसके पानी और मिट्टी में ऐसा जादू है कि इसके पानी में नहाने या फिर शरीर पर इसकी मिट्टी का लेप लगाने से सभी बीमारियां दूर हो जाती हैं.

शीशे ने झील का रूप ले लिया

यहां रहने वाले लोगों के अलावा टूरिस्ट भी इस झील में डुबकी लगाते हैं और इसकी मिट्टी का लेप भी शरीर पर लगाते हैं. यह झील कैसे बनी, इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है. कहा जाता है कि जब एक राजकुमारी ने नहाने के लिए अपने कपड़े उतारे तो उसकी नजर अपने शीशे पर पड़ी जिसमें एक शिकारी उसकी तरफ बढ़ रहा था. वह अचानक वहां से भागने लगी और इसी बीच उसका शीशा वहीं गिर गया, जिसने बाद में एक झील का रूप ले लिया.

राजकुमारी इसी झील में एक जलपरी के रूप में रहती है

ऐसा भी कहा जाता है कि जब वह भाग रही थी तो उससे जो रेत उड़ी उसने रेत के टीलों का रूप ले लिया. माना जाता है कि वह राजकुमारी इसी झील में एक जलपरी के रूप में रहती है और सबकी बीमारियां ठीक कर देती है. अब यह कितना सच है यो तो वहां घूमने जाने पर ही पता चलेगा.

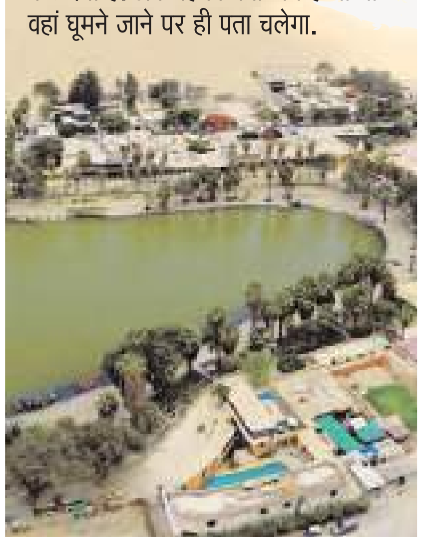

भारत के इस रहस्यमय किले में छुपा है गहरा राज

भारत में ऐसे कई रहस्यमय किले मौजूद हैं, जो बाहर से देखने पर तो काफी खूबसूरत लगते हैं, लेकिन वो अपने अंदर कुछ राज समेटे हुए हैं। एक ऐसा ही रहस्यमय किला है बुदेंलखंड प्रांत में, जिसे कालिंजर के किले के नाम से जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बुदेंलखंड प्रांत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में बंटा हुआ है। इस प्रांत के अंदर आने वाले कुछ जिले उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं तो कुछ मध्य प्रदेश में पड़ते हैं। वैसे कालिंजर यूपी के बांदा जिले में स्थित है।

कालिंजर का किला भारत के सबसे विशाल और अपराजेय दुर्गों में गिना जाता रहा है। प्राचीन काल में यह दुर्ग जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था। बाद में यह 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन और फिर रीवा के सोलंकियों के आधीन रहा। इन राजाओं के शासनकाल में कालिंजर पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेर शाह सूरी और हुमांयू जैसे योद्धाओं ने आक्रमण किए, लेकिन इस पर विजय पाने में असफल रहे। कालिंजर विजय अभियान में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हो गई थी। बाद में मुगल बादशाह अकबर ने इस पर अधिकार कर लिया और किले बीरबल को तोहफे में दे दिया। इस किले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं। इनमें से कई मंदिर तीसरी से पांचवीं सदी यानी गुप्तकाल के हैं। यहां के शिव मंदिर के बारे में मान्यता है कि सागर-मंथन से निकले विष को पीने के बाद भगवान शिव ने यहीं तपस्या कर उसकी ज्वाला शांत की थी। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर को कालिंजर के प्रांगण में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण और पूज्यनीय माना गया है। कहते हैं कि इसका निर्माण नागों ने कराया था। इस मंदिर का जिक्र पुराणों में भी है। इस मंदिर में एक शिवलिंग स्थापित है, जिसे बेहद प्राचीनतम माना गया है। नीलकंठ मंदिर के ऊपर ही जल का एक प्राकृतिक स्रोत है, जो कभी सूखता नहीं है। इसी जल से मंदिर में मौजूद शिवलिंग का अभिषेक निरंतर प्राकृतिक तरीके से होता रहता है। वैसे बुंदेलखंड का यह इलाका सूखे के कारण जाना जाता है, लेकिन यहां कितना भी सूखा पड़े, जल का यह स्रोत कभी नहीं सूखता है। कहते हैं कि कालिंजर के किले में कई रहस्यमयी छोटी-बड़ी गुफाएं भी मौजूद हैं।

जमीन से 800 फीट की ऊंची पहाड़ी पर बना कालिंजर का यह किला जितना शांत है, उतना ही खौफनाक भी। कहते हैं कि रात होते ही यहां एक अजीब सी हलचल पैदा हो जाती है। लोगों का मानना है कि यहां मौजूद रानी महल से रात को अक्सर घुंघरुओं की आवाज सुनाई देती है। यही वजह है कि यहां दिन के समय तो लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात होने से पहले ही वो यहां से निकल जाते हैं। इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे बने हुए हैं और ये सभी दरवाजे एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। यहां के स्तंभों और दीवारों में कई प्रतिलिपियां बनी हुई हैं। मान्यता है कि प्रतिलिपियों में यहां मौजूद खजाने का रहस्य छुपा हुआ है, जिसे अब तक कोई भी ढूंढ नहीं पाया है। इस किले में सीता सेज नामक एक छोटी सी गुफा है, जहां एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है। माना जाता है कि यह जगह माता सीता की विश्रामस्थली थी। यहीं एक कुंड भी है, जो सीताकुंड कहलाता है। किले में बुड्ढा और बुड्ढी नामक दो ताल हैं, जिसके जल को औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मान्यता है कि इनका जल चर्म रोगों के लिए लाभदायक है और इसमें स्नान करने से कुष्ठ रोग भी ठीक हो जाता है।

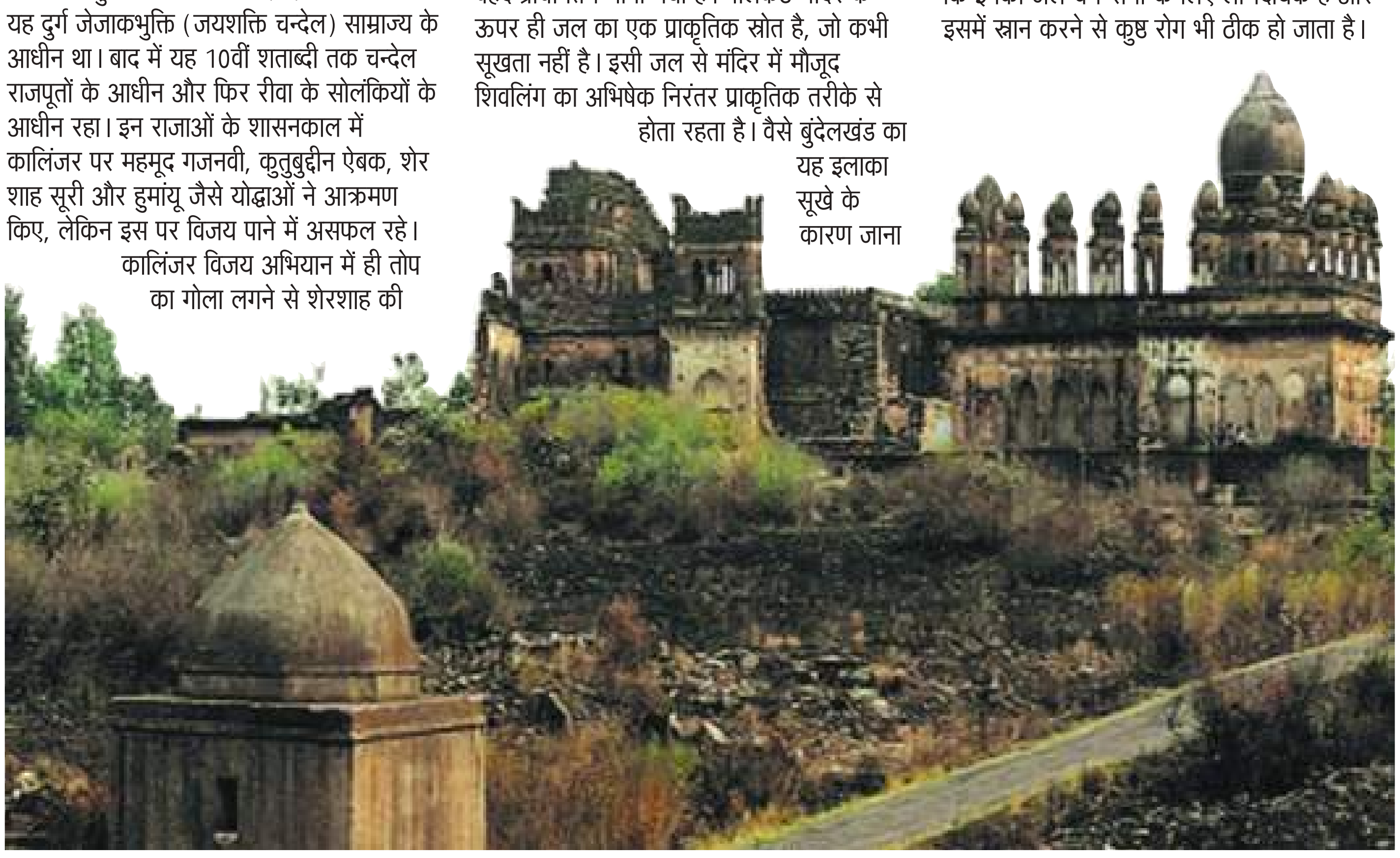

चीन में बना दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडिंग लैंटर्न

चीन में इस वक्त जोर-शोर से बसंतोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर के दौरान यहां के लुयोयांग में दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडिंग लैंटर्न यानी लालटेन बनाया गया है। यह लालटेन 147 फीट लंबा, 81 फीट ऊंचा और 64 फीट से ज्यादा चौड़ा है। इसका वजन करीब 4500 टन है। इस लैंटर्न को 200 से ज्यादा कलाकारों ने 17 दिनों की दिन-रात की मेहनत से तैयार किया है। इस लैंटर्न को सिटी ऑफ फ्लॉवर पीउनी की थीम पर बनाया गया है। इसमें 36 पंखुड़ियां और 6 परतें हैं। इस विशाल लालटेन को गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। इस लैटर्न की ऊंचाई 100 लोगों के एक के ऊपर एक खड़े होने के बराबर है। लैंटर्न को 53 हजार लाइट सोर्स से जगमग किया गया है। इस लैटर्न की खास बात यह है कि यह पूरी तरह से हैंडमेड है।

पेरू की झील में टोटोरा पौधों से बने हैं ये मानव निर्मित आइलैंड

पेरू और बोलिविया सीमा पर स्थित है टिटिकाका झील। यह दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है। इस झील पर स्थानीय लोग आइलैंड बनाकर रहते हैं। स्थानीय उरोस लोग बांस की तरह के एक पौधे टोटोरा से इन आइलैंड्स को बनाते हैं। इस समय यहां करीब 120 मानव निर्मित आइलैंड हैं और इन पर 1300 लोग रह रहे हैं। इसी से लोग नावे भी बनाते हैं। लेकिन समय के साथ यहां रहने वालों के जीवन में भी बदलाव आया है। अब यहां तकनीक का प्रभाव देखने को मिलता है। लोगों के घर सोलर पैनल्स द्वारा पैदा की गई रोशनी से रोशन हो रहे हैं। दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील टिटिकाका में पानी में तैरती बस्तियां बसाई जा रही हैं। यह जगह समुद्रतल से 12,500 फीट ऊंचाई पर है। ये द्वीप इंसानों के बनाए हुए हैं और सभी तैरते हैं। द्वीपों की इन्हीं खासियत के कारण यहां की आबादी लगातार बढ़ रही है। पेरू और बोलीविया के लोगों ने झील में छोटे-छोटे नए आइलैंड बनाने शुरू कर दिए हैं।

टोटोरा रीड्स के बने हैं आइलैंड

इन द्वीपों का बेस टोटोरा रीड्स की मोटी चादर पर बना है। इन पर घर भी हल्की लकड़ी और टोटोरा रीड्स के बने हैं। इसके चलते ये तैरते रहते हैं। टोटोरा रीड्स जलीय इलाकों में पाई जाने वाली लकड़ी होती है। कुछ मछुआरे इसकी नाव भी बनाते हैं।

समुद्र की गहराई में दफन वो पांच रहस्यमयी शहर, जिनकी खोज ने दुनियाभर को चौंकाया

कई सौ साल पहले दुनिया में ऐसे-ऐसे शहर हुआ करते थे, जो आज इतिहास का हिस्सा बन गए हैं और वो इसलिए क्योंकि वो समुद्र की गहराइयों में विलीन हो गए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही शहरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रहस्यमयी तो हैं ही, साथ ही वो समुद्र की अनंत गहराइयों में डूब गए थे।

अलेक्जेंड्रिया, मिस्र

ये है सिकंदर का शहर अलेक्जेंड्रिया (मिस्र), जो करीब 1500 साल पहले भयानक भूकंप के कारण समुद्र में डूब गया था। पानी में इसके खंडहर आज भी मौजूद हैं, जो इस शहर की विरासत को बयां करते हैं।

खंभात का खोया हुआ शहर

इसे खंभात का खोया हुआ शहर कहते हैं, जो 17 साल पहले खंभात की खाड़ी (भारत) में मिला था। बताया जाता है कि यह शहर करीब 9500 साल पहले समुद्र में डूब गया था। साल 2002 में विशेषज्ञों ने इसे खोज निकाला। हालांकि यह अभी भी रहस्य ही है कि यह आखिर कैसे डूबा?

योनागुनी

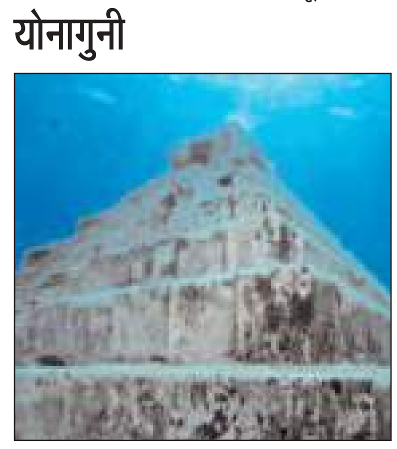

मिस्र में तो आपने कई पिरामिड देखें होंगे, लेकिन क्या कभी समुद्र के अंदर पिरामिड देखा है। दरअसल, जापान में कुछ साल पहले एक टूरिस्ट गाइड ने समुद्र के अंदर मौजूद इन पिरामिडों को खोज निकाला था। इसे योनगुनी शहर के नाम से

हेरास्लोइन शहर

ये है मिस्र का प्राचीन शहर हेरास्लोइन, जो करीब 1200 साल पहले समुद्र में समा गया था। कुछ साल इसकी खोज की गई। इतिहासकार हेरोटोडस के मुताबिक, यह शहर बेशुमार दौलत के लिए मशहूर था। गोताखोरों को यहां से खजाना भी मिल

शी चेंग शहर

चीन के झेजियांग में शी चेंग नाम का एक शहर हुआ करता था, जो करीब 1300 साल पुराना था, लेकिन साल 1959 में यह शहर गहरी झील में डूब गया। इसे लायन सिटी के नाम से जाना जाता है। हैरानी की बात ये है कि इस शहर के खंडहर आज भी पानी के अंदर बिल्कुल सही स्थिति में हैं।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने इटली की पीएम मेलोनी से कहा- स्मोकिंग छोड़ दो

वाशिंगटन, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से स्मोकिंग छोड़ने के लिए कहा है। दोनों नेताओं ने सोमवार को मिस्र में गाजा पीस समिट में मुलाकात की। इस दौरान एर्दोगन ने कहा, मैंने आपको हवाई जहाज से उतरते देखा। आप शानदार लग रही हैं, लेकिन मुझे आपको स्मोकिंग छोड़वाना होगी। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हंसते हुए कहा कि यह असंभव है। मेलोनी ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, मुझे पता है, लेकिन मैं किसी को मारना नहीं चाहती। उन्होंने बताया कि स्मोकिंग छोड़ने से उनकी सामाजिकता कम हो सकती है। मेलोनी ने एक किताब में स्वीकार किया था कि स्मोकिंग उन्हें ग्लोबल लीडर्स के साथ रिश्ते मजबूत करने में मदद करती है। वहीं, एर्दोगन ने तुर्किये को स्मोकिंग फ्री बनाने का संकल्प लिया है।

वेनेजुएला में खदान हादसा: भीषण बारिश से सोने की खान धसने से 14 मजदूरों की मौत

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला के दक्षिणपूर्वी क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान धंस गई, जिसमें कम से कम 14 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा एल कालयो कस्बे में हुआ, जो राजधानी कराकस से करीब 850 किलोमीटर दूर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के शवों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय बचाव दल के अनुसार, गहराई वाले हिस्सों में पानी निकालने के बाद ही अंदर फंसे लोगों की तलाश जारी रखी जाएगी। फिलहाल मौतों की संख्या अन्य खनिकों के बयान के आधार पर बताई गई है।

खैबर पख्तूनख्वा के नए सीएम बने सुहैल विपक्ष का बहिर्गमन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उम्मीदवार सुहैल अफरीदी को सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का नया मुख्यमंत्री चुना गया। हालांकि इस दौरान विपक्ष ने सदन से बहिर्मगन किया। प्रांत विधानसभा के अध्यक्ष बाबर सलीम स्वाती ने विपक्ष के बहिर्गमन के बावजूद मतदान की प्रक्रिया जारी रखी। अफरीदी को 145 में से 90 वोट मिले, जबकि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) बीएमएलएन और पीपीपी के उम्मीदवारों को कोई वोट नहीं मिला। पार्टी के संस्थापक इमरान खान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अफरीदी ने कहा, उन्होंने साधारण से कार्यकर्ता, राजनीति से कोई पारिवारिक संबंध नहीं रखने वाले शख्स को मुख्यमंत्री चुना।

भूकंप के तेज झटके से दहला चीन

बीजिंग, एजेंसी। भारत के पड़ोसी देश चीन के झिंजियांग प्रांत में मंगलवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इससे पहले भारत के लद्दाख क्षेत्र में भी सोमवार रात को भूकंप दर्ज किया गया था। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलॉजी के अनुसार चीन में यह भूकंप मंगलवार सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर आया। पिछले महीने चीन के दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में भी 9 अक्टूबर को 5.4 तीव्रता का भूकंप आया था। चीन अर्थक्वेक नेटवर्क सेंटर के अनुसार यह भूकंप गांजी तिब्बती स्वायत्त प्रीफेक्चर के शिनलॉन्ग काउंटी में आया था जिसकी गहराई भी 10 किलोमीटर थी।

इस सप्ताह वॉशिंगटन जाएंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इस सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेंगे। इस दौरान वे यूएस से लंबी दूरी के हथियारों की संभावित आपूर्ति और अन्य सुरक्षा सहयोग पर चर्चा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को चेतावनी दी है कि वे कीव को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भेज सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप से उनकी मुलाकात

व्यापार युद्ध बढ़ने की आशंका

नीदरलैंड्स ने अपने कब्जे में ली चीन की बहुत बड़ी चिप कंपनी

एम्स्टर्डम, एजेंसी। वैश्विक व्यापार युद्ध के बीच नीदरलैंड्स सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए चीन की विंगटेक टेक्नोलॉजी के स्वामित्व वाली डच चिपमेकर कंपनी नेक्स्पेरिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। यह कदम डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय द्वारा गुड्स अवेलेबिलिटी एक्ट के तहत उठाया गया है, ताकि देश में आवश्यक चिप्स की सप्लाई और तकनीकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि नेक्स्पेरिया में गंभीर प्रशासनिक खामियों के हालिया और तात्कालिक संकेत मिले हैं, जो नीदरलैंड्स और यूरोप की तकनीकी क्षमताओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। बयान में कहा गया कि इन क्षमताओं का नुकसान डच और यूरोपीय आर्थिक सुरक्षा के लिए जोखिम साबित हो सकता है, विशेष रूप से ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए, जो चिप्स पर भारी निर्भर करता है।

नीजमेगन में मुख्यालय वाली नेक्स्पेरिया दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनियों में से एक है, जो मुख्यतः सरल कंप्यूटर चिप्स (जैसे डायोड और ट्रांजिस्टर) बनाती है। साथ ही यह कंपनी वाइड गैप सेमीकंडक्टर तकनीक पर भी काम करती है, जिसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिंग सिस्टम्स और एआई डेटा सेंटर्स में होता है। नीदरलैंड्स सरकार का कहना है कि यह हस्तक्षेप अत्यंत असाधारण स्थिति में किया गया है, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में चिप आपूर्ति में किसी तरह की बाधा न आए। यह निर्णय सितंबर में लागू किया गया था, लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा अब की गई है। यह कदम ऐसे समय आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के निर्यात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने अमेरिकी दबाव से इनकार करते हुए इसे सिर्फ एक संयोग बताया, लेकिन यह निर्णय उस व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है जिसमें अमेरिका और नीदरलैंड्स दोनों चिप उद्योग पर निर्यात नियंत्रण को लेकर करीबी सहयोग कर रहे हैं।

उधर, बीजिंग ने हाल ही में रेयर अर्थ एलिमेंट्स और मैग्नेट्स के निर्यात पर नियंत्रण लगाया है, जो यूरोप के ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। इससे यूरोप-चीन व्यापारिक रिश्तों में और तनाव आ सकता है।

विंगटेक पहले से अमेरिकी निगरानी सूची में: गौरतलब है कि विंगटेक टेक्नोलॉजी को दिसंबर 2024 में अमेरिका ने अपनी एंटिटी लिस्ट में शामिल किया था। आरोप था कि कंपनी संवेदनशील सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमताओं वाली

पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल

संघर्ष फिर से शुरू हो सकता है; दोनों देशों की सेनाएं अलर्ट पर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों में कोई झड़प नहीं हो रही है, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंध ठंड पड़ गए हैं। आसिफ ने आगे कहा, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हमें तुरंत प्रतिक्रिया देने का अधिकार है। दरअसल 9 अक्टूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानके ठिकानों पर हवाई हमले हुए थे। तालिबान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान ने किए थे। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 11 अक्टूबर को देर रात पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियों पर हमला कर दिया था। सोमवार को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाएं अलर्ट पर रहीं। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और यात्रियों का आना-जाना बंद रहा। शनिवार रात (11 अक्टूबर) को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले लीं। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके सिर्फ 25 सैनिक मारे गए, जबकि उसने

सिलैंडरों से उड़ा दिया पूरा घर ! 3 पुलिस कर्मियों की मौत व 13 घायल

रोम, एजेंसी। इटली के कास्टेल डी'अज्जानो में निकासी के दौरान एक परिवार ने अपने घर को विस्फोटक से उड़ा दिया, जिससे 3 पुलिसकर्मी मरे और 13 घायल हुए। तीन भाई-बहनों ने घर खाली करने से इंकार किया और गैस सिलेंडरों से जाल बिछाया। यहां एक घर में पुलिस रेड पड़ने पर परिवार ने जो कदम उठाया उससे पूरी दुनिया हैरान है। इटली के कास्टेल डी'अज्जानो में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जब पुलिस द्वारा निकासी के प्रयास के दौरान एक परिवार ने अपने घर को विस्फोटक से तैयार किया जिससे तीन पुलिसकर्मी मारे गए और 13 घायल हुए। पुलिस के अनुसार, तीन भाई-बहन ने रेड दौरान घर खाली करने से इंकार कर दिया और इसके बजाय अपने फार्महाउस को गैस सिलेंडरों से बूम-ट्रैप कर दिया। जैसे ही अधिकारी घर में दाखिल हुए महिला ने सिलेंडरों में विस्फोट कर दिया

जिससे दो मंजिला घर क्षतिग्रस्त हो गया। मामले में दो भाई-बहन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक अभी भी फरार है। आपातकालीन सेवाएँ अभी भी फरार सदस्य की तलाश कर रही हैं और जांच जारी है कि भाई-बहनों ने घर को इतनी कुशलता से बूम-ट्रैप कैसे किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह विस्फोट एक महिला द्वारा किया गया था, जो घर में मौजूद थी और घायल हो गई। घटना के समय पुलिस अधिकारी घर में दाखिल हो रहे थे, तभी यह विस्फोट हुआ, जिससे दो मंजिला भवन ढह गया और पुलिसकर्मी मलबे में दब गए। पुलिस ने एक फार्महाउस की निकासी के लिए कार्रवाई की थी, जिसमें तीन लोग मौजूद थे।

जैसे ही पुलिस अधिकारी घर में दाखिल हुए, एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिससे घर पूरी तरह से ढह गया। तीन पुलिसकर्मी मौके पर ही मारे गए, जबकि अन्य घायल हो गए। घटना के बाद, बचाव दल ने मलबे से घायलों को निकाला और अस्पताल भेजा।इटली के रक्षा मंत्री ने इस घटना को ÷हत्याकांड÷ बताते हुए इसकी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ा आघात है और सरकार इस मामले की गहन जांच करेगी।स्थानीय पुलिस विभाग ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से पुलिस बल का मनोबल गिरता है, लेकिन वे अपने कर्तव्यों का पालन करते रहेंगे।

शाओमी की कार में अचानक लगी आग, दरवाजा लॉक होने से जिंदा जला ड्राइवर

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक कार हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। बीच सड़क पर कार अचानक आग का गोला बन गई और दरवाजा भी लॉक हो गया, जिसकी वजह से ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका और आग में जिंदा जल गया।

यह हादसा सोमवार को शाओमी की कार स्7 इलेक्ट्रिक सेडान के साथ हुआ। चीन के चेंगदू शहर में कार ने पहले दूसरी कार को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में आग लग गई।

आग लगने के बाद कार का दरवाजा बंद हो गया। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि आसपास मौजूद लोग चाहकर भी इसे नहीं खोल सके और ड्राइवर जिंदा जल गया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया

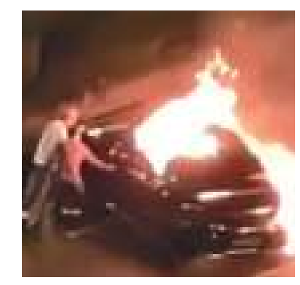

पर वीडियो वायरल होने के बाद सोमवार को शाओमी के शेयर में भारी गिरावट देखी गई। शाओमी के शेयर 8.7 प्रतिशत तक कम हो गए। अप्रैल के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक इस मामले पर चुप्पी साध रखी है। पुलिस की शुरुआती जांच में कार ड्राइवर की पहचान 31 वर्षीय देंग के रूप में हुई है। पुलिस को शक है कि ड्राइवर नशे में था। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, आग लगने के बाद कार का दरवाजा क्यों नहीं खुला?

स्पेसएक्स ने 40 माले की इमारत के बराबर रॉकेट का सफल परीक्षण किया

वाशिंगटन , एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फिर बड़ा कारनामा किया है। सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 11वां टेस्ट सफल रहा। मंगलवार (14 अक्तूबर) को सुबह 5ः00 बजे टेक्सास के बोका चिका से स्टारशिप की सफल लॉन्चिंग की गई। स्टारशिप की हिंद महासागर में लैंडिंग कराई गई। स्टारशिप अब तक का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। जो कि टेक्सास के दक्षिणी सिरे से आकाश में गर्जना के साथ उड़ा। बूस्टर रॉकेट अलग हो गया और योजना के मुताबिक मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित रूप से प्रवेश किया, और स्टारशिप हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। स्टारशिप रॉकेट को परीक्षण उड़ान के दौरान प्रक्षेपित किया और पिछली बार (10वां टेस्ट) की तरह ही दुनिया के आधे हिस्से का सफलतापूर्वक चक्कर लगाया। बूस्टर ने योजना के अनुसार मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित प्रवेश किया, और अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में घूमता रहा। घटनास्थल से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। सुपर हैवी बूस्टर की अमेरिका की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग कराई गई, जबकि स्टारशिप की हिंद महासागर में वॉटर लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था। स्टारशिप अंतरिक्ष यान (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को पूरे तौर से स्टारशिप कहा जाता है। जिसका उद्देश्य भविष्य में रॉकेट को उड़ान भरने वाली जगह पर वापस लाने से जुड़े परीक्षण करना था। स्टारशिप की ऊंचाई 403 फीट है। जिसका उपयोग स्पेसएक्स के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क मंगल ग्रह पर लोगों को भेजने के लिए करना चाहते हैं। स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने के अपने प्रयासों में दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट, स्टारशिप का उपयोग करने की योजना बनाई थी। की, जिन्होंने कहा था कि इसकी तकनीक नासा की चंद्र परियोजनाओं को पूरा करने और मनुष्यों को मंगल ग्रह पर ले जाने के मस्क के सपने को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है। आपको बता दें कि इससे पहले स्टारशिप का 10वां टेस्ट 27 अगस्त को किया गया था, जो सफल रहा था। स्टारशिप का 10वां ये टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था, जिसमें स्टारलिंक सिम्युलेटर सैटेलाइट को अंतरिक्ष में छोड़ने से लेकर इंजन चालू करने जैसे सभी ऑब्जेक्टिव पूरे

दुनिया को आपकी जरूरत है, ट्रंप को रिझाने में जुटा पाकिस्तान, फिर अलापा नोबेल राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका को रिझाने का पाकिस्तान कोई मौका छोड़ता नजर नहीं आ रहा है। नोबेल शांति पुरस्कार के ऐलान के चार दिन बाद ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पुरस्कार के लिए फिर नॉमिनेट कर दिया। शरीफ का कहना है कि दुनिया को इस समय सबसे ज्यादा ट्रंप की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में बड़ी भूमिका निभाने का दावा लगातार किया जा रहा है।

गाजा में शांति के लिए आयोजित शिखर सम्मेलन में शरीफ ने कहा, मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करना चाहता हूं, क्योंकि मुझे वास्तविक तौर पर लगता है कि वह वास्तविक रूप से सबसे शानदार उम्मीदवार हैं...। मुझे लगता है कि आप वह व्यक्ति हैं, जिसकी जरूरत इस दुनिया इस समय सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, दुनिया आपको ऐसे व्यक्ति के रूप में याद रखेगी, जिसने 7 और अब 8 युद्ध रुकवाने के लिए सबकुछ किया।

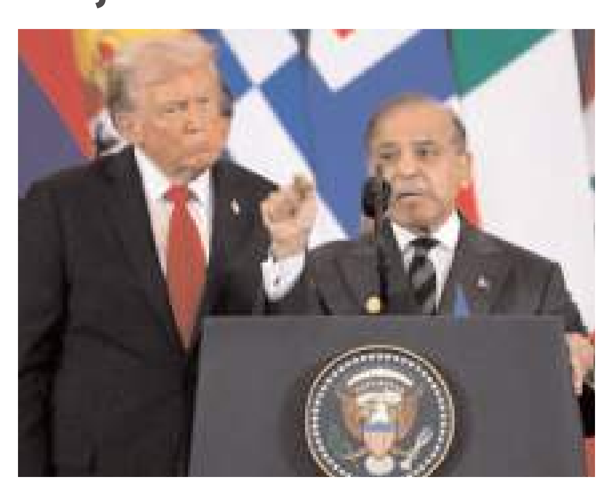

पाकिस्तान पीएम ने कहा, अगर यह सज्जन नहीं होते, तो कौन जानता है कि क्या होता। भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु ताकतें हैं। अगर यह अपनी शानदार टीम के साथ उन चार दिनों में दखल नहीं देते, तो युद्ध उस स्तर तक पहुंच जाता, जहां कोई भी यह बताने के लिए नहीं बचता कि आखिर क्या हुआ था।

नोबेल शांति पुरस्कार से चूकने के बाद, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष समेत आठ युद्धों को सुलझाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह नोबेल पुरस्कार के लिए नहीं किया। ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष समेत सात युद्धों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने इजराइल-गाजा संघर्ष को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है। रविवार को अपने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने की योजना का भी संकेत दिया। ट्रंप ने

पहले कनाडा, फिर ब्रिटिश पीएम की बेइज्जती, ट्रंप ने मिस्र में इन नेताओं को किया शर्मसार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन के दौरान कई विश्व नेताओं को अनजाने में या जानबूझकर शर्मिंदा कर दिया। यह घटना तब घटी जब ट्रंप ने इजरायल-हमास युद्ध को समाप्त करने वाले ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बुलाए गए वैश्विक नेताओं को संबोधित किया। सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित दर्जनों देशों के नेता मौजूद थे। ट्रंप के भाषण और उनके व्यवहार ने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा छेड़ दी। कई यूजर्स ने इसे ट्रंप का क्लासिक स्टाइल करार दिया।

पहले कनाडा के कार्नीः प्रेसिडेंट कहकर हुई गलती, लेकिन जोक में बदल गया

ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का जिक्र करते हुए उन्हें मिस्टर प्रेसिडेंट कह दिया, जबकि कार्नी कनाडा के प्रधानमंत्री हैं। यह गलती ट्रंप के वाइट हाउस में कार्नी से हुई हालिया मुलाकातों के संदर्भ में और भी मजेदार लगी, जहां ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी दी थी।

कार्नी ने तुरंत मंच पर हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, आपने मुझे अपग्रेड कर दिया, सर! ट्रंप ने हंसते हुए कहा, ओह, क्या मैंने ऐसा कहा? कम से कम मैंने गवर्नर तो नहीं कहा। दोनों नेताओं के बीच यह आदान-प्रदान कैमरों में कैद हो गया और कार्नी के पीछे खड़े ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने नर्वस स्माइल के साथ तालियां बजाते दिखे। यह घटना ट्रंप-कार्नी संबंधों की पृष्ठभूमि में देखी जा रही है। 7 अक्टूबर को वाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कनाडा पर लगे भारी टैरिफ को लेकर सख्त

रुख अपनाया था। कार्नी पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर रह चुके हैं। उन्होंने ट्रंप की चापलूसी की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप ने कोई रियायत नहीं दी।

कार्नी के साथ जोक के ठीक बाद ट्रंप ने मंच पर खड़े नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैंने आप सबको इतने सालों से जाना है। तभी उन्होंने ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की ओर इशारा किया और कहा, कीर, आपका क्या? आइए, बोलिए! स्टार्मर ने समझा कि उन्हें बोलने के लिए बुलाया गया है, इसलिए वे उत्साहित होकर मंच के आगे बढ़े। लेकिन ट्रंप ने उन्हें रोकते हुए कहा, नहीं-नहीं, बस थोड़ा इंतजार कीजिए। आपकी बारी बाद में। स्टार्मर असहज दिखे, चारों ओर देखा, फिर धीरे-धीरे पीछे लौटे। कार्नी ने उन्हें हल्के से कंधा थपथपाया, लेकिन स्टार्मर की यह स्क्राटलिंग (पीछे हटना) वाली हरकत कैमरों में कैद हो गई।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर ने एक फीकी मुस्कान के साथ स्थिति संभाली, लेकिन सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा, ट्रंप ने स्टार्मर को वर्ल्ड स्टेज पर एपिक तरीके से शर्मिंदा किया। ट्रंप कभी नहीं भूलते! एक अन्य ने कहा, स्टार्मर सोचे होंगे, मैं तो बोलने आया था, लेकिन ट्रंप का जोक बन गए।

कई अन्य नेताओं को किया शर्मसारः ऐतिहासिक मध्य पूर्व का उदय भाषण में तंजः ट्रंप का भाषण मुख्य रूप से गाजा शांति समझौते पर केंद्रित था, जिसे उन्होंने मध्य पूर्व में ऐतिहासिक सवाना करार दिया। समझौते के तहत इजरायल-हमास के बीच कैदी-बंदी आदान-प्रदान और युद्धविराम पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें अमेरिका ने मध्यस्थता की। लेकिन भाषण के दौरान ट्रंप ने कई नेताओं पर तंज कसे।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी को ट्रंप ने कहा, आपने मिस्र को फिर से महान बनाया, लेकिन मेरी मदद के बिना यह संभव न था। सीसी ने मुस्कुराकर ताली बजाई, लेकिन कुछ विश्लेषकों ने इसे ट्रंप का क्रेडिट चोरी करार दिया।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को ट्रंप ने मेरा पुराना दोस्त कहा, लेकिन ये भी कहा कि तुम्हें मेरी सलाह माननी चाहिए थी, वरना यह युद्ध इतना लंबा न चलता। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को ट्रंप ने मिडिल ईस्ट का असली बॉस कहा, लेकिन तंज कसते हुए बोले, तुम्हारे पैसे से यह डील हुई,

35 लाख के पैकेज को मारी लात

घर-घर बनने वाली इस चीज को बनाया ब्रांड, अब 1.8 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली एजेंसी। ओडिशा के संबलपुर के सौरभ खंडेलवाल ने कमाल की कामयाबी हासिल की है। उनकी कहानी जुनून को हकीकत में बदलने की मिसाल है। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से ग्रेजुएट सौरभ ने 35 लाख रुपये सालाना के पैकेज को ठुकराकर अपने सपने को सच करने का फैसला किया। उनका दिल हमेशा से एक ऐसा ब्रांड बनाना चाहता था जिसे हर कोई जाने। सौरभ ने पाया कि ओडिशा का सबसे लोकप्रिय स्ट्रीट फूड दही-बड़ा आलू दम में ग्लोबल ब्रांड बनने की अपार क्षमता है। उन्होंने सड़क किनारे विक्रेताओं के साथ रहकर इस व्यंजन पर महीनों तक गहन शोध किया। कई शुरुआती झटकों के बाद सौरभ ने दहीबड़ा एक्सप्रेस ब्रांड की नींव रखी। अब यह 1.8 करोड़ का टर्नओवर पार कर चुका है। आइए, यहां सौरभ खंडेलवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कंधों पर जल्दी पड़ी गई परिवार की जिम्मेदारी

संबलपुर के रहने वाले सौरभ खंडेलवाल की यात्रा 2019 में भुवनेश्वर के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से स्नातक होने के साथ शुरू हुई। उनके सिर पर परिवार की जिम्मेदारी जल्दी आ गई थी। 12वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान ही उनके पिता का निधन हो गया था। ग्रेजुएशन के तुरंत बाद उन्होंने सर्विस इंडस्ट्री में नौकरी शुरू कर दी। लेकिन, उनके मन में हमेशा से अपना एक ऐसा बड़ा ब्रांड बनाने का जुनून था जिसे लोग पहचान सकें। छात्र रहते हुए उन्होंने जागृति यात्रा में हिस्सा लिया था। इसने उन्हें सफल उद्यमियों के साथ नेटवर्क बनाने और सीखने का मौका दिया। हालांकि, फूड बिजनेस में उनका शुरुआती प्रयास कोरोना महामारी और एक चक्रवात के कारण हुए नुकसान के चलते विफल रहा। उन्हें वापस नौकरी करनी पड़ी, जहां वह 35 लाख रुपये सालान का अच्छा वेतन कमा रहे थे।

नौकरी छोड़ने का लिया बड़ा फैसला

दिल्ली में आरामदायक नौकरी के बावजूद सौरभ बेचैन थे। 25 साल की उम्र में उन्होंने सोचा कि ब्रांड बनाने का जोखिम लेने का यही सही समय है, वरना शायद वह कभी सर्विस सेक्टर नहीं छोड़ पाएंगे। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ी और ओडिशा लौटकर स्थानीय भोजन पर रिसर्च शुरू की। उन्हें लगा कि ओडिशा का प्रसिद्ध दही बड़ा आलू दम में एक ग्लोबल ब्रांड बनने की बड़ी संभावना है। यह आमतौर पर सड़क किनारे बिना किसी स्वच्छता मानक के बेचा जाता है। इस व्यंजन की बारीकियों को समझने के लिए सौरभ ने एक महीने तक कड़ी मेहनत की। वह पूरे दिन दहीबड़ा चखते रहे, स्वाद और बनावट को समझा और यहां तक कि इसे बनाने का तरीका सीखने के लिए कुछ विक्रेताओं के घरों पर भी रहे। इस रिसर्च के दौरान दही खाने के कारण उन्हें गंभीर जुकाम हुआ। निमोनिया के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

अस्पताल के बिस्तर पर पड़े सौरभ ने महसूस किया कि दहीबड़ा की बहुत मांग है। इसे स्वस्थ, स्वच्छ तरीके से परोसने की एक बड़ी कमी है। उन्होंने इसे दुनिया का अपनी तरह का पहला दहीबड़ा ब्रांड बनाने का फैसला किया। दिसंबर 2022 में दुबई की यात्रा के दौरान उन्हें एक ओडिशा-मूल के निवेशक से 30 लाख रुपये का शुरुआती निवेश (सीड फंडिंग) मिला।

जनवरी 2023 में उन्होंने टीएचक्यू फूड एंड बेवरेजेस के तहत दहीबड़ा एक्सप्रेस की शुरुआत की। हालांकि, केवल छह महीनों में वित्तीय योजना की जानकारी न होने के कारण कंपनी का सारा कैश खत्म हो गया। निवेशक ने फंड देने से मना कर दिया और अपना पैसा वापस मांग लिया। सौरभ पूरी तरह टूट चुके थे। लेकिन, हार नहीं मानी। तभी उनके एक दोस्ते ने उन्हें फ्रेंचाइजी मॉडल शुरू करने का सुझाव दिया। सौरभ के दोस्त के सर्कुलेट किए गए दहीबड़ा एक्सप्रेस के एक वीडियो को 12 घंटे में 40 लाख व्यूज मिले। इसके कारण उन्हें फ्रेंचाइजी के लिए 3000-4000 कॉल आए।

बिकने जा रहा है प्राइवेट बैंक आरबीएल

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के बड़े प्राइवेट बैंकों में एक आरबीएल बिकने जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दूसरा सबसे बड़ा बैंक एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी इसे खरीदने के लिए आए आया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार यह बैंक आरबीएल में 15,000 करोड़ रुपये (करीब 1.7 अरब डॉलर) के बड़े निवेश के लिए अंतिम दौर की बातचीत कर रहा है। अगर यह सौदा पूरा हो जाता है तो एमिरेट्स एनबीडी आरबीएल बैंक में सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा और बैंक का नियंत्रण भी उसके पास आ जाएगा।

कैसे होगा यह निवेश

यह निवेश शेयर और वॉरंट के जरिए किया जाएगा, जिसे प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट कहते हैं। इसके बाद आरबीएल बैंक के 26 प्रतिशत अतिरिक्त शेयरों के लिए एक ओपन ऑफर भी लाया जाएगा। इस पूरे निवेश का मकसद बैंक को नई पूंजी देना है, ताकि उसकी वित्तीय स्थिति और मजबूत हो सके। आरबीएल बैंक का मौजूदा मार्केट कैप करीब 17,786.8 करोड़ रुपये है। जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तो उम्मीद है कि एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक के कुल इक्विटी पूंजी का 51 प्रतिशत हिस्सा अपने नाम कर लेगा। इस मौके की खबर के बाद आरबीएल के शेयर में तेजी आई है। पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में यह शेयर करीब 7 फीसदी चढ़ गया है। वहीं मंगलवार को भी इसमें उछाल आया। सोमवार को यह शेयर 290.15 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह तेजी के साथ 294 रुपये पर खुला। कुछ ही देर बाद इसमें 3 फीसदी से ज्यादा तक की तेजी आ गई और यह 299.65 रुपये पर पहुंच गया। सुबह 10-20 बजे यह शेयर करीब एक फीसदी की तेजी के साथ 292.80 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

इस मामले में बढ़ेगी यूएई के बैंक की ताकत

इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल के हफ्तों में बैंक के नियंत्रण में बदलाव के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस सौदे से एमिरेट्स एनबीडी बैंक की एशिया में मौजूदगी बढ़ेगी। साथ ही, यह भारत और पश्चिम एशिया के बीच तेजी से बढ़ते रेमिटेंस यानी पैसे भेजने के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने का एक बड़ा मौका होगा। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय, देश के कुल प्रवासी भारतीयों का लगभग आधा हिस्सा हैं। वित्तीय वर्ष 2024 में खाड़ी देशों से भारत भेजे गए 38.7 अरब डॉलर के रेमिटेंस में से आधा हिस्सा सिर्फ यूएई से आया था। यह भारत के लिए विदेशी पैसे भेजने का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।

एलजी के आईपीओ ने तो झोली भर दी, लेकिन इस महीने लिस्ट हुए 12 में 8 आईपीओ ने निवेशकों को रुला दिया

मुंबई, एजेंसी। आईपीओ या इनीशियल पब्लिक ऑफर में आप भी निवेश करते हैं तो यह खबर जरूर पढ़िए। इस महीने मतलब कि अक्टूबर में मेनबोर्ड पर लिस्ट हुए 12 में से आठ आईपीओ अब अपने इश्यू प्राइस (जारी मूल्य) से नीचे कारोबार कर रहे हैं। यह दिखाता है कि प्राइमरी मार्केट में भारी हलचल के बाद निवेशकों का उत्साह कम हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह सुस्त प्रदर्शन कुछ खास वजहों से है। जैसे कि बहुत ज्यादा कीमत पर आईपीओ लाना, रिटेल निवेशकों की कम भागीदारी और लिस्टिंग के बाद का उत्साह फीका पड़ जाना। इनके मुताबिक कई आईपीओ ने एग्रेसिव प्राइस सेट किया, जिसे बाजार ने नकार दिया। इस महीने लिस्ट हुए कुछ खास आईपीओ जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, उनमें ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स शामिल है। यह 8 अक्टूबर को 135 रुपये के इश्यू प्राइस पर लिस्ट हुआ था, लेकिन लिस्टिंग के समय ही इसे 40 प्रतिशत का भारी डिस्काउंट मिला। अब यह अपने इश्यू प्राइस से 27 प्रतिशत नीचे गिर गया है। ग्लॉटिस का आईपीओ 129 रुपये प्रति शेयर पर आया था और अब यह इश्यू प्राइस से 40 प्रतिशत नीचे है। वहीं, बीएमडब्ल्यू वेंचर्स 99 रुपये के इश्यू प्राइस से 35 प्रतिशत गिर गया है। वीवर्क मैनेजमेंट ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज फैबटेक टेक्नोलॉजीज, जिंकुशल इंडस्ट्रीज और पेस डिजिटेक भी अपने ऑफर प्राइस से नीचे चल रहे हैं, हालांकि इनमें गिरावट की मात्रा अलग-अलग है। अच्छी बात यह है कि टाटा कैपिटल कल लिस्ट होने के बाद थोड़ा ऊपर गया है।

विजय माल्या ने ब्रिटेन में दिवालियापन रद्द करने का आवेदन वापस लिया

लंदन एजेंसी। धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे विजय माल्या से जुड़ी एक अहम जानकारी ब्रिटेन से सामने आई है। भारत में वांछित विजय माल्या ने सोमवार को लंदन में होने वाली सुनवाई से पहले अपने खिलाफ दिवालियापन आदेश को रद्द करने के लिए दिया गया आवेदन वापस ले लिया। इसका मतलब है कि दिवालियापन ट्रस्टी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले बैंकों का संघ 69 वर्षीय किंगफिशर एयरलाइंस पर बकाया लगभग 1.05 बिलियन पाउंड के अनुमानित ऋण के भुगतान को हासिल करने के लिए परिसंपत्तियों की तलाश जारी रख सकेगा। बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म टीएलटी एलएलपी ने एक बयान में कहा, 卐विजय माल्या के दिवालियापन ट्रस्टी, उनकी दिवालियापन संपत्ति के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों की जांच और वसूली का काम बिना किसी बाधा के जारी रख सकेंगे।卐 माल्या ने यह कदम हाईकोर्ट के न्यायाधीश एंथनी मान की ओर से बैंकों के पक्ष में दिए गए फैसले के उठाया है। इसमें चार वर्ष से अधिक पुराने दिवालियापन आदेश को बरकरार रखा गया था। इस बीच, माल्या अपने वकीलों जैवाला एंड कंपनी के जरिए 2021 के दिवालियापन आदेश को रद्द करने के लिए याचिका दायर कर रहे थे। इसका आधार यह था कि बैंकों का कर्ज भारत में पहले ही वसूल किया जा चुका है। माल्या के खिलाफ एसबीआई और अन्य के मामले की सुनवाई मई 2018 से शुरू हुई है। उस दौरान डीआरटी के फैसले के आधार पर बैंकों को वैश्विक फ्रीजिंग आदेश दिया गया था। तब से इस मामले में कई सुनवाइयां हुई हैं। इसके बाद 26 जुलाई, 2021 को माल्या के खिलाफ दिवालियापन आदेश जारी किया गया।

एक दिन में 90 प्रतिशत टूट गया टाटा इनवेस्टमेंटका शेयर

मुंबई, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में मंगलवार सुबह तेज गिरावट दिखी। ऐसा लगा कि कंपनी के शेयर 90 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर मंगलवार को एनएसई पर 1015 रुपये के निचले स्तर पर जा पहुंचे। कंपनी के शेयर सोमवार को 9,949 रुपये पर बंद हुए थे। असल में टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में कोई गिरावट नहीं आई, बल्कि कंपनी के शेयर स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट पर ट्रेड कर रहे थे। स्टॉक स्प्लिट के प्राइस एडजस्टमेंट की वजह से यह गिरावट दिखी है। कंपनी ने 10 टुकड़ों में बांटा है अपना शेयर टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने अपने शेयर का बंटवारा किया है। कंपनी ने अपने शेयर को 1:10 के अनुपात में बांटा है। यानी, कंपनी ने अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है।

इस त्योहारी मौसम में 'संसार' लाए

इंदौर, एजेंसी। भारत में त्योहार केवल रीति-रिवाज़ निभाने का समय नहीं होते, बल्कि रिश्तों के फिर से करीब आने का अवसर होते हैं। यह वह मौसम है जब परिवार एक साथ बैठते हैं, पुराने दोस्त अचानक मिलने चले आते हैं और पड़ोसी चाय के एक प्याले पर घंटों हँसी-मज़ाक में डूब जाते हैं। ऐसे में घर को भी उसी आत्मीयता, उत्साह और रंगीनता से भरा होना चाहिए, वह स्वागत करने वाला, जीवंत और व्यक्तित्व से भरपूर होना चाहिए। अगर आप अपने घर को त्योहारी रंग-रूप देना चाहते हैं, तो इसका सर्वोत्तम उपाय संसार है। डी 'डेकोर समूह के अंतर्गत आने वाला यह गृह-सज्जा ब्रांड आपके घर को सादगी, गरिमा और गर्मजोशी से निखारने का सहज तरीका प्रदान करता है। इसके सुंदर कपड़े और सजावटी उत्पाद आपके घर में आकर्षण बढ़ाते हैं, बिना जगह को बोझिल बनाए। घर का बैठक कक्ष ;लिविंग रूमद्ध हर घर का दिल होता है। यहीं सबसे प्यारी यादें बनती हैं।

दिवाली के रंगों में सजा फैबइंडिया का नया स्वर्णिम 2025 कलेक्शन

मुंबई, एजेंसी।
रोशनी, स्नेह और उल्लास के इस मौसम में, फ़ैबइंडिया ने अपने स्वर्णिम दिवाली 2025 कलेक्शन पेश किया है। गहरे पर्पल और ब्लू शेड्स से बना यह कलेक्शन पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक डिज़ाइन के साथ जोड़ता है, जो त्योहार के दौरान पहनावे और उपहार दोनों के लिए उपयुक्त है। फ़ैबइंडिया के तैयार किये गए प्रत्येक पीस में भारतीय कारीगरी के प्रति प्रतिबद्धता झलकती है। यह कलेक्शन हस्तनिर्मित कपड़ों और बारीक हस्तकला को आधुनिक डिज़ाइन के साथ जोड़ता है साथ ही हमारे भारतीय विरासत को दर्शाता है जिसमे परंपरा और आधुनिकता का परिपूर्ण मेल है इस कलेक्शन को पूरे परिवार के लिए खास रूप से तैयार किया गया है, महिलाओं के लिए सुंदर कढ़ाईदार और प्रिंटेड कुर्ते, ट्यूनिक और सिल्क साड़ियाँ हैं; पुरुषों के लिए पारंपरिक स्पर्श के साथ बने मॉडर्न कट्स वाले कुर्ता और बंदगला जैकेट उपलब्ध हैं। बच्चों के आउटफिट जैसे स्कर्ट सेट और धोती-कुर्ता सेट को आराम और स्टाइल को ध्यान में रख के तैयार किया गया है फ़ैबइंडिया की फ़ैबहोम रेंज आपके घर को त्योहारी चमक देता है। हाथ से बने दीये, लैंप, कढ़ाईदार सिल्क कुशन, पीतल की थालियाँ आपके घर में आकर्षण बढ़ाते हैं। साथ ही ये उपहार देने के लिए भी एकदम उपयुक्त हैं, जो परंपरा और शान का सुंदर मेल दर्शाते हैं।

सूर्या रोशनी ने बढ़ाया अपना विस्तार

मालनपुर में वायर्स एंड केबल्स प्लांट का शुभारंभ

ग्वालियर, एजेंसी।
सूर्या रोशनी, जो लाइटिंग, फैन, होम एप्लायंसेज़, स्टील और पीवीसी पाइप्स के क्षेत्र में देश के सबसे विश्वसनीय और सम्मानित ब्रांड्स में से एक है, ने आज अपने नए वायर्स एंड केबल्स प्लांट का शुभारंभ किया। इस प्लांट का उद्घाटन श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, केंद्रीय संचार मंत्री एवं उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास मंत्री, तथा श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पूजा एवं हवन से हुई, जिसके बाद रिबन काटकर प्लांट का उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात अतिथियों ने नए प्लांट का दौरा किया और उसकी अत्याधुनिक तकनीक का अवलोकन किया। सूर्या रोशनी का यह नया प्लांट कंपनी की दीर्घकालिक विकास दृष्टि का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है और उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक एवं उपभोक्ता उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करना चाहती है। यह यूनिट अत्याधुनिक तकनीक और पूरी तरह ऑटोमैटिक मशीनरी के साज-सामान से युक्त है, जिससे देश और विदेश दोनों के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप वायर्स और केबल्स का निर्माण किया जाएगा। देश के केंद्र में स्थित मालनपुर प्लांट कंपनी के लिए एक रणनीतिक स्थान है, जिससे पूरे भारत के प्रमुख बाजारों को आसानी से सेवा दी जा सकेगी। यह न केवल उत्पादन क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और यह 'मेक इन इंडिया' पहल को भी मजबूत करेगा। जे. पी. अग्रवाल, चेयरमैन, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे गुणवत्ता और क्षेत्रीय विकास के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह नया प्लांट भारत की विद्युत संरचना को मजबूत बनाने में सहायक उच्च गुणवत्ता वाले वायर्स और केबल्स तैयार करेगा और स्थानीय स्तर पर नए अवसर उत्पन्न करेगा। राजू बिष्टा, प्रबंध निदेशक, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, यह उद्घाटन सूर्या की यात्रा में एक अहम पड़ाव है। पिछले पाँच दशकों में हमने भारत की विद्युत संरचना और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विविध क्षेत्रों में विस्तार किया है। अब वायर्स एंड केबल्स क्षेत्र में प्रवेश कर हम देश को विश्वसनीय, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले विद्युत समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कौस्तुभ कर्माकर, निदेशक, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट एक अत्याधुनिक, पूर्णतः एकीकृत सुविधा है जो उच्च गुणवत्ता वाले तैयार उत्पादों का निर्माण करेगी। वासुमित्र पांडे, सीईओ - लाइटिंग एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट हमारे निर्माण उत्कृष्टता और ग्राहक विश्वास के प्रति वचनबद्धता को दर्शाता है।

कोटक बिज़लैब्स ने भारत में 75 से अधिक साहसी स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए सीज़न 2 शुरू किया

मुंबई। आज कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम का दूसरा सीज़न शुरू किया। यह प्रोग्राम इसके मुख्य सीएसआर अभियान के तहत चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अरली स्टेज के स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, बाजार की पहुँच और पूंजी उपलब्ध कराना है। सीज़न 2, अक्टूबर 2025 से नवंबर 2026 तक चलेगा। इसमें भारत के 75 से अधिक स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान किया जाएगा, जो डीप-टेक, सस्टेनेबिलिटी, क्लीन एनर्जी, फिनटेक, डिजिटल टेक्नोलॉजी, एडटेक, एग्रीटेक और हैल्थटेक पर केंद्रित होगा। इस प्रोग्राम का विस्तार उत्तर भारत, दक्षिण भारत, पश्चिमी भारत और मध्य भारत में हो रहा है। आईआईटी दिल्ली का फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) इसका नया इनक्यूबेशन पार्टनर है। अन्य इनक्यूबेशन पार्टनर आईआईएमए वेंचर्स, एनएसआरसीईएल - आईआईएम बैंगलोर और टी-हब हैं। वेंचर्स के चयन और एक्सेलरेशन सपोर्ट का काम इनक्यूबेटर्स द्वारा संभाला जाएगा। कोटक महिंद्रा बैंक के हेड-सीएसआर एवं ईएसजी, हिमांशु निवरसरकर ने कहा, ''कोटक ने सदैव से भारत में उद्यमिता की भावना को अपना सहयोग देने में यकीन किया है। हम केवल मेट्रो शहरों में नहीं, बल्कि टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों को भी सहयोग देते हैं, जहाँ इनोवेशन का विकास हो रहा है। कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम के सीज़न 2 के साथ हम उन उद्यमियों को मदद देने की अपनी प्रतिबद्धता का विस्तार कर रहे हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का किया समर्थन

मुंबई, एजेंसी।
भारत की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर दो राष्ट्रीय अभियानों – प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान और विकसित कृषि संकल्प अभियान में सक्रिय भागीदारी की घोषणा की है। इन संयुक्त पहलों का उद्देश्य प्रमुख राज्यों – मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, तमिलनाडु और कर्नाटक – के किसानों को खरीफ मौसम के दौरान सशक्त और सहयोग प्रदान करना है। इसके ज़रिए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का लक्ष्य किसानों में फसल बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें आर्थिक रूप से मज़बूत बनाना और देशभर में टिकाऊ कृषि विकास को प्रोत्साहित करना है। मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान, जो 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, का उद्देश्य प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े हर किसान तक सीधे पहुंचना है। इस पहल के तहत किसानों को उनकी फसल बीमा पॉलिसी सीधे उनके घर पर सौंपी जाएगी, ताकि प्रक्रिया सरल और सुलभ बने। पॉलिसी वितरण के अलावा, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस फसल बीमा पाठशालाओं, महिला केंद्रित कार्यशालाओं जैसे व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा, जो किसानों को फसल बीमा योजनाओं के लाभों और कवरेज विवरणों के बारे में शिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से किसानों को दावे से संबंधित प्रक्रियाएं, आवश्यक दस्तावेज़ और समयसीमा के बारे में मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे किसी कठिन परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ दावा कर सकें और अधिकतम सहायता प्राप्त कर सकें।

विकसित कृषि संकल्प अभियान, जो 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारतीय कृषि में परिवर्तन लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अभियान किसानों में आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी बढ़ाने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक तरीकों को आधुनिक नवाचारों से जोड़ती हैं। सटीक खेती, स्मार्ट सिंचाई और फसल प्रबंधन पर ध्यान देते हुए यह अभियान किसानों को टिकाऊ समाधानों से परिचित कराएगा, जिससे उनकी उत्पादकता और आय स्थिरता दोनों में वृद्धि हो सके। इस अवसर पर श्री नवीन चंद्र झा, प्रबंध निदेशक और सीईओ, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कहा- पिछले नौ वर्षों से एसबीआई जनरल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का साझेदार होने का गौरव प्राप्त है। हमारा वचन केवल बीमा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर कदम पर किसानों को सुरक्षा और भरोसा प्रदान करना है। किसानों को जागरूकता, पहुँच और आत्मनिर्भरता से सशक्त बनाकर, हम उन्हें अनिश्चितताओं से आत्मविश्वास पूर्वक निपटने में मदद करते हैं। ज़मीनी स्तर पर सीधा संवाद और प्रमुख हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से हम किसानों की आजीविका की रक्षा, उनकी कमजोरियों को दूर करने और ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में ठोस प्रभाव डाल रहे हैं।

तारा सुतारिया और वीर पहड़िया की दिखी सिजलिंग केमिस्ट्री

● खूबसूरत रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर कंफर्म किया रिश्ता!

तारा सुतारिया ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने कथित बॉयफ्रेंड वीर पहड़िया के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं।

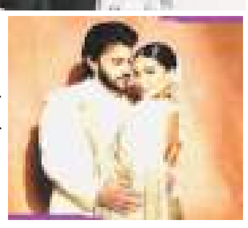

तारा और वीर की रोमांटिक तस्वीरों को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया को पब्लिक प्लेस पर अक्सर साथ देखा गया है। वहीं आज तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने अपनी कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों को धड़का दिया है। इस जोड़ी की लाजवाब केमिस्ट्री और त्यौहार की चमक फैंस को बेहद पसंद आ रही है।

तारा का पोस्ट

तारा ने अपनी और वीर की रोमांटिक तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, कल रात मेरे पटाखे के साथ...हमारे सबसे प्रिय के लिए @manishmalhotra 05, मेरा हमेशा पसंदीदा होस्ट..।

क्या राजकुमार राव के हाथ लगी एक और हॉरर कॉमेडी फिल्म?

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

लीड रोल को लेकर लग रहे कयास

इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज हुई थी बकासुरा रेस्टोरेंट

राजकुमार राव हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री और स्त्री 2 में अपने अभिनय का असर दर्शकों पर छोड़ चुके हैं। बकासुरा रेस्टोरेंट की बात करें तो यह फिल्म इसी साल अगस्त में रिलीज हुई।

एसजे शिवा द्वारा निर्देशित और लिखित यह एक तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसमें प्रवीण, जय कृष्णा, विवेक दंडु, अमर लथु, राम पाटस और शाइनिंग फणी जैसे कलाकार हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

जल्द पापा बनेंगे राजकुमार

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म मालिक में नजर आए। यह इस साल जुलाई में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। एक्टर की निजी जिंदगी की बात करें तो वे और पत्नी पत्रलेखा जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। कपल अपने पहले बच्चे के स्वागत को लेकर उत्साहित है।

विद्या बालन ने बताया

आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी। इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि किस्सों की चादर एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया। आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे आकर्षण का नियम कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं। प्रदीप सरकार की फिल्म परिणीता को कुछ समय पहले ही रिलीज हुए 20 साल पूरे हुए। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया था। यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म में विद्या बालन और सैफ अली खान की जोड़ी नजर आई थी।

अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी

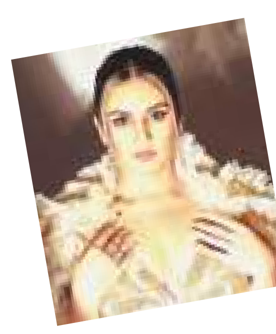

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर आने वाली बहुचर्चित सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा कुछ समय पहले की थी। अब इसका ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार कहानी बिहार की सीमाओं को पार कर सीधे दिल्ली की सियासत में दस्तक दे रही है। सीरीज की नायिका हुमा कुरैशी, यानी रानी भारती, अब बिहार की नहीं बल्कि देश की राजनीति को हिला देने की तैयारी में हैं। ट्रेलर में रानी कहती हैं- अगर आपने हमारे दुश्मन से हाथ मिलाया तो सिंहासन खींच लेंगे आपका।

कुब्रा सैत ने जीता दर्शकों का दिल-एक्ट्रेस ने साबित किया कि ईमानदारी, टैलेंट और 2025 की वर्सटिलिटी का परफेक्ट संगम हैं वो

2025 वाकई कुब्रा सैत के लिए एक यादगार साल साबित हुआ है। शाहिद कपूर की देवा में अहम भूमिका निभाने के बाद, अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2* में अपने मस्तीभरे और एनर्जेटिक अंदाज़ से दर्शकों को एंटरटेन करने वाली कुब्रा ने इस साल रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल में भी शानदार डेब्यू किया। शो में उनकी एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया। उनकी ईमानदारी, चार्म और आत्मविश्वास ने उन्हें सीज़न की सबसे एंटरटेनिंग और निडर पर्सनैलिटीज़ में से एक बना दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने काजोल के साथ द ट्रायल- सीज़न 2 में स्क्रीन शेयर की, जिससे उन्होंने एक बार फिर ये साबित कर दिया कि वो ड्रामा, ह्यूमर और रियलिज़्म के बीच बखूबी संतुलन बना सकती हैं। वाकई, 2025 कुब्रा के करियर का सुनहरा साल रहा है। हाल ही में कुब्रा सैत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक क्वेश्चन एंड आंसर (त्तऋ) सेशन रखा। सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा, आप इतनी अच्छी कॉमेडी और सीरियस रोल दोनों कैसे निभा लेती हैं?इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, कॉमेडी या सीरियस रोल अच्छा तभी बनता है जब स्क्रिप्ट अच्छी हो, तो एक और फैन ने पूछा, ट्रायल में आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा? वैसे, आप मेरी फेवरेट एक्टर हैं! कुब्रा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह थैंक यू! ये मेरा पहला दूसरा सीज़न था। बहुत मज़ा आया! एक अन्य फैन ने कुब्रा के मल्टी-फेसिटेड टैलेंट की तारीफ़ करते हुए लिखा, आप तो रॉकस्टार हैं! फिल्म्स, ह्रझ्झ, होस्टिंग और अब रियलिटी शो – कैसे मैनेज करती हैं सब कुछ?! कुब्रा ने अपने सिग्नेचर स्टाइल में जवाब दिया, मैं एक वॉल्केनो ऑफ टैलेंट हूं। ?? द ट्रायल सीज़न 2 में कुब्रा सैत ने फिर से अपने मशहूर किरदार सना शेख की भूमिका निभाई। पहले सीज़न में इस किरदार को दर्शकों से खूब प्यार मिला था, और दूसरे सीज़न में उन्होंने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से शो में एक नई एनर्जी और डायनमिक्स जोड़ दी। वहीं दूसरी ओर, द ट्रायल सीज़न 2 के अलावा कुब्रा सैत जल्द ही वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ है जवानी तो इश्क होना है में नज़र आने वाली हैं।

कृष्णा श्रॉफ़ का बोल्ड और एलीगेंट अंदाज़ लैक्मे फ़ैशन वीक में दिखीं असली कूट्योर क्वीन की झलक

लैक्मे फ़ैशन वीक में कृष्णा श्रॉफ़ ने अपने खास अंदाज़ और फ़ैशन-फ़ॉरवर्ड एलीगेंस के साथ सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। वे डिज़ाइनर जोड़ी शान्तनु और निकिल की बहुप्रतीक्षित पहली वुमेन्स कूट्योर लाइन 'ड्ढ्ढद्यशह्ल्ड्ड' (वेलोरा) के लॉन्च पर नज़र आईं। फैशन-प्रेमी फ़िटनेस आइकॉन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा ने वेलोरा कलेक्शन की ही एक शानदार ड्रेस पहनी थी – एक झिलमिलाती मेटालिक गाउन, जो आधुनिक ड्रामा और टाइमलेस सोफिस्टिकेशन का खूबसूरत संगम थी। यह स्ट्रैपलेस गाउन काले पंखों जैसे टेक्सचर वाले बॉडिस से शुरू होकर नीचे की ओर मेटालिक, चैनमेल-जैसे कपड़े में लहरातीहुई दिखी। जो हर कदम के साथ रोशनी को अद्भुत ढंग से प्रतिबिंबित कर रही थी। ऊपरी हिस्से की कोमल, लगभग जैविक बनावट और निचले हिस्से की कवच-सी चमक के बीच का यह विरोधाभास एक शक्तिशाली और ग्लैमरस दृश्य प्रस्तुत कर रहा था – जैसे किसी आधुनिक योद्धा की झलक और बेहद आकर्षक दोनों था। कृष्णा का स्टाइलिंग सेंस इस लुक को और भी ऊँचाई पर ले गया। उनके बालों को हल्के, उभरे हुए वेव्स में सेट किया गया था, जो उनके चेहरे को खूबसूरती से फ्रेम कर रहे थे – इस पूरे लुक में पुरानी हॉलीवुड-ग्लैमर की झलक देते हुए। मेकअप बेहद सटीक था – न्यूड लिप्स, शार्प कॉन्टूरिंग और सॉफ्ट आई मेकअप, ताकि पोशाक केंद्र में रहे, फिर भी उनकी प्राकृतिक सुंदरता उभरकर दिखे। इस लुक को पूरा किया लॉन्ग डायमंड ईयररिंग्स और चंकी बैंगल-स्टाइल ब्रेसलेट ने, जो गाउन के आर्किटेक्चरल डिज़ाइन के साथ सामंजस्य बिठाते हुए सही मात्रा में चमक जोड़ रहे थे। कुल मिलाकर यह लुक पावरफुल, परिष्कृत, बोल्ड और एलिगेंट था – वही संतुलन जो कृष्णा श्रॉफ़ के व्यक्तिगत स्टाइल को परिभाषित करता है। कूट्योर लाइन के इस लॉन्च पर कृष्णा की मौजूदगी वास्तव में 'ड्ढ्ढद्यशह्ल्ड्ड' कलेक्शन की आत्मा का प्रतीक थी। यह कलेक्शन उन महिलाओं के लिए है जो आत्मविश्वासी, निडर और प्रभावशाली हैं – और कृष्णा श्रॉफ़ इस विज़न की सटीक प्रतिनिधि साबित हुईं। इतने जटिल, बनावट-भरे परिधान को सहजता से, और अपने विशिष्ट उग्र भाव को बनाए रखते हुए, धारण करने की उनकी क्षमता ने साबित कर दिया कि वे एक फैशन शक्ति क्यों बन रही हैं।

ग्लैमर से पहले आस्था

कृति शेट्टी का तिरुपति में आध्यात्मिक पड़ाव, बालाजी के किए दर्शन

कृति शेट्टी को हाल ही में तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया, जहाँ उन्होंने शांति और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना की। जिसने प्रशंसकों का ध्यान खींचा। पारंपरिक पोशाक में और सादगी भरे अंदाज़ में नज़र आईं कृति ने अपने व्यस्त ग्लैमर जीवन से थोड़ा समय निकालकर दक्षिण भारत के सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक में आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी बढ़ती प्रसिद्धि के बावजूद ज़मीन से जुड़ी रहने वाली बॉलीवुड की अगली सुपर स्टार का यह शांतिपूर्ण मंदिर-दर्शन यात्रा ने सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों के दिलों को छू गया। अभिनेत्री की इस यात्रा की तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गईं, जहाँ कई लोगों ने उनकी सादगी और श्रद्धा की सराहना की। तिरुपति लंबे समय से अनेक कलाकारों के लिए एक पवित्र पड़ाव रहा है – विशेषकर तब, जब वे किसी बड़े व्यक्तिगत या पेशेवर मोड़ की ओर बढ़ते हैं। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कृति ने बिना किसी दिखावे के पूजा की और मंदिर में कुछ पल शांत वातावरण में बिताए, जिसके बाद वे अपने व्यस्त शेड्यूल की ओर लौट गईं। कार्य के मोर्चे पर, कृति शेट्टी भारतीय फ़िल्म जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाती जा रही हैं। दिसंबर उनके लिए बेहद अहम साबित होने वाला है, क्योंकि इसी महीने उनकी तीन बड़ी फ़िल्में – वा वथियार, लव इंश्योरेंस कंपनी और जीनी – की रिलीज़ की तैयारी कर रही है, जो एक ही महीने में सिनेमाघरों में रिलीज़ होंगी। अपने करियर के इस निर्णायक पड़ाव पर कृति शेट्टी पूरी तरह अपनी आस्था और एकाग्रता में संतुलित नज़र आ रही हैं।

कैसी जिंदगी जीना चाहती हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने कथित रूमर्ड बॉयफ्रेंड राज निदिमोरु के साथ लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच सामांथा ने अपनी लाइफ को कैसे जीना चाहिए। इसको लेकर एक खास पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ ही सामंथा ने कैप्शन में अपने विचार, शब्द और काम उनके सबसे अच्छे व्यक्तित्व के बारे में बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि शांत पलों में उन्हें यह समझ आया कि वह इसे सिर्फ कहने की बजाय जीना चाहती हैं।

सामांथा के शेयर किए खूबसूरत पल

उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं, जिनमें वह पूजा करती, जिम में व्यायाम करती और अपने कुत्तों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह नारंगी रंग का सूट पहने पूजा करती दिखीं। सामंथा के इस पोस्ट को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सामांथा के फैंस उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं।

सामंथा का हालिया पोस्ट

पिछले हफ्ते सामंथा ने बताया कि एक उद्धरण ने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा, आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा जो आपको परेशान करती हैं। इससे उनकी जिंदगी आसान हुई और वह दूसरों को भी इसे आजमाने की सलाह देती हैं। सामंथा ने स्कूल से सीखी बातों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि सहानुभूति और दयालुता जैसे गुण उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये जीवन में बहुत काम आते हैं।

अमन सहरावत ने गलती स्वीकारी

● डब्ल्यूएफआई से प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का अनुरोध, बताया वजन कम न कर पाने का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत ने सोमवार (13 अक्टूबर) को भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा उन पर लगाए गए एक साल के प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। सहरावत को जगरेब में विश्व चैंपियनशिप में मुकाबले से पहले वजन कम करने में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया है। शुरुआती मुकाबले से पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक था। भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी। इस पहलवान ने कहा कि वह डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करेंगे और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे।

मेरी पहली गलती है, मैं इसे दोहराऊंगा नहीं- सहरावत ने 2024 पेरिस खेलों में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने के लिए 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद कहा, ''मैं उनसे (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष) मुलाकात कर यह अनुरोध करूंगा। यह मेरी पहली गलती है, मैं इसे दोहराऊंगा नहीं।''

सहरावत को कारण बताओ नोटिस- डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर को सहरावत से चूक के लिए स्पष्टीकरण मांगते हुए कारण बताओ नोटिस दिया था। महासंघ ने कहा था कि 29 सितंबर को जमा किए गए उनके जवाब को अनुशासनात्मक समिति ने 'असंतोषजनक' पाया। सहरावत ने कहा कि स्पर्धा से एक दिन पहले अचानक पेट दर्द शुरू होने के कारण वह और वजन कम करने का प्रयास जारी नहीं रख पाए।

अचानक मेरे पेट में दर्द होने लगा

अमन सहरावत ने कहा, ''मैंने स्पर्धा एक सप्ताह पहले वजन कम करना शुरू कर दिया था। जब एक दिन बचा था, तब मेरा 600-700 ग्राम (अधिक) वजन रह गया था। यह जिम में आखिरी सेशन था। मेरे पास (कम करने के लिए) 600 ग्राम बचा था।'' उन्होंने कहा, ''मैं अभ्यास कर रहा था लेकिन अचानक मेरे पेट में दर्द होने लगा। मैं सीधे अपने कमरे में चला गया। मैंने सुबह चार बजे उठने की योजना बनाई थी लेकिन पेट का दर्द रात में फिर से बढ़ गया और कुछ दवा लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हुआ।''

शुभमन गिल का बड़ा बयान

रोहित-विराट से बस इतना चाहता हूं

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खत्म होते ही टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल की निगाहें अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जम गई है. ऑस्ट्रेलिया दौरे की टीम में चुने किस खिलाड़ी से गिल को क्या चाहिए, इस बारे में भी उन्होंने अपने इरादे जताने शुरू कर दिए हैं. वेस्टइंडीज के खिलाफ पोस्ट मैच प्रजेन्टेशन में शुभमन गिल से विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल हुआ, जिसके जवाब में उन्होंने बताया कि बतौर कप्तान उन दोनों सीनियर खिलाड़ियों से उन्हें क्या चाहिए? गिल का ये जवाब एक तरह से रोहित और विराट के लिए टीम के कप्तान की तरफ से क्लियर मैसेज की तरह भी है. **गिल ने रोहित-विराट से की कौन सी डिमांड?-** अब सवाल है कि शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित-विराट से किस चीज की डिमांड की? उन्होंने पहले तो कहा कि हर कप्तान अपनी टीम में रोहित-विराट जैसा खिलाड़ी चाहता है, जिसके पास 10-15 सालों का अनुभव हो. गिल ने आगे कहा कि मैं उन दोनों को अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए देखना चाहता हूं. मैं बस चाहता हूं कि वो मैदान पर उतरकर बस अपना बेस्ट दें. उनका जादू चलता दिखे. भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसके लिए टीम दिल्ली से 15 अक्टूबर को रवाना होगी. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को 3 वनडे की सीरीज खेलनी है. रोहित -विराट दोनों ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की देख रहे हैं. ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दौरे को उनके लिए बड़े मौके की तरह है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में उनका परफॉर्मेन्स ये फैसला करेगा कि उनका करियर किस करवट लेगा.

भारत बनाम वेस्टइंडीज

दिल्ली टेस्ट में 7 विकेट से जीत

● टीम इंडिया ने किया सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप

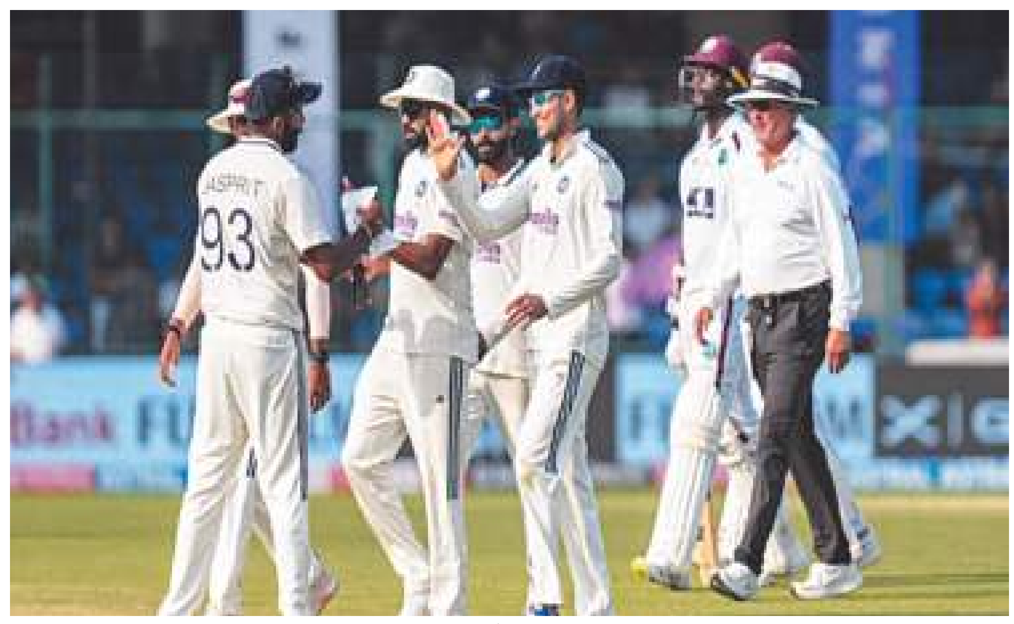

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से मात देकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। भारत को जीत दिलाने में शतकवीर यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल के साथ मुकाबले में कुल 8 विकेट हासिल करने वाले कुलदीप यादव का अहम योगदान रहा। मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जोमेल वारिकन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। इसके जवाब में वेस्टइंडीज पहली पारी में महज 248 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए एलिक एथनाज ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, जबकि शाई होप ने 36 रन टीम के खाते में जोड़े। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 5 सफलताएं हासिल कीं। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट निकाले।

इसी के साथ भारत ने पहली पारी के आधार पर 270 रन की विशाल बढ़त हासिल करते हुए मेहमान टीम को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया। दूसरी पारी में खराब शुरुआत के बाद वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल (115) और शाई होप (103) ने संभाला। इनके अलावा, जस्टिन इमलाच ने नाबाद 50 रन बनाकर टीम को 390 रन तक पहुंचाया।

इस पारी में भारत की तरफ से कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 सफलताएं हासिल कीं। मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट निकाले।

भारत को जीत के लिए 121 रन का आसान टारगेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने महज 9 रन पर यशस्वी जायसवाल (8) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़ते हुए टीम को जीत के करीब ला दिया, लेकिन साई सुदर्शन (39) के आउट होने के बाद शुभमन गिल (13) के रूप में टीम ने जल्द दो अन्य विकेट गिरा दिए। यहां से केएल राहुल ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। राहुल 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 58 रन बनाकर नाबाद रहे। इस पारी में वेस्टइंडीज के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि जोमेल वारिकन ने 1 विकेट निकाला। भारत ने अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले मैच को पारी और 140 रन से अपने नाम किया था।

खिलाड़ियों को मैनेज और टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात : शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। गिल को इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट की कप्तानी सौंपी गई थी, जहां टीम इंडिया ने 2-2 से सीरीज ड्रॉ करवाई। इसके बाद गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया है। गिल ने कप्तानी को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना, इस टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है। यह किसी भी परिस्थिति में सही विकल्प चुनने के बारे में है। मैं

उस स्थिति में सबसे संभावित निर्णय लेने की कोशिश करता हूं जिसमें हम उस खेल में होते हैं। कभी-कभी आपको एक साहसिक निर्णय लेना पड़ता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन लागू करने पर कहा, हम लगभग 300 रन (270 रन) आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश रेड्डी को सीरीज में भरपूर मौके दिए जाने पर कप्तान गिल ने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी सिर्फ विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी मदद कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। इस सीरीज में गिल ने 50, 129* और 13 रन की पारी खेली। गिल ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं।

डिकॉक से पहले इन क्रिकेटरों ने भी संन्यास से लिया यू-टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने वनडे और टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट वापस ले लिया है. डिकॉक ने 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में आखिरी वनडे मैच खेला था, उसके बाद संन्यास ले लिया था. वहीं उन्होंने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में खेला और वनडे के तरह टी20 इंटरनेशनल से भी रिटायरमेंट ले लिया था. डिकॉक एक बार फिर से साउथ अफ्रीका के लिए वाइट बॉल फॉर्मेट में खेलने लगे हैं. हालांकि, उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट से अभी भी संन्यास वापस नहीं लिया है. क्विंटन डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका की टी20 इंटरनेशनल और वनडे में शामिल कर लिया गया है. डिकॉक ने अब तक 155 वनडे मैचों में 45.74 की औसत और 96.64 के स्ट्राइक रेट से 6770 रन बनाए हैं. डिकॉक को पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में चुना गया है. वहीं वह टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए भी दक्षिण अफ्रीकी टीम में चयन कर लिया गया है. उन्होंने 92 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 2584 रन बनाए हैं.

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट

ध्रुव जुरेल ने रचा इतिहास

● ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने इतिहास रच दिया है। वह पहले भारतीय क्रिकेटर बने हैं जिन्होंने अपने करियर के पहले 7 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2013 में अपने पहले 6 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की थी। जुरेल ने भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू 15 फरवरी 2024 को राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ किया था, जिसमें रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने रिकॉर्ड 434 रनों से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने रांची और धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशः 5 विकेट और एक इनिंग और 64 रनों से जीत दर्ज की।

ध्रुव जुरेल के पहले 7 टेस्ट और नतीजे

● बनाम इंग्लैंड, 434 रनों से जीत, राजकोट, 15-18 फरवरी, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, 5 विकेट से जीत, रांची, 23-26 फरवरी, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, एक इनिंग और 64 रनों से जीत, धर्मशाला, 7-9 मार्च, 2024 ● बनाम ऑस्ट्रेलिया, 295 रनों से जीत, पर्थ, 22-25 नवम्बर, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, 6 रनों से जीत, द ओवल, 31 जुलाई-4 अगस्त, 2025 ● बनाम वेस्ट इंडीज, एक इनिंग और 140 रनों से जीत,अहमदाबाद 2-4 अक्टूबर, 2025 ● बनाम वेस्ट इंडीज, 7 विकेट से जीत दिल्ली, 10-14 अक्टूबर, 2025

जुरेल अब अगले मैचों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की अ श्रृंखला में टीम इंडिया के लिए खेलते नजर आएंगे। 24 वर्षीय खिलाड़ी को शुबमन गिल की कप्तानी में ओडीआई टीम में बैकअप विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना गया है।

सुल्तान ऑफ जोहर कप

भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच होगा मैच

● पीएचएफ ने खिलाड़ियों को दी यह सलाह

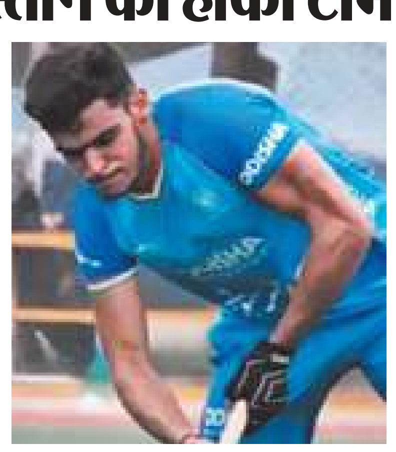

लाहौर, एजेंसी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच मंगलवार को सुल्तान जोहोर कप का मुकाबला होना है। दोनों टीमों के बीच यह मैच मलयेशिया के जोहर बाहरू में होगा। इससे पहले ही पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने अपनी टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है। दरअसल, पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख चल रहे हैं और इसका असर मैदान पर भी देखने मिला है।

टकराव से बचने कहा - पीएचएफ ने अपने खिलाड़ियों से भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचने की सलाह दी है। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है। पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी।

रणजी 2025-26

ऋषभ पंत की वापसी और नए सितारे होंगे मुख्य आकर्षण का केंद्र

बेंगलुरु, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के 91वें संस्करण का आज बुधवार से होने जा रहा है, जिसमें ऋषभ पंत की संभावित वापसी और कई नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उभरना मुख्य आकर्षण हैं। इस सीजन में अनुभवी खिलाड़ियों की प्रासंगिकता पर भी सवाल खड़े होंगे। भारत के टेस्ट कैलेंडर और घरेलू क्रिकेट में संतुलन बनाए रखने के इस मौके पर युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

पंत की वापसी का इंतजार- जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद पंत मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है, लेकिन अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

नए युवा सितारे तैयार- इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों पर निगाहें हैं, जो अपनी शानदार शुरुआत को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं। आर स्मरण (कर्नाटक), आंद्रे सिद्धार्थ (तमिलनाडु), यश ढुल और प्रियांश आर्य (दिल्ली), वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे (मुंबई) और दानिश मालेवार (विदर्भ) जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी में दम दिखा सकते हैं। गेंदबाजी में हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह नई चुनौतियों का सामना करेंगे।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

संक्षिप्त समाचार

25 साल बाद शुभांगी अत्रे लौटीं अपने गांव

मुंबई, एजेंसी। एण्डटीवी के शो 'भाबीजी घर पर हैं' में प्यारी अंगूरी भाबी का किरदार निभा रहीं शुभांगी अत्रे ने 25 साल बाद अपने पुराने गांव का दौरा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने सफ़र की झलक साझा की, जिसमें खेतों की हरियाली, पास का मंदिर और परिवार के साथ बिताए खास पल दिखाए गए। शुभांगी अत्रे उर्फ अंगूरी भाबी ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, 25 साल बाद इंदौर के अपने गांव लौटना ऐसा था जैसे मैंने कुछ ही पलों में मेरा पूरा बचपन फ़िर से जी लिया। हर गली, हर कोना अपनी एक कहानी कह रहा था। वही पुल जहाँ मैं खेला करती थी, वही मंदिर जहाँ मैं बचपन में पूजा किया करती थी, और अपने पुराने दोस्तों और परिवार से मिलना– सब कुछ बहुत ही जादुई और भावुक अनुभव था। यह मुझे मेरी मासूमियत और सादगी की याद दिलाता है, जिसने आज की मेरी पहचान बनाई। समय जैसे थम गया और बचपन की सारी यादें एकदम ताज़ा हो गईं। अपने गांव लौटना मेरे लिए दिल को शांति और खुशियों से भर देने वाला अनुभव था।

गंगा माई की बेटियां जिंदगी का आईना दिखाती है: अमनदीप

मुंबई, एजेंसी। ज़ी टीवी के दिलचस्प फैमिली ड्रामा गंगा माई की बेटियां को वाराणसी के खूबसूरत घाटों के बीच महिलाओं की हिम्मत और जज़्बे को दिखाने के लिए सराहा गया है। इस कहानी के केंद्र में है स्नेहा, जिसे अमनदीप सिद्धू ने निभाया है – गंगा माई (शुभांगी लाटकर) की बहादुर, समझदार और बेहद आत्मनिर्भर बेटी। इस बातचीत में अमनदीप बताती हैं कि उन्होंने स्नेहा के किरदार को कैसे जिया, उसके लिए क्या तैयारी की और क्यों उन्हें लगता है कि गंगा माई की बेटियां जैसी कहानियां आज भी दर्शकों के लिए प्रेरणा और सोच बदलने का जरिया बन सकती हैं। गंगा माई की बेटियां सिर्फ कहानी नहीं सुनाती, बल्कि जिंदगी का आईना दिखाती है। इस शो की खासियत यही है कि यह एक अकेली मां और उसकी बेटियों की कहानी के जरिए इन मूल्यों का जश्न मनाता है। मुझे इसमें उन कई महिलाओं की झलक दिखती है जो अपने जीवन में रोज मजबूती से खड़ी रहती हैं – चाहे वो परिवार में हों।

कबूतरों के चलते हुआ गजब खेला

मुंबई, एजेंसी। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने बीएमसी के दादर उपनगर में कबूतरखाना और मुंबई के अन्य कबूतर–खिलाने की जगहों को बंद करने के खिलाफ हथियार उठाने की धमकी दी थी। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि उनका इरादा शांतिपूर्ण तरीके को लेकर था। अब जैन समुदाय ने अपने राजनीतिक दल 'शांतिदूत जनकल्याण पार्टी' की घोषणा की है, जिसका चिह्न कबूतर रखा गया है। यह कदम लंबे समय से टल रहे बीएमसी चुनावों से पहले उठाया गया है। ऐसे में मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। बीएमसी भारत की सबसे धनी नागरिक संस्था है। यहां 2017 के बाद से चुनाव नहीं कराए गए हैं। मुंबई में जैन समुदाय की अच्छी–खासी संख्या है। यह नई पार्टी कई वार्डों में मतों को प्रभावित कर सकती है या कम से कम वोटों का बंटवारा कर सकती है। बीएमसी फिलहाल किसी भी निर्वाचित राजनीतिक दल के नियंत्रण में नहीं है। इसे राज्य की ओर से नियुक्त प्रशासक ऑपरेट कर रहे हैं। मालूम हो कि जैन भारत की आबादी का केवल 0.4% हैं। वे अपनी अहिंसा और सभी जीवों के प्रति करुणा के लिए जाने जाते हैं। कबूतरों को खाना खिलाने पर जुलाई में जब बीएमसी ने कबूतरों को खाना खिलाने पर प्रतिबंध की घोषणा की, तो समुदाय ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया। दादर के कबूतरखाने में जैन समुदाय की ओर से हजारों कबूतरों को रोजाना खाना खिलाया जाता था, उसे पक्षियों को बैठने से रोकने के लिए ग्रे तिरपाल से ढक दिया गया। इसके बाद भी, समुदाय के सदस्यों ने उस स्थान के आसपास कबूतरों को खाना खिलाना जारी रखा। कबूतर स्वभाव से मजबूत पक्षी माने जाते हैं। ये आसपास की छतों पर चले जाते हैं। उनके मल से त्वचा रोग फैलने का खतरा रहता है। इनसे घरों, कारों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी की शिकायत की जाने लगी। इस बीच, जैन समुदाय ने कबूतरखाना के आसपास की सड़कों पर कबूतरों को खाना खिलाना जारी रखा। यह मुद्दा जल्द ही राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गया। मुंबई में श्वेतांबर और दिगंबर जैन दोनों रहते हैं। कबूतरों के मुद्दे पर दोनों संप्रदायों में एकता देखी गई। इस तरह शांतिदूत जनकल्याण पार्टी अस्तित्व में आई।

25 साल पहले खुद के लगाए पेड़ को काटे जाने पर फूट-फूटकर रोई 90 साल की महिला

खैरागढ़, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें 25 साल पहले खुद के हाथों लगाए गए पीपल के पेड़ को काटे जाने पर 90 साल की एक महिला फूट-फूटकर रो रही है। वीडियो वायरल होने के बाद इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

छत्तीसगढ़ में एक बुजुर्ग महिला द्वारा 25 साल पहले लगाए गए पीपल के पेड़ को अवैध रूप से काटे जाने पर विलाप करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सर्रागोंडी गांव के बाहरी इलाके में सड़क किनारे सरकारी जमीन पर खड़े इस पेड़ को 5 अक्टूबर की रात को काटा गया था।

इस वीडियो में 90 साल की महिला देवला बाई पटेल पेड़ के कटे हुए टुकड़े पर सिर रखकर विलाप करती नजर आ रही हैं। इसे सोशल मीडिया पर कई लोगों ने शेयर किया है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने हैशटैग 'एक पेड़ मां के नाम' के साथ वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि यह बहुत ही हृदय विदारक दृश्य है। एक बुजुर्ग महिला उस पीपल के पेड़ को काट दिए

जाने पर फूट-फूट कर रो रही है जिसे उसने 20 साल पहले लगाया था। मुझे बताया गया है कि यह छत्तीसगढ़ राज्य में हुआ है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण प्रमोद पटेल द्वारा 6 अक्टूबर को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर इमरान मेमन और प्रकाश कोसरे को इसके लिए गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि मेमन ने हाल ही में बगल की कृषि भूमि खरीदी थी। वह सड़क तक पहुंच बनाने के लिए पेड़ को हटाना चाहता था। 5 अक्टूबर को उसने पेड़ काटने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों के कड़े विरोध के कारण ऐसा नहीं कर सका। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर रात में पेड़ काट दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने जिस कटर मशीन का इस्तेमाल किया था, उसे पास की नदी में फेंक दिया। उसे निकालने के लिए गोताखोरों को लगाया गया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) और 238 (अपराध के सबूतों को मिटाना या अपराधी को छुपाने के लिए झूठी जानकारी देना) के अलावा सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। स्थानीय निवासी रामावतार साहू ने बताया कि देवला बाई ने लगभग 25 साल पहले यह पेड़ लगाया था। साहू ने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि यह पेड़ स्थानीय समुदाय के लिए एक पवित्र स्थल बन गया था और पास में ही कुछ मंदिर भी बन गए थे। उन्होंने बताया कि पेड़ के काटे जाने की खबर सुनकर देवला बाई वहां पहुंचीं और रो पड़ीं। बाद

फरीदाबाद के एक घर में एलपीजी सिलेंडर फटा, धमाके से गिरी छत; 2 महिलाएं और 2 बच्चे घायल

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद की जवाहर कॉलोनी में सोमवार रात एक घर में खाना बनाते समय रसोई में रखा एलपीजी गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि मकान की छत तक गिर गई। हादसे में दो महिलाएं और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए बीके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक बच्चे की हालत नाजुक बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, जवाहर कॉलोनी में रोहित नामक व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों के साथ किराये पर रहता है। मकान मालिक राजीव ने बताया कि सोमवार की रात रोहित की पत्नी पारुल (33) रसोई में खाना बना रही थी, तभी अचानक गैस सिलेंडर फट गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि मकान की दोनों कमरों की छतें गिर चुकी थीं।

छत गिरने से पारुल (33), नेहा (30), अनीता (2) और दवांग (2) मलबे के नीचे दब गए। लोगों ने तुरंत सभी को बाहर निकालकर बीके अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, बच्चे दवांग की हालत नाजुक बनी हुई है। उधर, पुलिस का कहना है कि सिलेंडर फटने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रेरणादायक संदेश

आस्था आंतरिक ऊर्जा का एक स्रोत है : अशोक कुमार सिंह

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

बख्तियारपुर (पटना)। धर्म और आध्यात्म के प्रति आस्था हमारी आंतरिक ऊर्जा का एक सशक्त स्रोत है। आस्था हमारे अंतर्मन को झंकृत कर सदैव सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। उक्त बातें पटना जिलांतर्गत बख्तियारपुर प्रखंड के करनौती ग्राम निवासी प्रगतिशील किसान व स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज (सक्तेशगढ़ आश्रम,चुनार, मिर्जापुर,उप्र.) के अनन्य भक्त अशोक कुमार सिंह ने कही।

श्री सिंह सोमवार (13 अक्टूबर, 2025) को अपने आवास पर पूर्वांचल सूर्य के न्यूज एडिटर नवल किशोर सिंह से बातचीत कर रहे थे।

इस क्रम में श्री सिंह ने धार्मिक-आध्यात्मिक विषयों पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा कि ?आस्था,धर्म और आध्यात्म का प्रभाव हमारे जीवन पर बहुत गहरा होता है। ये तीनों पहलू हमारे जीवन को आकार देते हैं और हमारी सोच, व्यवहार, और मूल्यों को प्रभावित करते हैं।

आस्था हमें एक दिशा देती है। हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाती है। जब हम किसी उच्च शक्ति या सिद्धांत में विश्वास करते हैं, तो हमें जीवन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरणा आस्था से ही मिलती है। आस्था हमें कठिन समय में सहारा देती है और हमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है।

धर्म का प्रभाव-श्री सिंह ने कहा कि धर्म हमें नैतिकता और मूल्यों की शिक्षा देता है। यह हमें अच्छे और बुरे के बीच का अंतर सिखाता है और हमें समाज में एक जिम्मेदार

नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। धर्म हमें आत्म-नियंत्रण और अनुशासन की महत्ता सिखाता है और हमें अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ने में मदद करता है।

आध्यात्म का प्रभाव-उन्होंने कहा कि आध्यात्म हमें अपने अंदर की शक्ति को पहचानने में मदद करता है। यह हमें आत्म-ज्ञान और आत्म-विकास की ओर ले जाता है और हमें अपने जीवन के उद्देश्य को समझने में सहायता करता है। आध्यात्म हमें शांति और संतुष्टि की अनुभूति कराता है और हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

इसलिए हमें इन तीनों पहलुओं को अपने जीवन में महत्व देना चाहिए और इन्हें आत्मसात कर अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए, तभी जीवन की सार्थकता साबित होगी। उन्होंने खासकर युवा पीढ़ी को धर्म-आध्यात्म से जुड़े रहने की अपील की।

सुशांत सिंह राजपूत के जीजा ओपी सिंह बने हरियाणा के डीजीपी, शत्रुजीत कपूर की छुट्टी के बाद मिला चार्ज

चंडीगढ़, एजेंसी। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन सिंह की खुदकुशी मामले में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को रातोंरात छुट्टी पर भेज दिया गया है। वहीं उनकी जगह पर एडीजीपी रैंक के सीनियर आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। ओपी सिंह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। वह हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन और एफएसएल मधुबन के निदेशक का कार्यभार संभाल रहे थे। अब उन्हें अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पुलिस ने इस मामले में डीजीपी समेत उन सभी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है जिनके नाम सुसाइड नोट में लिखे थे। गौरतलब है कि वाई.पूरन कुमार 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और रोहतक के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) के पद पर तैनात थे। उन्होंने 7 अक्टूबर को कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। उनके आठ पन्नों के सुसाइड नोट में 13 वरिष्ठ अधिकारियों के नाम शामिल थे, जिन पर उन्होंने उत्पीड़न और करियर को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए थे। इनमें सबसे अधिक आरोप डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी पर थे। इस मामले में पूर्व रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारनिया को शनिवार को पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह सुरिंदर सिंह भोरिया को रोहतक का नया एसपी नियुक्त किया गया है। फिलहाल बिजारनिया को कोई नया पद नहीं दिया गया है। डीजीपी शत्रुजीत कपूर को जांच पूरी होने तक छुट्टी पर भेजा गया है। इसके अलावा, चंडीगढ़ पुलिस ने वाई. पूरन कुमार की पत्नी से उनका लैपटॉप भी जांच के लिए

हरियाणा रोडवेज की बस में सवारी अपने साथ ले जा सकेंगी पालतू कुत्ते; कितनी होगी टिकट

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रोडवेज की बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर है। अब यात्री टिकट लेकर अपने पालतू कुत्ते के साथ भी बसों में यात्रा कर सकेंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ जरूरी नियमों का पालन करना होगा। परिवहन विभाग ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। नियमों के अनुसार, अपने पालतू कुत्ते के साथ सफर करने वाले यात्री को कुत्ते के लिए दो वयस्कों के बराबर टिकट लेनी होगी। यह शुल्क कुत्ते के सीट ऑक्यूपाई करने या अन्य यात्रियों को असुविधा न होने देने के लिए निर्धारित किया गया है। रोडवेज की बसों में केवल छोटे पालतू कुत्तों को ही यात्री अपने साथ यात्रा करवा सकते हैं। बड़े पालतू कुत्तों को बसों में सफर करने की मनाही है, ताकि यात्रियों के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो। यात्रियों को मेडिकल दस्तावेज भी साथ में रखना होगा ¬ यात्रा के दौरान यात्री को कुत्ते से संबंधित कुछ अनिवार्य दस्तावेज भी अपने साथ रखने होंगे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कुत्ते के मुंह पर मास्क (मजल) का लगा होना। इसके अलावा, यात्री को कुत्ते का एंटी-रेबीज टीकाकरण का प्रमाणपत्र सहित सभी मेडिकल कागज भी साथ रखने होंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि कुत्ता स्वस्थ है और सह-यात्रियों के लिए कोई खतरा नहीं है। रोडवेज ने चेतावनी दी है कि यदि कोई यात्री बिना नियमों का पालन किए पालतू कुत्ते के साथ सफर करता पाया जाता है, तो कंडक्टर के साथ यात्री पर भी जुर्माना लगाया जाएगा, जो टिकट का दस गुना होगा। ये नियम यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं। यात्री अब नियमों के अनुसार ही रोडवेज की बसों में पालतू कुत्तों को अपने साथ ले जा सकते हैं। इससे कुत्ता पालने वाले लोगों को अब आवागमन करने में न सिर्फ सहूलियत होगी।

आरएसएस के ऊपर बैन लगाने की मांग पर सिद्धारमैया का ऐक्शन, मुख्य सचिव को जारी किए गए निर्देश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगाने की चर्चा गरमाई हुई है। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव को सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने एक दिन पहले सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा थी। इसमें पूरे कर्नाटक में सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में ऋस्स् की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग रखी गई। खरगे ने दावा किया था कि ऐसी गतिविधियां भारत की एकता और संविधान के खिलाफ हैं।

सिद्धारमैया ने एक सवाल के जवाब में सोमवार को कहा, प्रियांक खरगे ने पत्र लिखा है। उन्होंने

कहा है कि आरएसएस सरकारी परिसरों का इस्तेमाल कर रहा है और उसे रोकने के लिए वही किया जाए, जो तमिलनाडु सरकार ने किया है। मैंने मुख्य सचिव से तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने के लिए कहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक ने 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कुछ आरोप लगाए थे। इसमें कहा गया कि आरएसएस सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं। प्रियांक खरगे ने यह भी कहा कि आरएसएस दुनिया का सबसे गुप्त संगठन है, जिसने खुद को रजिस्टर्ड नहीं कराया है, लेकिन फिर भी उसे सैकड़ों करोड़ रुपये का धन मिलता है। मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह दुनिया का सबसे गोपनीय संगठन है। इतनी गोपनीयता क्यों। ये लोग कौन हैं। आरएसएस प्रमुख के संबोधन का सीधा प्रसारण क्यों होना चाहिए? उनका योगदान क्या है? वे मुझे अपने 100 साल के इतिहास में अपने दस योगदान बताएं।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा

लड़की को अगवा करने की कोशिश, साथ नहीं रहने पर तेजाब से जलाने की धमकी

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक लड़की को अगवा करने की कोशिश की गई। जब आरोपी ऐसा नहीं कर सका तो वह तेजाब से जलाने की धमकी देकर मौके से चला गया। लड़की की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजियाबाद जिले के राजनगर एक्सटेंशन निवासी युवती ने पूर्व सहपाठी पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। आरोपी अभद्रता करने और साथ न रहने पर तेजाब से जलाने की धमकी देने का आरोप है। राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी में रहने वाली युवती का कहना है कि वर्ष 2020 में एक कॉलेज में एलएलबी में दाखिला लिया था। कॉलेज में संजय नगर सेक्टर–23 निवासी शिवम द्विवेदी भी पढ़ता था। युवती का आरोप है कि शिवम ने पढ़ाई के बहाने बातचीत शुरू कर दी। कुछ समय बाद उसका व्यवहार असामान्य और अभद्र होने लगा। इस पर पीड़िता ने बात करना बंद कर दिया तो आरोपी परेशान करने लगा। वर्ष 2022 में पीड़िता की मां ने बाबूधाम थाने में शिकायत थी थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। युवती का कहना है कि आरोपी से परेशान होकर परिवार राजनगर एक्सटेंशन में शिफ्ट हो गया। युवती के मुताबिक छह अक्तूबर को शिवम नशे में घर पहुंच गया।

गाजियाबाद में नमो भारत और मेट्रो स्टेशन के न जुड़ने से यात्री

गाजियाबाद, एजेंसी।
नमो भारत के गाजियाबाद और शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन को जोड़ने के काम की रफ्तार धीमी है। दोनों को जोड़ने वाले फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण कार्य रफ्तार नहीं पकड़ रहा है। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही।

नमो भारत ट्रेन का मेरठ तिराहे पर गाजियाबाद स्टेशन है। पास में नया बस अड्डे पर मेट्रो स्टेशन है। यात्रियों की सुविधा के लिए दोनों स्टेशन को आपस में जोड़ने की योजना काफी समय पहले तैयार की गई थी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के अधिकारियों ने योजना बनाई कि 300 मीटर लंबा फुट ओवर ब्रिज मेट्रो स्टेशन तक बनाया

जाए। इसके बनने से नमो भारत ट्रेन के मेरठ की तरफ से आने वाले वह यात्री जिन्हें गाजियाबाद स्टेशन उतरकर मेट्रो में सफर करना है वह सीधे एफओबी से मेट्रो स्टेशन पहुंच जाएंगे। इससे यात्रियों को मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए सड़क पार करने की जरूरत नहीं होगी। निर्माण कार्य की रफ्तार धीमी होने से योजना पिछड़ रही है। जानकारों का कहना है कि एफओबी बनाने का काम पूरा हो जाना चाहिए था, क्योंकि कॉरिडोर पर ट्रेन का परिचालन शुरू हो चुका है, लेकिन अभी पूरा नहीं हुआ है। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि एफओबी का काम जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। निर्माण की रफ्तार बढ़ा दी ई है। एफओबी बनने से यात्रियों को काफी लाभ मिलेगा।

फुट ओवर ब्रिज ट्रैवेलेटर्स से लैस होगा। इसमें यात्री सामान रखकर ले जा सकेंगे। एफओबी का निर्माण दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। मौके पर अभी पिलर खड़े हो सके हैं। पिलर पर स्लैब डालकर रेलिंग लगाई जा रही। यह कार्य भी अभी आधा हुआ है। जहां यह काम हुआ है, उससे मेट्रो स्टेशन थोड़ी दूरी पर है। यहां भी निर्माण कार्य शेष है। जानकारों का कहना है कि फुट ओवर ब्रिज बनने में समय लग सकता है। 300 मीटर लंबे एफओबी बनने से दोनों स्टेशन आपस में जुड़ जाएंगे। इससे बड़ी संख्या में यात्रियों को लाभ मिलेगा क्योंकि आरआरटीएस के गाजियाबाद स्टेशन पर उतरकर यात्री मेट्रो में सवार होते हैं। फुट ओवर ब्रिज बनने से वह सड़क पार किए बिना स्टेशन पहुंच जाएंगे। सड़क पर यात्रियों के नहीं आने से हादसा होने का जोखिम खत्म हो जाएगा। यात्रियों को काफी